रायपुर। सोमवार, 14 सितम्बर, 2026
भाद्रपद कृष्ण पक्ष चतुर्थी सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 1, अंक : 43/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक विश्व केसरी

छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

सिर्फ पत्रकारिता...

vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल भारतीय टीम ने जीता जूनियर विमेंस एशिया कप... | @ विचार हिंदी दिवस की आवश्यकताः एक पुनर्मंथन ... | @ व्यापार नई पीउनजी योजना से घरेलू कनेक्शन होंगे ...

तकनीक और महत्वपूर्ण खनिजों को हथियार बनाने से बचना होगा, समावेशी विकास पर पड़ सकता है असरः पीएम मोदी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के समापन सत्र में वैश्विक नेताओं को चेतावनी देते हुए कहा कि प्रौद्योगिकी और महत्वपूर्ण खनिजों (क्रिटिकल मिनरल्स) का हथियार के रूप में इस्तेमाल वैश्विक विकास, साझा समृद्धि और समावेशी आर्थिक प्रगति के मार्ग में बड़ी बाधा बन सकता है। उन्होंने कहा कि दुनिया को सहयोग, नवाचार और साझेदारी की भावना के साथ आगे बढ़ना होगा, न कि रणनीतिक संसाधनों और तकनीक को दबाव के साधन के रूप में उपयोग करना चाहिए।

राष्ट्रीय राजधानी के भारत मंडपम में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज ब्रिक्स विभिन्न महाद्वीपों, संस्कृतियों और विकास यात्राओं को एक मंच पर जोड़ रहा है। यह संगठन की बढ़ती शक्ति, स्वीकार्यता और सदस्य देशों के आपसी विश्वास का प्रमाण है।

उन्होंने कहा कि भारत की अध्यक्षता का विषय 'लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता' रहा और सभी सदस्य देशों के सहयोग से इसे व्यवहारिक परिणामों में बदलने का प्रयास किया गया।

वैश्विक चुनौतियों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि मौजूदा समय में बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों का सीधा असर आम लोगों पर पड़ रहा है। महामारी, जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न आपदाएं और आपूर्ति शृंखला में व्यवधानों ने यह साबित कर दिया है कि आज की परस्पर जुड़ी दुनिया में कोई भी संकट किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता। इसी कारण भारत ने अपनी अध्यक्षता के दौरान ब्रिक्स देशों की सामूहिक लचीलापन क्षमता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया।

उन्होंने कहा कि ब्रिक्स लॉजिस्टिक्स सप्लाई चेन कोऑपरेशन फ्रेमवर्क वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं को अधिक विश्वसनीय और मजबूत बनाने में मदद करेगा। इसके साथ ही नवाचार को बढ़ावा देने के लिए ब्रिक्स इन्क्यूबेटर नेटवर्क सदस्य देशों के स्टार्टअप और इन्क्यूबेटरों को एक-दूसरे से जोड़ेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने नवाचार-आधारित और बड़े स्तर पर लागू किए जा सकने वाले समाधानों को प्रोत्साहित करने के लिए ब्रिक्स स्टार्टअप इनोवेशन फंड का भी प्रस्ताव रखा है।

कृषि क्षेत्र का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि ब्रिक्स डिजिटल एग्रीकल्चर नेटवर्क किसानों के लिए नई संभावनाएं पैदा करेगा। इस पहल के माध्यम से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर को किसानों की वास्तविक जरूरतों के अनुरूप उपयोग में लाया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'तकनीक और महत्वपूर्ण खनिजों को हथियार बनाने की प्रवृत्ति साझा विकास के रास्ते में बाधाएं पैदा कर सकती है। इसलिए हमने प्रौद्योगिकी के उपयोग में समावेशिता को विशेष महत्व दिया है।' उनका संकेत उन वैश्विक परिस्थितियों की ओर माना जा रहा है जहां तकनीक, डेटा और रणनीतिक संसाधनों को भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के साधन के रूप में देखा जा रहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए समय रहते जोखिमों की पहचान करना और तत्काल कार्रवाई के लिए तैयार रहना आवश्यक है। इसी दिशा में भारत ने संक्रामक रोगों के लिए ब्रिक्स एकीकृत प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली (इंटीग्रेटेड अर्ली वार्निंग सिस्टम) और आपदा प्रबंधन के लिए अर्ली वार्निंग डेटा इंटीग्रेशन गाइडलाइंस की घोषणा की।

प्रधानमंत्री ने बताया कि ब्रिक्स देशों के बीच संक्रामक रोगों की रोकथाम और त्वरित प्रतिक्रिया के लिए एक साझा प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली पर सहमति बनी है। उनका मानना है कि इससे भविष्य की महामारियों और स्वास्थ्य आपात स्थितियों का मुकाबला करने की क्षमता मजबूत होगी।

अपने संबोधन के अंत में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत ने ब्रिक्स के माध्यम से मित्रता, साझेदारी और सहयोग की भावना को आगे बढ़ाने का प्रयास किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ब्रिक्स सहयोग केवल सरकारों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसमें उद्यमियों, किसानों, शोधकर्ताओं, महिलाओं, युवाओं और आम नागरिकों की भी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए।

विश्व केसरी खबर झरोखा

सऊदी अरब पर नए हमले, खाड़ी में जहाज भी निशाने पर

रविवार को सऊदी अरब पर नए हमलों और खाड़ी में जहाजों को निशाना बनाए जाने से मध्य पूर्व में तनाव बढ़ गया। सऊदी तेल पाइपलाइन पर हमला और यमन के हूती विद्रोहियों की बढ़ती गतिविधियों ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति में जारी व्यवधान और गहराने की आशंका पैदा कर दी है।

दुनिया के सबसे बड़े तेल निर्यातक सऊदी अरब की आपूर्ति पर खतरे के चलते तेल कारोबारियों को उम्मीद है कि सोमवार को बाजार खुलने पर कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर तेजी आ सकती है।

'ग्रेटर ब्रिक्स' को मजबूत करने पर शी जिनपिंग का जोर

नई दिल्ली। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने रविवार को 'ग्रेटर ब्रिक्स' देशों के बीच सहयोग बढ़ाने के लिए एआई से लेकर व्यापार तक कई नई पहल की घोषणा की। चीन का लक्ष्य ब्रिक्स को वैश्विक दक्षिण के विकास के लिए एक व्यावहारिक मंच के रूप में मजबूत करना है। ब्रिक्स में राजनीति, सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और वित्त के क्षेत्र में सहयोग प्रमुख हैं। 2026 में भारत और 2027 में चीन समूह की अध्यक्षता करेगा। दोनों देश ब्रिक्स की वैश्विक भूमिका और प्रभाव बढ़ाने के लिए व्यापक साझेदारी पर जोर दे रहे हैं।

आईएनएस सुदर्शिनी ने इटली के लिवोर्नो से फिर शुरू की समुद्री यात्रा

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना आईएनएस सुदर्शिनी इटली से आगे बढ़ गया है। इटली के लिवोर्नो से सुदर्शिनी अपनी अगली समुद्री यात्रा के लिए सफर शुरू किया है। इससे पहले यह विशेष भारतीय पोत ने लिवोर्नो में बंदरगाह प्रवास पर था। यह नौसेना का एक पारंपरिक पोत है जो 'लोकायन 2026' के तहत विभिन्न देशों की यात्रा पर है। दरअसल आईएनएस सुदर्शिनी भारतीय नौसेना का एक प्रतिष्ठित पाल वाला पारंपरिक पोत है। इसका उपयोग प्रशिक्षण, समुद्री जागरूकता और अंतरराष्ट्रीय सद्भावना यात्राओं के लिए किया जा रहा है। वर्तमान में यह लोकायन 2026 वैश्विक समुद्री अभियान पर है। इस अभियान के तहत विभिन्न देशों के बंदरगाहों का दौरा कर भारत की समुद्री विरासत, संस्कृति और नौसैनिक परंपराओं का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। इटली के लिवोर्नो में अपने प्रवास के दौरान सुदर्शिनी पर कई पेशेवर गतिविधियां हुईं।

इटली की नौसेना के प्रमुख, एडमिरल ज्यूसेपे बेरुत्ती बर्गोत्तो ने पोत का दौरा किया। उन्होंने चालक दल और प्रशिक्षु नौसैनिकों से बातचीत की। उन्हें पोत की यात्रा और प्रशिक्षण गतिविधियों की जानकारी दी गई।

देश विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहा : अमित शाह

एजेंसी ■ मुंबई

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को मुंबई में मीडिया को संबोधित करते हुए घोषणा की कि भारतीय जनता पार्टी, उसके सहयोगी दलों, समग्र एनडीए परिवार, विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों और देश की जनता के सहयोग से 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक देशव्यापी सेवा संकल्प अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित किया जा रहा है।

अमित शाह ने कहा कि 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन है।

भाजपा पहले गुजरात और बाद में पूरे देश में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सेवा सप्ताह के रूप में उनका जन्मदिन मनाती रही है। हालांकि इस वर्ष अभियान का विशेष महत्व है, क्योंकि 7 अक्टूबर 2026 को नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में लगातार 25 वर्ष पूरे हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश में ऐसे बहुत कम नेता हैं, जिन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री के रूप में लगातार जनसेवा का इतना लंबा रिकॉर्ड बनाया हो।

गृह मंत्री ने बताया कि सेवा संकल्प अभियान देश के प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश में चलाया जाएगा।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने रिकॉर्ड छठी बार जीता जूनियर एशिया कप

फाइनल में साउथ कोरिया को 4-1 से हराया

एजेंसी ■ मोकी (चीन)

भारत की जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने रविवार को मोकी ट्रेनिंग बेस पर खेले गए फाइनल में साउथ कोरिया को 4-1 से हराकर रिकॉर्ड छठी बार एशिया कप का खिताब अपने नाम किया।

भारतीय पुरुष टीम ने लगातार चौथी बार यह महाद्वीपीय खिताब जीता और एफआईएच जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप के लिए भी क्वालीफाई किया। एशियाई प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ मुकाबले में भारतीय टीम का दबदबा रहा। भारत के लिए अजीत यादव, अनमोल एक्का, प्रभदीप सिंह और आशु मौर्य ने गोल किए, जबकि कोरियाई टीम के लिए एकमात्र गोल ली मिनह्योक ने किया। यादव ने 9वें मिनट में भारत के लिए पहला गोल किया, जिसके बाद एक्का ने 13वें मिनट में गोल करके भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया। पहले क्वार्टर के अंत तक भारत 2-0 से आगे हो गया।

प्रभदीप ने 21वें मिनट में भारत के लिए तीसरा गोल किया। भारत ने अपना दबदबा बनाए रखा और हाफ-टाइम ब्रेक तक कोरियाई टीम पर 3-0 की बड़ी बढ़त बना ली।

साल 2000 की चैंपियन टीम को वापसी के लिए कुछ खास करने की जरूरत थी, लेकिन वे वापसी करने में नाकाम रहे। मौर्य ने 50वें मिनट में भारत के लिए एक और गोल करके टीम की बढ़त को 4-0 कर दिया।

तीर तेवर — सागर कुमार

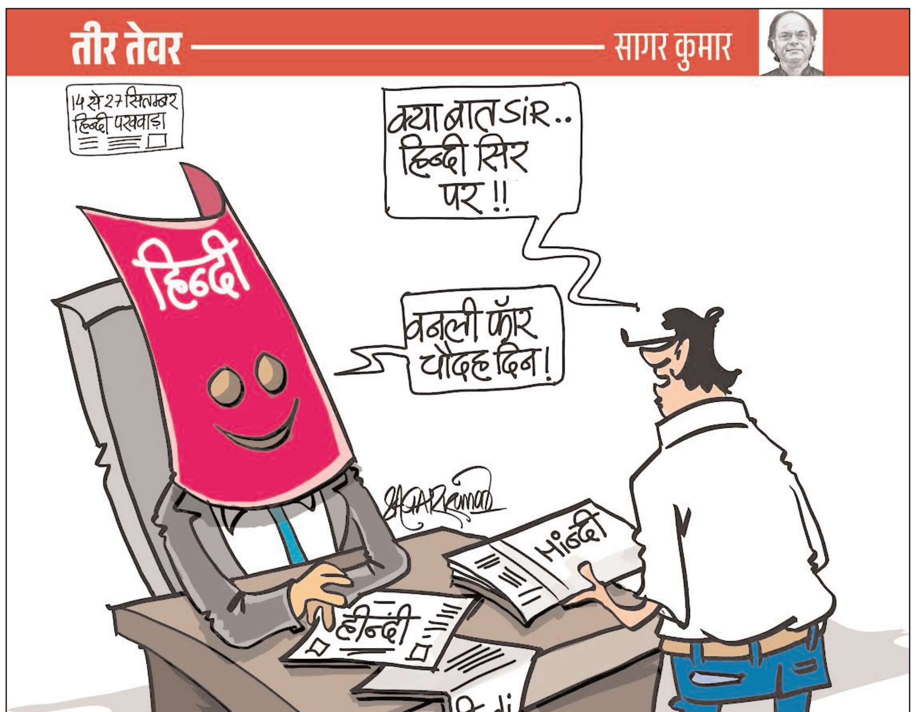

मायावती का आकाश पर हमला, बोलीं 'अपने दिमाग से काम नहीं कर रहे, अभी भी अशोक सिद्धार्थ के कहे पर चल रहे'

बसपा कार्यकर्ताओं से आगामी चुनाव को लेकर पूरी ताकत से जुट जाने का किया आह्वान

संवाददाता ■ लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने रविवार को अपने अस्वस्थ होने की खबरों को पूरी तरह निराधार बताते हुए कहा कि वह पूरी तरह स्वस्थ हैं और अपने काम में लगी हुई हैं। साथ ही उन्होंने पार्टी से निष्कासित आकाश आनंद पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि वह अभी भी अपने दिमाग से काम नहीं कर रहे हैं और अपने ससुर व पूर्व राज्यसभा सांसद अशोक सिद्धार्थ के इशारे पर चल रहे हैं। मायावती ने बसपा कार्यकर्ताओं से आगामी चुनाव को लेकर पूरी ताकत से जुट जाने का आह्वान किया।

मायावती ने कहा कि पिछले एक-दो दिनों से पार्टी से निकाले गए कुछ लोगों की ओर से कार्यकर्ताओं के बीच यह भ्रम फैलाया जा रहा है कि वह बीमार हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं को सही जानकारी देने के लिए उन्हें स्वयं सामने आना पड़ा। बसपा प्रमुख ने शनिवार रात हुई कथित फोन कॉल का जिक्र करते हुए कहा कि उनके आवास पर पार्टी इंचार्ज आलोक कुमार के फोन पर आकाश आनंद का फोन आया था। आकाश आनंद ने पूछा कि क्या बहन जी अस्वस्थ हैं। इस पर आलोक कुमार ने जवाब दिया कि मायावती पूरी तरह स्वस्थ हैं और अपना काम कर रही हैं।

मायावती ने बताया कि इसके बाद आकाश आनंद ने कहा कि उनकी इस कॉल के बारे में बहन जी को नहीं बताया जाए। उन्होंने कहा कि इस फोन कॉल की मंशा अच्छी भी हो सकती है और गलत भी लेकिन यह सोचने का विषय है कि आखिर ऐसी बात क्यों कही गई। उन्होंने कहा कि आकाश आनंद अभी भी अपने दिमाग से काम नहीं कर रहा है। वह अपने ससुर अशोक सिद्धार्थ के दिमाग से काम कर रहा है।'' मायावती ने कहा कि पार्टी और मूवमेंट के हित में हाल के दिनों में उनके द्वारा लिए गए कड़े फैसलों से बसपा को लाभ ही हुआ है, नुकसान नहीं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे पार्टी मूवमेंट में हमेशा पूरी तरह जुटे रहें और आगामी चुनाव की तैयारियों में युद्ध स्तर पर लग जाएं।

बसपा प्रमुख ने बताया कि तीन सितंबर को पार्टी की बैठक बुलाई गई थी, जो काफी लंबी चली। इसमें संगठन के काम को युद्ध स्तर पर आगे बढ़ाने के लिए पार्टी को तीन सेक्टर में बांटने का फैसला लिया गया। उन्होंने बताया कि पहले सेक्टर में उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड को रखा गया है, जिसकी जिम्मेदारी उनके दिशानिर्देश में देखी जा रही है। अन्य क्षेत्रों को भी अलग-अलग सेक्टर में बांटा गया है। संबंधित सेक्टरों के केंद्रीय सेक्टर प्रभारी दिल्ली जाकर अपनी रिपोर्ट देते रहेंगे। मायावती ने कहा कि आनंद कुमार पार्टी के कामकाज की प्रगति रिपोर्ट लेते रहेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि मुख्य सेक्टर प्रभारी का पद समाप्त कर दिया गया है और अब उनके काम की सीधी रिपोर्ट पार्टी के उपाध्यक्ष आनंद कुमार उन्हें देंगे।

उन्होंने कहा कि पार्टी हित में लिए गए इन फैसलों से संगठन को मजबूत करने और पार्टी के मिशन को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। उल्लेखनीय है कि मायावती ने हाल ही में आकाश आनंद को पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक पद से हटाने के बाद बसपा से निष्कासित कर दिया था।

रायपुर में पीएम मोदी का जन्मदिन 'सेवा पखवाड़ा' के रूप में मनाएगी भाजपा

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 17 सितंबर को आने वाले जन्मदिन को लेकर पूरे देश सहित छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। इसी क्रम में रेलवे स्टेशन स्थित 'श्री सर्व धर्म संकट मोचन हनुमान मंदिर सेवा समिति' परिसर में एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा शामिल हुईं, बैठक में उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि 17 सितंबर को विश्वकर्मा पूजा का पावन पर्व भी है, इसलिए देश के निर्माण में तत्पर प्रधानमंत्री का जन्मदिन 'देश के शिल्पकार' के रूप में मनाया जाएगा।

अपनी संस्कृति और स्मृतियों की रक्षा करने वाला राष्ट्र कभी पराजित नहीं होताः अमित शाह

विश्व केसरी

मुंबई। गृह मंत्री अमित शाह मुंबई दौरे के दौरान एशियाटिक सोसायटी में आयोजित गणेश ज्ञानार्थी प्रदर्शनी के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। समारोह में आए लोगों को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा, 'मैं पहला गृह मंत्री हूं जो एशियाटिक सोसायटी में आया है, लेकिन मैं यहां गृह मंत्री के नाते नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा को सहस्रों वर्षों तक आगे ले जाने के आंदोलन के एक आंदोलनकारी के रूप में आया हूं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि एशियाटिक सोसायटी मुंबई भारतीय ज्ञान परंपरा की वाहक बनकर इसे देशभर में पहुंचाने का कार्य करेगी।'

उन्होंने कहा, 'जो राष्ट्र अपनी भाषा, संस्कृति, स्मृति, इतिहास, संस्कार, अभिलेख और पंरपराओं की रक्षा नहीं कर सकता है, वह कितना भी शक्तिशाली हो, उसको समाप्त होने में देर नहीं लगती है। जो राष्ट्र अपनी भाषा, संस्कृति, स्मृति, इतिहास, संस्कार, भाषा, परंपराएं और व्यकारण की रक्षा करता है, वह चाहे जितने साल भी गुलाम रहे, उसको गुलाम नहीं बना सकता है, इसका भारत उदाहरण है। अनेक लोगों ने पूरे विश्व का मार्दर्शन देने वाले यहां पैदा हुए ओजस्वी ज्ञान को समाप्त करने का प्रयास किया, लेकिन नहीं कर पाए। नालंदा का पुस्तकालय जला सकते हैं, लेकिन स्मृति और श्रुति से जो लोगों के चित में बसा है, उस ज्ञान को कोई समाप्त नहीं कर सकता।'

गृह मंत्री ने कहा, 'हमारे देश का संस्कार है कि जब हम पराजित होते हैं, तब धैर्य रखकर आगे बढ़ते हैं। जब विजयी होते हैं, तो जिन पर विजय प्राप्त करते हैं, उनकी स्मृतियों को नष्ट किए बिना हमारे परंपरा में जोड़ने का प्रयास करते हैं।'

अमित शाह ने एशियाटिक सोसायटी में परिवर्तन लाने पर जोर देते हुए कहा, 'सच्चा ज्ञान, कभी किसी विचारधारा का बंधक नहीं होता। ज्ञान अपने आप में एक विचारधारा है और इसको किसी प्रकार से बांधते हो तो ज्ञान के मायने बदल जाते हैं। ज्ञान मुक्त और उन्मुक्त होना चाहिए। इसलिए एशियाटिक सोसायटी में जो ज्ञान, संपदा और एकत्रिकरण का उपयोग महान भारत की रचना में करना चाहिए। एशियाटिक सोसायटी के ज्ञान का इस्तेमाल अब विश्व के कल्याण के लिए होगा। अंग्रेजों ने ज्ञान और सत्ता को एक सूत्र में बांध दिया था, लेकिन अब ज्ञान और सत्ता को अलग कर ज्ञान के आधार पर सत्ता की रचना हो और देश चले, ऐसी व्यवस्था बनाने का काम एशियाटिक सोसायटी को करना चाहिए।'

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, 'आज मैं यहां बहुत कम समय के लिए बोलने आया हूं, लेकिन मैं 'इंडोलॉजी' शब्द के बारे में जरूर बात करना चाहता हूं। एशियाटिक सोसायटी को समझने के लिए 'इंडोलॉजी' शब्द को समझना भी जरूरी है। न्यूमिजमैटिक्स (सिक्का-विज्ञान), एपिग्राफी (अभिलेख-शास्त्र), एंथ्रोपोलॉजी (मानव-विज्ञान), इतिहास, पुरातत्व, भाषा-विज्ञान, दर्शनशास्त्र, साहित्य, धर्मशास्त्र और व्याकरण - इन सबको मिलाकर 'इंडोलॉजी' बनी। हालांकि, मैं आज यह साफ करना चाहता हूं कि उस समय इसका मकसद दुनिया या ब्रह्मांड का कल्याण करना नहीं था, जो भारतीय ज्ञान परंपरा में ज्ञान का मकसद होता है। इसका मकसद यहां की व्यवस्थाओं को समझना और लंबे समय तक लोगों पर राज करना था।'

गृह मंत्री ने कहा, 'भारत का संस्कार है कि जब हम पराजित होते हैं, तो धैर्य रखकर आगे बढ़ते हैं और जब विजय प्राप्त करते हैं, तो जिन पर विजय पाई है, उनकी स्मृति को नष्ट किए बिना उन्हें अपनी परंपरा से जोड़ने का प्रयास करते हैं।'

जगन ने शिक्षक भर्ती में अनियमितताओं पर नायडू सरकार पर उठाए सवाल

विश्व केसरी

अमरावती। वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष वाईएस. जगन मोहन रेड्डी ने डीएससी के माध्यम से शिक्षकों की भर्ती में कथित अनियमितताओं को लेकर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू पर अपना हमला जारी रखा है। पूर्व मुख्यमंत्री ने रविवार को डीएससी स्कैम का जिक्र करते हुए सोशल मीडिया पर एक लंबा पोस्ट साझा किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू एक्सप्लेनेशन बदलते रहते हैं और हर नई एक्सप्लेनेशन टीचर बनने की चाह रखने वालों के लिए और भी सवाल खड़े करती है।

शिक्षक भर्ती घोटाले का जिक्र करते हुए उन्होंने क्रम अनुसार बताया कि कैंडिडेट के वेरिफिकेशन के 7 स्टेज पास करने के बाद, पोस्ट को 65 टीईटी मार्क्स दिए गए थे। जब कैंडिडेट वेरिफिकेशन के 7 स्टेज से गुजरा था। डीईओ ने कन्फर्म किया कि कैंडिडेट इनएलिजिबल है। तो सीधा सवाल यह है, उन 7 स्टेज में असल में क्या वेरिफाई किया गया था।

जगन के मुताबिक, तीसरा ट्विस्ट यह था कि कैंडिडेट को नौकरी तो मिल गई लेकिन उसे पता नहीं था। कैंडिडेट ने खुद कथित तौर पर कहा कि उसे नहीं पता कि उसे नौकरी कैसे मिली।

पूर्व सीएम ने चौथे ट्विस्ट पर जोर देते हुए कहा कि ऑफिशियल्स ने कन्फर्म किया कि उसने 2018 के टीईटी अटेम्प्ट में 77 मार्क्स स्कोर किए थे। अगर वे 77 मार्क्स पहले से रिकॉर्ड में थे, तो उन पर पहले क्यों नहीं विचार किया गया। डीईओ ने उसे इनएलिजिबल क्यों घोषित किया, और यह एक्सप्लेनेशन सवाल उठने के बाद ही क्यों सामने आया। जगन ने पूछा कि रिपोर्ट किए गए 77 मार्क्स पेपर-II-बी (स्कूल असिस्टेंट स्पेशल एजुकेशन) के तहत बताए जा रहे हैं, लेकिन पेपर-II-ए एसजीटी पोस्ट के लिए जरूरी टीईटी कैटेगरी है। तो, वह वेरिफिकेशन के 7 स्टेज से कैसे पास हुआ। नौकरी मिलने के बाद भी, कैंडिडेट ने 2025 में फिर से टीईटी दिया। अगर 2018 के 77 मार्क्स के स्कोर ने उसे पहले ही एलिजिबल बना दिया था, तो फिर से टीईटी देने की क्या जरूरत थी।

सीएम नायडू से सवाल करते हुए जगन ने कहा कि क्या इसे किसी भी तरह से फेयर और ट्रांसपेरेंट कहा जा सकता है।

संक्षिप्त खबरें

अपहरण-मारपीट मामले में पांच आरोपी कोलकाता से गिरफ्तार

विश्व केसरी

रांची। झारखंड के चतरा विधानसभा क्षेत्र से लोक जनशक्ति पार्टी के विधायक जनार्दन पासवान के बेटे सौरभ कुमार के अपहरण और मारपीट के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को कोलकाता से गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, पकड़े गए आरोपियों की पहचान रौनक सिंह राजपूत, प्रकाश गुप्ता, आयुष कुमार, प्रीतम और ज्ञानदीप के रूप में हुई है। घटना 7 सितंबर की है। विधायक के पुत्र के अपहरण की सूचना के दो घंटे के भीतर पुलिस ने उसे सकुशल बरामद कर लिया था। इस संबंध में पुलिस में दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार सौरभ कुमार रांची में एमिटी यूनिवर्सिटी के गेट के पास अपने दोस्तों अमरदीप दुबे, अनमोल और रविशंकर के साथ खड़े थे। इसी दौरान सौरभ के दोस्त अमरदीप की जूनियर छात्र लक्की राज से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। आरोप है कि विवाद बढ़ने के बाद लक्की राज ने फोन कर कुछ बाहरी युवकों को मौके पर बुला लिया।

कोडरमा में मोबाइल दुकानदार पर चाकू से हमले के बाद तनाव

विश्व केसरी

कोडरमा। झारखंड के कोडरमा जिले के तिलैया में रविवार को मोबाइल दुकानदार पर चाकू से हमला किए जाने के बाद इलाके में तनाव की स्थिति बन गई। घटना से आक्रोशित लोगों ने कथित आरोपी की बाइक में आग लगा दी और रांची-पटना मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। घटना तिलैया थाना क्षेत्र के असनाबाद में हुई। घायल दुकानदार की पहचान इम्तियाज अहमद उर्फ गुड्डू के रूप में हुई है। उसे गंभीर हालत में सदर अस्पताल, कोडरमा ले जाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस के अनुसार, किसी बात को लेकर विवाद के बाद एक युवक ने दुकानदार पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद आरोपी अपनी बाइक मौके पर छोड़कर फरार हो गया। घायल दुकानदार ने पुलिस को दिए बयान में गौरव कुमार नामक युवक पर हमला करने का आरोप लगाया है।

असम के सीएम ने जोरहाट में किया रेलवे ओवरब्रिज का उद्घाटन, बोले-बेहतर कनेक्टिविटी बनेगी विकास का आधार

विश्व केसरी

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार राज्य के विकास के अगले चरण के लिए कनेक्टिविटी को आधार बना रही है।

उन्होंने कहा कि विकास का फायदा लोगों तक पहुंचाने के लिए बेहतर सड़क और रेल इंफ्रास्ट्रक्चर जरूरी है।

मुख्यमंत्री सरमा ने ये बातें जोरहाट के सिन्नामारा में एक रेलवे ओवरब्रिज का उद्घाटन करने के बाद कहीं। उन्होंने कहा कि इससे ऐतिहासिक शहर के एक मुख्य जाम वाले इलाके में ट्रैफिक जाम की समस्या कम होगी और यह रेलवे क्रॉसिंग को ट्रैफ?क-मुक्त बनाने की राज्य की बड़ी कोशिश का हिस्सा होगा। मुख्यमंत्री सरमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'लोग अक्सर मुझसे पूछते हैं कि असम अपने शहरों, कस्बों और गांवों में इतने पुल क्यों बना रहा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि दशकों तक हम कनेक्टिविटी के मामले में पीछे रहे और विकास का फायदा लोगों तक नहीं पहुंच पाया।'

सीएम ने कहा कि राज्य कनेक्टिविटी की कमी को दूर करने और यह सुनिश्चित करने के लिए 'प्रतिबद्ध' है कि बिना रुकावट के आवाजाही आम बात हो, न कि कोई अपवाद। सिन्नामारा आरओबी रेलवे क्रॉसिंग के कारण होने वाले जाम और देरी को खत्म करने की सरकार की राज्यव्यापी कोशिशों का हिस्सा है।

इस इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट से सिन्नामारा में ट्रैफ?क की आवाजाही बेहतर होने और यात्रियों को रेलवे लाइन के पार एक आसान रास्ता मिलने की उम्मीद है। ऐसे प्रोजेक्ट्स का मकसद रेलवे लेवल क्रॉसिंग पर गाड़ी चलाने वालों और पैदल चलने वालों के इंतजार के समय को कम करना भी है, खासकर व्यस्त शहरी और अर्ध-शहरी इलाकों में।

मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि कनेक्टिविटी सिर्फ इंफ्रास्ट्रक्चर की प्राथमिकता नहीं है, बल्कि असम के आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए एक जरूरी जरूरत है। बेहतर कनेक्टिविटी से लोगों, कृषि उत्पादों और सामान की आवाजाही आसान हो सकती है।

उमर खालिद पर बनी डॉक्यूमेंट्री की स्क्रीनिंग रद्द करने की एबीवीपी ने की मांग

विश्व केसरी

बेंगलुरु। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की बेंगलुरु इकाई ने नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी (एनएलएसआईयू) में उमर खालिद पर बनी डॉक्यूमेंट्री 'प्रिजनर नंबर 626710 इज प्रेजेंट' की प्रस्तावित स्क्रीनिंग रद्द करने की मांग की है।

फिल्मकार ललित वाचानी की यह डॉक्यूमेंट्री 14 सितंबर को विश्वविद्यालय की छात्र संस्था लॉ एंड सोसाइटी कमेटी (लॉ सोक) द्वारा दिखाई जानी प्रस्तावित है। यह कार्यक्रम उमर खालिद के समर्थन में आयोजित किया जा रहा है और यूएपीए के तहत बिना मुकदमा शुरू हुए उनकी गिरफ्तारी के छह वर्ष पूरे होने के मौके पर रखा गया है।

यह स्क्रीनिंग देशभर में विभिन्न स्थानों पर आयोजित किए जा रहे एकजुटता कार्यक्रमों और स्क्रीनिंग श्रृंखला का हिस्सा है। यह कार्यक्रम राजनीतिक बंदी दिवस (13 सितंबर) के एक दिन बाद और उमर खालिद की 2020 में हुई गिरफ्तारी की तारीख के साथ भी मेल खाता है।

जेएनयू के पूर्व छात्र नेता उमर खालिद को 2020 के दिल्ली दंगों के मामले में गिरफ्तार किया गया था। उन पर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) समेत अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज है और वह सितंबर 2020 से न्यायिक हिरासत में हैं। मामले में अभी तक सुनवाई शुरू नहीं हुई है। एबीवीपी बेंगलुरु के सचिव अभिनंदन मिर्जी ने प्रेस बयान जारी कर प्रस्तावित स्क्रीनिंग की कड़ी निंदा की।

चेन्नई में बुखार और डेंगू के मामले बढ़े

विश्व केसरी

चेन्नई। चेन्नई और इसके उपनगरीय इलाकों में पिछले कुछ हफ्तों में बुखार के मामलों में तेज बढ़ोतरी देखी गई है। कई इलाकों में वायरल संक्रमण और डेंगू फैल रहा है। डॉक्टरों ने लोगों से सतर्क रहने, समय पर डॉक्टर से मिलने और मच्छरों को पनपने से रोकने के उपाय अपनाने की अपील की है।

पिछले 10 दिनों में शहर और उपनगरों में 2,000 से ज्यादा लोगों में बुखार के लक्षण मिले हैं। इनमें से 140 मामलों में डेंगू की पुष्टि हुई है, जो मच्छर जनित संक्रमण के पॉजिटिव मामलों में बढ़ोतरी का संकेत है। इसकी तुलना में अगस्त महीने में लगभग 4,500 बुखार के मामले दर्ज किए गए थे, जिनमें से 160 में डेंगू पाया गया था।

ताजा आंकड़ों ने स्वास्थ्य विशेषज्ञों की चिंता बढ़ा दी है, खासकर इसलिए क्योंकि कम समय में डेंगू के मामलों की संख्या पिछले महीने के कुल आंकड़े के करीब पहुंच रही है। अड्यार, अन्ना नगर और वलसरवक्कम जोन उन इलाकों में हैं जहां बुखार के मामले ज्यादा आ रहे हैं। सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों में बुखार, बदन दर्द, खांसी और अन्य लक्षणों के साथ मरीजों के आने से स्वास्थ्य अधिकारी और मेडिकल टीमें स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही हैं। डॉक्टरों ने बताया कि शहर में इन्फ्लूएंजा ए, राइनोवायरस और रेस्पिरेटरी सिंकाइटियल वायरस, जिसे आमतौर पर आरएसवी कहा जाता है, सहित कई सांस संबंधी वायरस फैल रहे हैं। वायरल बुखार परिवार के सदस्यों में तेजी से फैल सकता है।

बिहार में 45 लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित तेजस्वी यादव ने राज्य-केंद्र सरकार को घेरा

विश्व केसरी

पटना। राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को बाढ़ समेत कई मुद्दों को लेकर केंद्र और राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में 45 लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हैं, लेकिन केंद्र और राज्य सरकार इस गंभीर संकट को लेकर संवेदनशील नहीं हैं। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार के दोनों इंजन में आग लगी हुई है और राज्य सरकार का खजाना खाली है।

पटना में प्रेस वार्ता में तेजस्वी यादव ने कहा कि बाढ़ और राघोपुर में कटाव समेत कई मुद्दों को लेकर उन्होंने मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री को पत्र लिखा, लेकिन किसी पत्र का जवाब तक नहीं मिला। उन्होंने कहा कि सरकार जवाब दे या न दे, लेकिन बिहार की जनता ने यदि उसे जनादेश दिया है तो उसे जनता के लिए काम करना चाहिए। तेजस्वी ने कहा कि राजद ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर बिहार में आई बाढ़ को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने, विशेष पैकेज देने तथा सेना, वायुसेना और हेलीकॉप्टरों की मदद से राहत सामग्री पहुंचाने की मांग की थी।

उन्होंने आरोप लगाया कि अब तक केंद्र की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने बिहार से जुड़े केंद्रीय मंत्रियों और एनडीए सांसदों पर भी निशाना साधते हुए कहा कि बिहार में एनडीए के 30 से अधिक सांसद और कई केंद्रीय मंत्री हैं, लेकिन कोई भी केंद्र से बिहार के लिए विशेष सहायता नहीं ला पा रहा है। उन्होंने गुजरात में बाढ़ और भारी बारिश के दौरान केंद्र की सक्रियता का हवाला देते हुए बिहार के साथ कथित भेदभाव का आरोप लगाया।

आकाश आनंद के निष्कासन पर उदित राज बोले बसपा को खत्म करना चाहती हैं मायावती

विश्व केसरी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती द्वारा अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी से निष्कासित किए जाने के बाद से दूसरी पार्टियों में शामिल होने की अटकलें लगने लगी हैं। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद द्वारा आकाश आनंद को पार्टी में आने का ऑफर दिए जाने और डिंपल पर सपा प्रवक्ता फखरुल हसन चांद, कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र और उदित राज ने प्रतिक्रिया दी।

बसपा प्रमुख मायावती द्वारा बसपा मिशन के लिए अपने भाई की बेटी को चुनने पर कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता उदित राज ने कहा, 'मुझे लगता है कि मायावती खुद चाहती हैं कि बसपा खत्म हो जाए। इसलिए चाहे कोई बड़ा नेता हो या कोई और जब कोई गलती करता है, तो वह उस गलती से सीखता है। उन्होंने कांशी राम के सभी मिशनरी साथियों को एक-एक करके निकाल दिया। इसलिए वह बहुत असुरक्षित महसूस करती हैं और मुझे नहीं पता कि वह ऐसा क्यों कर रही हैं। दूसरी बात, यह बहुत संभव है कि यह सब भारतीय जनता पार्टी के दबाव में हो रहा हो।'

समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता फखरुल हसन चांद ने आईएनएस से बातचीत में कहा, जब समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव से आकाश आनंद के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि अगर वह शामिल होते हैं, तो पार्टी में उनका स्वागत किया जाएगा। पार्टी का मानना है कि उसके दरवाजे उन सभी के लिए खुले हैं, जिन्हें अखिलेश यादव के नेतृत्व और समाजवादी पार्टी की विचारधारा पर भरोसा है। जहां तक चंद्रशेखर की पार्टी में शामिल होने या छोड़ने और उनके ऑफर की बात है, तो इस पर समाजवादी पार्टी की कोई टिप्पणी नहीं है।

सपा सांसद डिंपल यादव ने मायावती पर पलटवार करते हुए कहा है कि समाजवादी पार्टी रंगों की नहीं, पीडीए की लड़ाई लड़ रही है। इस पर सपा प्रवक्ता फखरुल हसन चांद ने कहा, 'समाजवादी पार्टी मुद्दों की लड़ाई लड़ रही है। पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक, गरीब, किसान और मजदूर पर जो अत्याचार हो रहा है।

दक्षिण कश्मीर में कई जगहों पर की छापेमारी आतंकियो के ठिकानो की तलाश कर रही पुलिस

विश्व केसरी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस की काउंटर-इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) विंग ने रविवार को आतंकवाद से जुड़े एक मामले में साउथ कश्मीर में कई जगहों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने बताया कि काउंटर-इंटेलिजेंस कश्मीर ने पूरे साउथ कश्मीर में रेड की। इनमें कुलगाम और शोपियां जैसे जिले भी शामिल रहे। अधिकारियों ने बताया कि रेड दूसरी एजेंसियों की मदद से की गई है और डिटेल्स का इंतजार है।

सीआईके जम्मू और कश्मीर पुलिस की एक स्पेशल विंग है, जिसने टेरर नेटवर्क, रेडिकलाइजेशन मॉड्यूल और फंडिंग चैनल को खत्म करने के लिए अपने ऑपरेशन काफी तेज कर दिए हैं। शोपियां और कुलगाम में रविवार की कार्रवाई से पहले के हालिया ऑपरेशन उनकी रणनीतिक फोकस को स्पष्ट करते हैं। सीआईके के टारगेट में वे टेरर नेटवर्क शामिल हैं जो हिडन मैसेजिंग एप्लिकेशन का इस्तेमाल कर रहे हैं। इस साल की शुरुआत में सीआईके ने बडगाम, अवंतीपोरा, पुलवामा, कुपवाड़ा, शोपियां और श्रीनगर समेत छह जिलों में कोऑर्डिनेटेड रेड की थी।

सीआईके ने खुलासा किया है कि लोकल सस्पेक्ट्स क्रॉस-बॉर्डर टेररिस्ट हैंडलर्स के साथ लगातार टच में रहने के लिए हाई-सिक्योरिटी एन्क्रिप्टेड ऐप्स का इस्तेमाल कर रहे थे। कम्युनिकेशन लाइनों को मैप करने के लिए डिजिटल डिवाइस और लॉग्स जब्त किए गए। पुलिस एजेंसी ने अब तक जुलाई 2026 में जैश-ए-मोहम्मद रिक्रूटमेंट सेल को सफलतापूर्वक खत्म कर दिया है। यह एक लोकल रिक्रूटमेंट और स्लीपर सेल मॉड्यूल था जिसे बॉर्डर पार से हैंडल किया जाता था, जो घाटी के पुलवामा, गंदेरबल, श्रीनगर और बडगाम में था।

इस मामले में सीआईके ने एक क्रॉस-बॉर्डर कमांडर से एक्टिव रूप से निर्देश लेने वाले एक गैंग को रोकने के लिए दस खास जगहों पर रेड मारी थी।

फोकस लोकल युवाओं को एक्टिव स्लीपर सेल में रिक्रूट होने से रोकना था, जिन्हें लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) के पार टेरर नेटवर्क का सपोर्ट है। सीआईके के इंटरस्टेट और जेल नेटवर्क इंटेल ऑपरेशंस ने अनंतनाग डिस्ट्रिक्ट जेल और कुलगाम, उधमपुर और जम्मू शहर में इसी तरह की जगहों पर कैदियों से जुड़े कम्युनिकेशन और बाहरी नेटवर्क को भी खत्म कर दिया।

जेल की जगहों के अंदर से संदिग्ध टेक्निकल सिग्नेचर मिलने के बाद, सीआईके ने कोऑर्डिनेटेड सर्च वारंट जारी किए। सेल और बाहरी लिंक से कई मोबाइल फोन, सिम कार्ड और टैबलेट बरामद किए गए।

राष्ट्रीय पर्यटन मंच पर छत्तीसगढ़ की गूंज

देश-दुनिया के सामने खुली पर्यटन संभावनाओं की नई राह

विश्व केसरी

रायपुर (संवाददाता)। छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक खूबसूरती, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और जनजातीय परंपराओं ने एक बार फिर राष्ट्रीय पर्यटन मंच पर अपनी अलग पहचान दर्ज कराई है। विशाखापट्टनम में आयोजित 41वें इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स के वार्षिक सम्मेलन में छत्तीसगढ़ के पर्यटन विकास की संभावनाओं और भविष्य की दिशा पर विस्तार से चर्चा हुई। देशभर से जुटे पर्यटन विभागों, यात्रा संचालकों और पर्यटन उद्योग से जुड़े प्रतिनिधियों के बीच छत्तीसगढ़ की विविधतापूर्ण पर्यटन क्षमता को सामने रखने का अवसर मिला। सम्मेलन के दौरान प्रदेश की पर्यटन संभावनाओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए जाने के साथ छत्तीसगढ़ को 'बेस्ट इमरजिंग टूरिस्ट डेस्टिनेशन' के प्रतिष्ठित सम्मान से भी नवाजा गया।

विशाखापट्टनम स्थित नोवोटेल वरुण बीच में 10 से 13 सितंबर तक आयोजित चार दिवसीय सम्मेलन की मुख्य विषय-वस्तु 'भारत—विश्व के पर्यटन अवसरों का अगला बड़ा केंद्र' रही। सम्मेलन में देश में पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने, नए पर्यटन स्थलों को विकसित करने तथा पर्यटन कारोबार को बढ़ावा देने से जुड़े विभिन्न विषयों पर मंथन किया गया। इस राष्ट्रीय मंच पर छत्तीसगढ़ ने अपनी पर्यटन विविधता और संभावनाओं को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करते हुए देश के पर्यटन मानचित्र पर अपनी बढ़ती उपस्थिति को रेखांकित किया।

पर्यटन विकास के विजन को मिला राष्ट्रीय मंच

सम्मेलन के विभिन्न सत्रों में छत्तीसगढ़ के पर्यटन विकास की दिशा, प्रदेश की विशेषताओं और यहां मौजूद पर्यटन अवसरों को प्रमुखता से रखा गया। प्राकृतिक सौंदर्य से लेकर इतिहास, धर्म, संस्कृति और जनजातीय जीवन तक छत्तीसगढ़ की विविध पहचान को पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया गया। प्रदेश की पर्यटन संपदा को प्रभावशाली वीडियो प्रेजेंटेशन के माध्यम से देशभर से आए ट्रैवल एजेंट्स और टूर ऑपरेटर्स के सामने प्रस्तुत किया गया। प्रस्तुति में छत्तीसगढ़ के प्राकृतिक सौंदर्य, आदिवासी संस्कृति, वन्यजीव, जलप्रपात, पुरातात्विक धरोहर और साहसिक पर्यटन स्थलों की आकर्षक झलक दिखाई गई।

प्रस्तुति के दौरान देशभर से आए ट्रैवल एजेंट्स और टूर ऑपरेटर्स को छत्तीसगढ़ को अपनी नई यात्रा इटिनरी में शामिल करने तथा इसे एक उभरते हुए पर्यटन गंतव्य के रूप में बढ़ावा देने के लिए आमंत्रित किया गया। साथ ही पर्यटन बोर्ड द्वारा प्रदेश में पर्यटन विकास के लिए की जा रही पहलों और नई पर्यटन संभावनाओं की जानकारी भी साझा की गई। प्रदेश के पर्यटन को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों तक पहुंचाने, नए पर्यटन स्थलों को विकसित करने तथा स्थानीय समुदायों को पर्यटन से जोड़कर रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श हुआ।

केंद्रीय मंत्री सहित देशभर के पर्यटन प्रतिनिधि हुए शामिल

सम्मेलन में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू, आंध्र प्रदेश के पर्यटन, संस्कृति एवं छायांकन मंत्री कंदुला दुर्गेश, आंध्र प्रदेश सरकार के विशेष मुख्य सचिव शमशेर सिंह रावत सहित पर्यटन और यात्रा उद्योग से जुड़े अनेक प्रमुख प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा ने भी सम्मेलन में सहभागिता की। पर्यटन क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विषयों पर हुए संवाद में उन्होंने प्रदेश की पर्यटन संभावनाओं को राष्ट्रीय स्तर पर सामने रखा। सम्मेलन के दौरान नीलू शर्मा को सम्मानित भी किया गया।

झरनों, जंगलों और जनजातीय संस्कृति से समृद्ध है छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ की पर्यटन पहचान केवल प्राकृतिक सौंदर्य तक सीमित नहीं है। प्रदेश में प्रकृति के साथ इतिहास, अध्यात्म, संस्कृति और जनजातीय जीवन का अद्भुत समन्वय देखने को मिलता है।

बस्तर के मनमोहक जलप्रपात और घने वन, सिरपुर की प्राचीन ऐतिहासिक विरासत, दंतेवाड़ा की धार्मिक आस्था और प्रदेश की समृद्ध जनजातीय संस्कृति एवं लोक परंपराएं छत्तीसगढ़ को देश के अन्य पर्यटन राज्यों से अलग पहचान देती हैं।

दुर्व्यवहार अथवा उत्पीड़न की शिकायत मिलते ही हो तत्काल कार्रवाई, दोषी बख्शे न जाएं : सीएम साय

विश्व केसरी

रायपुर (संवाददाता)। रायपुर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेश के आवासीय विद्यालयों और छात्रावासों में अध्ययनरत बालिकाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी जिला कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों को आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्पष्ट कहा है कि बच्चों की सुरक्षा और गरिमा से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। दुर्व्यवहार, उत्पीड़न अथवा असुरक्षित वातावरण से संबंधित किसी भी शिकायत को पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ लेते हुए तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आवासीय विद्यालय और छात्रावास बच्चों के लिए केवल अध्ययन के स्थान नहीं, बल्कि उनके घर की तरह हैं। माता-पिता अपने बच्चों को विश्वास के साथ इन संस्थानों में भेजते हैं। इस विश्वास की रक्षा करना शासन-प्रशासन और संस्थान से जुड़े प्रत्येक अधिकारी-कर्मचारी की जिम्मेदारी है। बच्चों को सुरक्षित, भयमुक्त और गरिमापूर्ण वातावरण उपलब्ध कराना हर परिस्थिति में सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बीजापुर जिले के

एकलव्य आवासीय विद्यालय में छात्राओं के साथ कथित दुर्व्यवहार संबंधी समाचार पर संज्ञान लेते हुए जिला कलेक्टर विश्वदीप और पुलिस अधीक्षक को मामले की गंभीरता से जांच कर नियमानुसार कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। जांच में जो भी तथ्य सामने आएं, उनके आधार पर बिना किसी विलंब के विधिसम्मत कार्रवाई की जाए। यदि किसी स्तर पर शिकायत की अनदेखी, उसे दबाने का प्रयास अथवा कर्तव्य में लापरवाही पाई जाती है तो संबंधित जिम्मेदारों की जवाबदेही भी तय की जाए।

मुख्यमंत्री साय ने इस प्रकरण के संदर्भ में सभी जिलों को व्यापक सतर्कता बरतने के निर्देश देते हुए कहा कि जिले में संचालित बालिका छात्रावासों, आश्रमों और आवासीय विद्यालयों का नियमित निरीक्षण किया जाए। कलेक्टर यह सुनिश्चित करें कि इन संस्थानों में सुरक्षा संबंधी निर्धारित व्यवस्थाओं और प्रोटोकॉल का पूरी तरह पालन हो रहा है। छात्रावासों में अधीक्षकों एवं अन्य जिम्मेदार कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति, परिसर की सुरक्षा व्यवस्था तथा बच्चों की शिकायतों के निराकरण की व्यवस्था की भी समीक्षा की जाए।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि बच्चों से जुड़ी शिकायतों के मामले में केवल शिकायत मिलने के बाद कार्रवाई करने तक व्यवस्था सीमित नहीं रहनी चाहिए। नियमित निरीक्षण, सतत संवाद और प्रभावी निगरानी के माध्यम से ऐसी परिस्थितियों को पहले ही पहचानने और रोकने की व्यवस्था विकसित की जाए। विद्यालय एवं छात्रावास प्रबंधन को भी यह स्पष्ट रूप से बताया जाए कि बच्चों की सुरक्षा के प्रति किसी भी प्रकार की उदासीनता गंभीरता से ली जाएगी। मुख्यमंत्री साय ने जिला कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों को निर्देशित किया है कि बालिकाओं के साथ दुर्व्यवहार, उत्पीड़न अथवा उन्हें डराने-धमकाने जैसी किसी भी शिकायत की सूचना मिलने पर संबंधित विभाग और पुलिस प्रशासन आपसी समन्वय के साथ तत्काल कार्रवाई करें। आवश्यक होने पर पीड़ित छात्राओं को काउंसलिंग एवं अन्य जरूरी सहायता भी उपलब्ध कराई जाए।

स्मार्ट मीटर की अनिवार्यता को समाप्त किया जाए : लक्ष्मी ध्रुव

विश्व केसरी

नगरी (राजशेखर नायर)। सिहावा की पूर्व विधायक डॉ लक्ष्मी ध्रुव ने छत्तीसगढ़ शासन से जन भावनाओं के अनुरूप जनहित में निर्णय लेते हुए स्मार्ट मीटर की अनिवार्यता को समाप्त कर इसे वैकल्पिक किए जाने की मांग की है ध्रुव ने कहा कि गांव-गांव में जनसंपर्क के दौरान आम नागरिकों, गरीब वर्ग ,मध्यम वर्ग में स्मार्ट मीटर का विरोध देखने को मिल रहा है लोगों का कहना है कि जब से स्मार्ट मीटर लगा है बिल दुगना आने लगा है जिससे परिवारों का मासिक आर्थिक बजट पूरी तरह बिगड़ गया है महिला वर्ग का कहना है कि महतारी वंदन का पैसा मिल रहा है उसमें और पैसा लगाकर बिजली का बिल चुका रहे हैं कई उपभोक्ताओं का यह भी कहना है कि घर के उपकरण बंद रहने के बावजूद मीटर तेजी से चल रहा है और रीडिंग बढ़ रही है डॉ लक्ष्मी ध्रुव ने कहा की बिजली विभाग या निजी एजेंसी बिना किसी पूर्व सूचना या सहमति के पुराने मीटर बदलकर स्मार्ट मीटर लगाए हैं । भूपेश बघेल की सरकार में मजदूर, किसान, मध्यम वर्ग के लोग सभी लोग खुश थे क्यों कि बिजली बिल हाफ का लाभ मिल रहा था अभी के विष्णु देव की सरकार में बिजली बिल दुगना का उपहार मिल रहा है,केंद्र की सरकार और राज्य सरकार लोगों को सोलर पैनल लगाने के लिए जबरदस्ती प्रोत्साहित कर रहे है सोलर पैनल बनाने वाले कंपनिया इनके ही खास लोग हैं किसी तरह से उनको लाभ पहुंचाना है बोल रहे है कि सोलर पैनल लगाने से बिजली बिल कम आयेगा लेकिन सोलर पैनल को उपभोक्ता लोन के रूप में मिलेगा जैसा ही वो लोन को पूरा जमा करेंगे तब तक सोलर का बैटरी खत्म हो जाएगा।

गणेश उत्सव समिति की बैठक आयोजित स्वच्छता को लेकर दी गई जानकारी

विश्व केसरी

छुरा (मानसिंह निषाद)। गणेश उत्सव को शांतिपूर्ण, व्यवस्थित एवं स्व'छ वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से नगर पंचायत कार्यालय छुरा में गणेश उत्सव समितियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में गणेश उत्सव के दौरान स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर समितियों के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को आवश्यक जानकारी दी गई।

बैठक में नगर पंचायत की ओर से गणेश उत्सव समितियों से अपील की गई कि पूजा पंडाल एवं आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें। उत्सव के दौरान निकलने वाले फूल-माला, प्रसाद एवं अन्य कचरे को इधर-उधर न फेंककर निर्धारित डस्टबिन में ही डालें तथा गीले एवं सूखे कचरे के उचित प्रबंधन में नगर पंचायत का सहयोग करें।

इस अवसर पर गणेश उत्सव समितियों को स्वच्छता बनाए रखने के लिए डस्टबिन का वितरण भी किया गया। नगर पंचायत द्वारा बताया गया कि धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों के दौरान स्वच्छता बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। समितियों से अपील की गई कि वे अपने-अपने पंडाल परिसर को स्व'छ एवं व्यवस्थित रखने के साथ-साथ श्रद्धालुओं को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करें।

बैठक में गणेश उत्सव को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देशों पर चर्चा की गई तथा नगर में स्वच्छता, यातायात व्यवस्था एवं शांतिपूर्ण आयोजन के लिए सभी समितियों से सहयोग की अपेक्षा की गई।

सौभाग्यवती स्त्रियां अपने सुहाग को अखण्ड बनाए रखने तीजा का व्रत रखती है

विश्व केसरी

बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)। हरितालिका तीज का पर्व सुहागिन महिलाओं और कुंवारी कन्याओं के लिए अखंड सौभाग्य, सुखी वैवाहिक जीवन और शिव-पार्वती की कृपा प्राप्त करने का अत्यंत महत्वपूर्ण व्रत है। सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु, अच्छे स्वास्थ्य और सुखी पारिवारिक जीवन के लिए यह निर्जला (बिना पानी के) व्रत रखती हैं। शिक्षिका गोपेश्वरी साहू कहती है कि कुंवारी कन्याएं माता पार्वती की तरह शिव जी जैसा वर पाने और अच्छे वैवाहिक जीवन की कामना के लिए इस व्रत का पालन करती हैं। यह पर्व माता पार्वती की कठोर तपस्या और भगवान शिव के प्रति उनके अटूट प्रेम व समर्पण का प्रतीक है। गोपेश्वरी साहू कहती है कि 'हरतालिका' शब्द 'हरत' (हरण/अपहरण) और 'आलिका' (सखी) से मिलकर बना है। कथा के अनुसार, माता पार्वती की सखियों ने उनके विवाह को विष्णु जी से टालने के लिए उन्हें घने जंगल में सुरक्षित छुपा लिया था, जहाँ उन्होंने शिव जी को पाने के लिए कठिन तप किया था। इस दिन बालू या मिट्टी से भगवान शिव, माता पार्वती और गणेश जी की प्रतिमा बनाकर विधि-विधान से पूजा और रात्रि जागरण किया जाता है। सहायक प्राध्यापक प्रहलाद कुमार टिकरिहा ने बताया कि सौभाग्यवती स्त्रियां अपने सुहाग को अखण्ड बनाए रखने और अविवाहित युवतियां मन अनुसार वर पाने के लिए हरितालिका तीज का व्रत करती हैं।

नगरी मंडल में सेवा संकल्प अभियान कार्यशाला एवं मासिक बैठक आयोजित

विश्व केसरी

नगरी (राजशेखर नायर)। ग्राम फरसियां के महामाई मंदिर परिसर में भारतीय जनता पार्टी नगरी मंडल द्वारा सेवा संकल्प अभियान कार्यशाला और मासिक बैठक का आयोजन किया गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा और समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में आयोजित सेवा संकल्प अभियान इस कार्यशाला में अभियान की रूपरेखा और तैयारी को तय करने के लिए मंडल स्तर पर सेवा संकल्प कार्यशाला एवं मासिक बैठक का भी आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य वक्ता नेहरू राम निषाद अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग आयोग, शालिनी राजपूत, प्रकाश बैस धमतरी भाजपा जिला अध्यक्ष, राजेश नाथ गोसाई नगरी भाजपा मंडल अध्यक्ष ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि यह अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक एक महीने तक चलेग, कार्यशाला में बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं पदाधिकारी को अभियान के तहत होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी जाएगी।

'हमर शहर हमर अभिमान' वाट्सअप ग्रुप से नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निदान

विश्व केसरी

छुरा (मानसिंह निषाद)। नगर पंचायत छुरा की अध्यक्ष लुकेश्वरी थानसिंग निषाद के जन्मदिन के अवसर पर नगरवासियों ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके कार्यकाल और जनसेवा के प्रति सक्रियता की सराहना की। नगरवासियों का कहना है कि अध्यक्ष के रूप में उनकी कार्यशैली में जनसमस्याओं को सुनने और उनके त्वरित समाधान पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

अध्यक्ष लुकेश्वरी थानसिंग निषाद द्वारा नगरवासियों को नगर पंचायत से सीधे जोड़ने के उद्देश्य से 'हमर शहर हमर अभिमान' व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से एक प्रभावी पहल की गई है। इस ग्रुप के जरिए नागरिक अपने वार्ड एवं नगर से संबंधित समस्याओं, शिकायतों और सुझावों को सीधे नगर पंचायत के संज्ञान

में ला रहे हैं। प्राप्त शिकायतों पर संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश देकर समस्याओं के त्वरित निराकरण का प्रयास किया जाता है।

नगरवासियों के अनुसार, स्ट्रीट लाइट, नाली सफाई, स्वच्छता, तालाबों की सफाई, सार्वजनिक स्थलों की व्यवस्था सहित अन्य मूलभूत समस्याओं की जानकारी अब सोशल मीडिया ग्रुप के माध्यम से तत्काल पहुंच रही है। इससे शिकायतों को संबंधित विभाग तक पहुंचाने में लगने वाला समय कम हुआ है और कई समस्याओं का शीघ्र समाधान संभव हो रहा है।

अध्यक्ष की कार्यशैली की एक विशेषता यह भी बताई जाती है कि वे केवल कार्यालय से व्यवस्थाओं की निगरानी करने के बजाय स्वयं नगर भ्रमण कर विभिन्न स्थानों का जायजा लेती हैं। कहीं समस्या दिखाई देने या शिकायत मिलने पर स्थल निरीक्षण कर संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाते हैं।

नगर में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने, नालियों एवं तालाबों की सफाई, खेल मैदान और स्कूल परिसरों की व्यवस्था तथा त्योहारों के दौरान धार्मिक स्थलों की स्वच्छता पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। वहीं स्ट्रीट लाइट व्यवस्था में सुधार को भी नगरवासियों द्वारा सकारात्मक बदलाव के रूप में देखा जा रहा है।

नगरवासियों ने कहा कि 'हमर शहर हमर अभिमान' केवल एक व्हाट्सएप ग्रुप नहीं, बल्कि नागरिकों और नगर पंचायत के बीच संवाद का प्रभावी माध्यम बन गया है। नागरिक अपनी समस्या के साथ-साथ नगर के विकास और सौंदर्यीकरण से जुड़े सुझाव भी साझा कर रहे हैं। इससे नगर विकास में जनभागीदारी को बढ़ावा मिल रहा है।

जन्मदिन के अवसर पर नगरवासियों ने अध्यक्ष श्रीमती लुकेश्वरी थानसिंग निषाद के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं सुख-समृद्धि की कामना करते हुए उम्मीद जताई कि वे इसी तरह सक्रियता और संवेदनशीलता के साथ 'विकसित, स्वच्छ एवं सुंदर छुरा' के निर्माण की दिशा में कार्य करती रहेंगी।

अन्यतम शुक्ला को मिली राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी जिम्मेदारी

रायपुर। आम आदमी पार्टी ने देशभर में अपने संगठन और डिजिटल उपस्थिति को अधिक मजबूत और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से 21 राज्यों के लिए नए सोशल मीडिया कोऑर्डिनेटरों की नियुक्ति की है। जिसके तहत छत्तीसगढ़ से अन्यतम शुक्ला पर भरोसा जताते हुए उन्हें राज्य का सोशल मीडिया कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया गया है। अन्यतम शुक्ला वर्तमान में छत्तीसगढ़ में आम आदमी पार्टी के सोशल मीडिया विभाग के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में काम रहे हैं। पार्टी के अभियानों को जनता तक डिजिटल माध्यमों से सटीक और प्रभावशाली ढंग से पहुंचाने में उनकी अहम भूमिका रही है।

जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में प्रगति के लिए शिक्षा जरूरी है : मुख्यमंत्री साय

विश्व केसरी

बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जिला बेमेतरा के बेसिक स्कूल मैदान में आयोजित जिला स्तरीय शिक्षक सम्मान एवं प्रतिभावान विद्यार्थियों के सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री दयाल दास बघेल उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री एवं अतिथियों के कर-कमलों से जिले के 81 सेवानिवृत्त शिक्षकों को शॉल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं जिले के 42 प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को विभिन्न सामाजिक संस्थाओं द्वारा गोल्ड मेडल एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रबुद्ध नागरिकों एवं समाजसेवी संस्थाओं द्वारा प्रकाशित 'शिक्षक स्मृति' पत्रिका का विमोचन भी किया गया। साथ ही 'मोर गांव मोर पानी' महा-अभियान के तहत बेमेतरा जिले को क्रिटिकल जोन से सेमी-क्रिटिकल जोन में लाने के उल्लेखनीय कार्य पर जनपद पंचायत बेमेतरा, बेरला एवं नवागढ़ को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री ने की दो बड़ी घोषणाएं

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर बेमेतरा जिले को बड़ी सौगात देते हुए दो महत्वपूर्ण घोषणाएं की। उन्होंने कहा कि बेमेतरा शहर में गौरव पथ निर्माण के लिए 2 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की जाएगी तथा ग्राम पंचायत तीवरिया में नवीन विद्युत सब-स्टेशन का निर्माण कराया जाएगा।

शिक्षक राष्ट्र निर्माता होते हैं : मुख्यमंत्री

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में प्रगति के लिए शिक्षा जरूरी है। शिक्षक राष्ट्र के निर्माता होते हैं। शिक्षक जिस नागरिक का सृजन करते हैं, उसी से देश और समाज का सृजन होता है। शिक्षक समाज में ज्ञान रूपी दीपक जलाने का काम करते हैं, जो समाज में अज्ञानता के अंधकार को मिटाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा विकास का मूल मंत्र है। शिक्षा के बिना किसी भी नागरिक का जीवन अधूरा है। शिक्षित व्यक्ति से ही समाज में जागृति आती है। शिक्षा ऐसा धन है, जिसे जितना बांटो उतना ही बढ़ता है। प्राचीन काल से ही भारत शिक्षा के क्षेत्र में विश्व गुरु रहा है। यहां तक्षशिला, नालंदा जैसे विश्व प्रसिद्ध विश्वविद्यालय थे, जहां दुनिया भर से छात्र ज्ञान प्राप्त करने आते थे।

छत्तीसगढ़ में शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में शिक्षा के क्षेत्र में लगातार ऐतिहासिक कदम उठाए जा रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के कार्यकाल से लेकर अब तक शिक्षा के विस्तार के लिए सतत कार्य हुए हैं। राज्य में आईआईटी, आईआईएम, एम्स, ट्रिपल आईटी जैसी राष्ट्रीय स्तर की शिक्षण संस्थाएं स्थापित की गई हैं।

गांड़ा पारा को मिली नई पहचान, अब 'सुबन पारा' के नाम से जाना जाएगा

विश्व केसरी

धमतरी (राजशेखर नायर)। शहर के साल्हेवार पारा वार्ड स्थित गाड़ा पारा अब नई पहचान के साथ 'सुबन पारा' के नाम से जाना जाएगा। वार्डवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग और स्थानीय जनभावनाओं को सम्मान देते हुए नगर निगम धमतरी द्वारा नाम परिवर्तन की आवश्यक के बीच की।

महापौर रामू रोहरा ने कहा कि किसी मोहल्ले या वार्ड का नाम केवल पहचान नहीं होता, बल्कि उससे वहां के लोगों का इतिहास, भावनाएं और आत्मसम्मान जुड़ा होता है। जनता की भावना का सम्मान करना जनप्रतिनिधि के रूप में हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। वार्डवासियों की इच्छा को देखते हुए

गांड़ा पारा को अब 'सुबन पारा' के नाम से नई पहचान दिलाने की दिशा में कदम उठाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार और भाजपा के जनप्रतिनिधि केवल विकास के वादे नहीं करते, बल्कि जनता की अपेक्षाओं और भावनाओं को समझकर उन्हें धरातल पर उतारने का काम करते हैं। नगर निगम धमतरी में भी हमारा संकल्प है कि शहर के प्रत्येक वार्ड और प्रत्येक मोहल्ले को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जाए। महापौर ने कहा कि जनता का विश्वास हमारी सबसे बड़ी ताकत है और जनता की मांगों को पूरा करना हमारी प्राथमिकता। सड़क, नाली, प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छता, पेयजल सहित मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ स्थानीय पहचान और जनभावनाओं से जुड़े विषयों पर भी निगम पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रहा है। 'सुबन पारा' नाम की घोषणा होते ही क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखने को मिला। वार्डवासियों ने महापौर रामू रोहरा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लंबे समय से चली आ रही मांग को सम्मान मिलने से मोहल्ले को एक नई पहचान प्राप्त होगी।

संपादकीय

दुनिया की सबसे ज्यादा बोली और समझी जाने वाली भाषा है हिंदी

डॉ. शैलेश शुक्ला

सबसे पहले भारत के उन दस राज्यों को लेते हैं जहाँ हिंदी मातृभाषा है, घर की भाषा है। उत्तर प्रदेश की आबादी आज लगभग 25 करोड़ है, बिहार की 14 करोड़, मध्य प्रदेश की 9 करोड़, राजस्थान की 8.5 करोड़, हरियाणा की 3.2 करोड़, झारखंड की 4 करोड़, छत्तीसगढ़ की 3.2 करोड़, दिल्ली की 2.5 करोड़, उत्तराखंड की 1.2 करोड़ और हिमाचल प्रदेश की 80 लाख। इन सबको जोड़ दीजिए तो संख्या 70 करोड़ को पार कर जाती है। ये 70 करोड़ लोग वो हैं जिनके लिए हिंदी सीखने की भाषा नहीं, बल्कि रोज जीने की भाषा है। वे पैदा होते ही हिंदी सुनते हैं और हिंदी में ही सोचते हैं। ईएमआई कान्तार की 2025 की रिपोर्ट और ट्राई की मार्च 2026 की रिपोर्ट इस बात की पुष्टि करती है कि भारत में 109.2 करोड़ इंटरनेट सब्सक्राइबर हैं जिनमें 57 प्रतिशत यानी 54.8 करोड़ ग्रामीण भारत से हैं और ये ग्रामीण यूजर इन्हीं दस राज्यों से सबसे ज्यादा आते हैं जो इंटरनेट पर हिंदी में ही सर्च करते हैं, हिंदी में ही वीडियो देखते हैं।

अब दूसरे हिस्से को देखिए जो अक्सर गिनती से छूट जाता है, यानी भारत में ही 40 करोड़ लोग जो हिंदी को दूसरी भाषा के रूप में समझते और बोलते हैं। महाराष्ट्र और गुजरात को लीजिए, जहाँ मराठी देवनागरी में ही लिखी जाती है और गुजराती की लिपि भी देवनागरी से मिलती-जुलती है, यहाँ का व्यापारी, मजदूर और छात्र रोज हिंदी में काम चलाता है। सिक्किम में नेपाली, जम्मू में डोगरी, असम में बोडो, बिहार में मैथिली जैसी भाषाएँ देवनागरी में लिखी जाती हैं और ये हिंदी की सगी बहनें हैं, इसलिए इन क्षेत्रों के लोग बिना पढ़ाए हिंदी समझ लेते हैं। दक्षिण भारत में केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में स्कूलों में हिंदी तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाई जाती है और वहाँ रेलवे स्टेशन, बाजार, सिनेमा हॉल और अब तो हर मोबाइल में मौजूद ओटीटी, यूट्यूब और सोशल मीडिया रील्स एवं शॉर्ट्स ने हिंदी को घर-घर पहुँचा दिया है, आज करीब 60 करोड़ लोग शॉर्ट वीडियो देखते हैं और उनमें से अधिकतर कंटेंट हिंदी और उससे मिलती-जुलती भाषाओं में है, हैदराबाद में तो हिंदी आम बोलचाल की भाषा बन चुकी है। इस तरह महाराष्ट्र, गुजरात, सिक्किम, डोगरी-बोडो-मैथिली क्षेत्रों और दक्षिण के पाँच राज्यों में मिलाकर 40 करोड़ लोग ऐसे हैं जो हिंदी को अपनी रोजमर्रा की जरूरत के लिए इस्तेमाल करते हैं, वे हिंदी फिल्मों के डायलॉग जानते हैं, वे हिंदी गानों पर नाचते हैं और वे इंटरनेट पर हिंदी में कमेंट करते हैं। तो भारत के अंदर ही कुल संख्या हो जाती है 70 करोड़ जमा 40 करोड़, यानी 110 करोड़। इसका अर्थ है कि 145 करोड़ के भारत में 110 करोड़ लोग, यानी 75 प्रतिशत से ज्यादा आबादी, हिंदी से सीधे तौर पर जुड़ी हुई है।

अब भारत की सीमा से बाहर निकल कर पूरे उपमहाद्वीप को देखिए। भाषा विज्ञान का एक सच्चा नियम है कि हिंदी और उर्दू दो अलग भाषाएँ नहीं हैं, वे एक ही बोली के दो लिखने के तरीके हैं। आम बोलचाल में पानी, रोटी, घर, दिल, प्यार, दोस्त, इज्जत जैसे शब्द हिंदी में भी वही हैं और उर्दू में भी वही हैं। पाकिस्तान की 24 करोड़ आबादी उर्दू बोलती है जो बोलने में 90 प्रतिशत हिंदी ही है, नेपाल की 3 करोड़ आबादी नेपाली बोलती है जो देवनागरी में लिखी जाती है और हर नेपाली हिंदी फिल्म देखकर हिंदी समझता है और बांग्लादेश की 17 करोड़ आबादी में से 8 करोड़ युवा वर्ग बॉर्डर के संपर्क और हिंदी फिल्मों व गानों के कारण हिंदी-उर्दू अच्छी तरह समझता है। इन तीनों देशों को मिलाकर 35 करोड़ लोग ऐसे हैं जो बिना हिंदी की किताब पढ़े ही हिंदी समझ लेते हैं। इस तरह उपमहाद्वीप में कुल संख्या हो जाती है 110 करोड़ जमा 35 करोड़, यानी 145 करोड़। यह संख्या किसी भी सरकारी जनगणना से बड़ी है क्योंकि यह प्रयोग के आधार पर गिनी गई संख्या है, कागज के आधार पर नहीं।

अब दुनिया के नक्शे को और बड़ा करिए। आज दुनिया का कोई देश ऐसा नहीं है जहाँ भारतीय, पाकिस्तानी, नेपाली और बांग्लादेशी न रहते हों। खाड़ी देशों दुबई, सऊदी अरब, कतर, ओमान, कुवैत में 1 करोड़ से ज्यादा भारतीय और पाकिस्तानी मजदूर और व्यापारी रहते हैं और वहाँ केरल का नर्स और यूपी का मिस्त्री आपस में हिंदी में ही बात करता है, क्योंकि हिंदी ही वहाँ की संपर्क भाषा बन गई है। अमेरिका में 50 लाख, कनाडा में 25 लाख, ब्रिटेन में 20 लाख, ऑस्ट्रेलिया में 10 लाख भारतीय बसे हैं, फिजी में हिंदी सरकारी भाषा है, मॉरीशस की संसद में हिंदी बोली जाती है, सूरीनाम, त्रिनिदाद और गुयाना में आज भी भोजपुरी और हिंदी गीत गाए जाते हैं। इन लोगों की दूसरी और तीसरी पीढ़ी भले ही स्कूल में अंग्रेजी पढ़ती हो, लेकिन घर में दादी से वीडियो कॉल पर वह हिंदी में ही कहती है - दादी, पैर छू रही हूँ। ऐसे 8 करोड़ लोग दुनिया भर में फैले हैं जो रोज हिंदी से जुड़े हैं और हिंदी को जिंदा रखे हैं।

और अंत में वह सबसे नया परिवार जो पिछले दो साल में सबसे तेजी से बढ़ा है, यानी 5 करोड़ विदेशी प्रशंसक जो न भारतीय हैं, न पाकिस्तानी, फिर भी हिंदी से जुड़े हैं। रूस, जर्मनी, तुर्की, मिस्र, नाइजीरिया में लोग बिना सबटाइटल के हिंदी फिल्म देखते हैं, यूट्यूब पर हिंदी गानों के अरबों व्यूज इसी बात के गवाह हैं। दुनिया में 30 करोड़ से ज्यादा लोग योग करते हैं और योग के साथ वे नमस्ते, शांति, ध्यान, गुरु, कर्म जैसे हिंदी-संस्कृत शब्द सीखते हैं।

हिंदी दिवस की आवश्यकताः एक पुनर्मंथन

डॉ. अंकित भोई

उक्त पंक्तियों से हिंदी के प्रसिद्ध साहित्यकार भारतेंदु हरिश्चंद्र ने बहुत पहले ही अपनी भाषा के महत्व पर बल दिया है। भाषा केवल विचारों को व्यक्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और पहचान की आधारशिला भी है। हिंदी केवल भारत की ही नहीं अपितु वैश्विक स्तर पर भी प्रमुख भाषाओं में से एक है। विश्व की एक बहुत बड़ी आबादी परस्पर संवाद हेतु हिंदी का प्रयोग करते हैं। 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को देवनागरी लिपि में संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया। इसी ऐतिहासिक निर्णय की स्मृति में हिंदी दिवस मनाया जाता है। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान भी हिंदी ने जनसामान्य तक विचार पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। महात्मा गांधी ने जनभाषा के महत्व पर बल दिया और हिंदी को देश के विभिन्न भागों के बीच संपर्क का माध्यम बनाने की आवश्यकता व्यक्त की।

विश्व की कोई भी भाषा मूलतः 'भाव' का ही पर्याय होती है। हिंदी भी इसका अपवाद नहीं है। प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी विभिन्न संस्थाओं में 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाएगा। हिंदी को अबला, अभागी, पीड़िता जैसे उद्बोधनों से विभूषित कर अंग्रेजी भाषा की निंदा में बहुत प्रलाप होंगे। संभवतः लंबे भाषणों के बाद हिंदी को माँ का दर्जा देने वाले तथाकथित साहित्य के सेवक थक जाएंगे और हिंदी दिवस के आयोजक संस्थान द्वारा प्रदत्त स्वल्पाहार ग्रहण कर घर चले जाएंगे। किसी भी भाषा की सार्थकता उसकी सर्वग्राह्यता और व्यावहारिकता में अंतर्निहित होती है। समाज में हिंदी के वास्तविक सेवकों की प्रथम पंक्ति में खड़े विभिन्न भाषा वैज्ञानिकों और वैयाकरणों को यह सुनिश्चित करना होगा कि वर्तमान तकनीकी युग में 'जेन जी' पीढ़ी तक किस प्रकार हिंदी भाषा का सरलतापूर्वक प्रसार किया जाए।

जब अंग्रेज भारत छोड़ गए, तब तय हुआ कि तत्काल सरकारी कामकाज की भाषा अंग्रेजी होगी और समय के साथ हिंदी भाषा को पूर्णरूपेण सरकारी कामकाज की भाषा बना दिया जाएगा। देश को आजाद हुए 80 से अधिक वर्ष हो चुके हैं किंतु आज तक उक्त निर्णय का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन संभव नहीं हो सका है। कागज पर नीतियों के निर्माण और धरातल पर उसके वास्तविक क्रियान्वयन में बहुत अंतर होता है। 'अपनी लकीर को लंबा करने के लिए, दूसरी लकीर को छोटा करने', का उदाहरण बहुत पुराना हो चुका है, तथापि देश में हिंदी और अंग्रेजी भाषा के समानांतर प्रयोग हेतु उक्त उदाहरण प्रयुक्त होते रहता है। समाज के मार्गदर्शक बुद्धिजीवी तबके का यह नैतिक दायित्व है कि वह नई पीढ़ी को भाषा के सांस्कृतिक महत्व को समझाए, जिससे उनके कोमल मन में व्याप्त भाषायी दुराग्रह का हरण संभव हो सके।

इस दिशा में देश का मनोरंजन जगतसतत क्रियाशील है। हिंदी की व्यापकता का एक ठोस उदाहरण भारतीय सिनेमा और टेलीविजन हैं। हिंदी फिल्मों और धारावाहिकों ने हिंदी को भारत के बाहर भी लोकप्रिय बनाया है। इसी प्रकार आज यूट्यूब, पॉडकास्ट और सोशल मीडिया पर हिंदी में शिक्षा, विज्ञान, समाचार और मनोरंजन की सामग्री बड़ी मात्रा में उपलब्ध है। इससे स्पष्ट है कि डिजिटल युग में हिंदी केवल पारंपरिक भाषा नहीं रही, बल्कि नए माध्यमों के साथ स्वयं को ढाल रही है।

बहुत प्रसिद्ध कथन है, 'जो जमाने से आगे चलता है वह गड्ढे में गिरता है, जो जमाने से पीछे चलता है, जमाना उसे लात मार देती है, इसलिए आवश्यक है कि जमाने के साथ चलें। आज का समय केवल हिंदी या इंग्लिश का नहीं, बल्कि 'हिंग्लिश' का है। वर्तमान पीढ़ी अपने मोबाइल फोन पर एक 30 सेकंड के रील को भी पूरा नहीं देख पाती है, सामग्रियों की इतनी विविधता उपलब्ध है कि अरुचिकर सामग्रियों को दूध में गिरी मक्खी की भाँति हटाने में नई पीढ़ी ज्यादा समय नहीं लगाती है। ऐसा नहीं है कि उनमें धीरज का अभाव है, वे व्यर्थ चीजों में अपना बहुमूल्य समय गँवाना नहीं चाहते हैं। ऐसी स्थिति में हिंदी भाषा का सरल प्रसार एक चुनौतीपूर्ण मसला है।

भारतीय पटल पर तकनीक के क्षेत्र में भी हिंदी का विस्तार दिखाई देता है। विभिन्न सॉफ्टवेयर की मदद सेआज मोबाइल फोन और कंप्यूटर में हिंदी में लिखना संभव है। वॉइस सर्च, अनुवाद और डिजिटल सहायक जैसी सुविधाएँ भारतीय भाषाओं में उपलब्ध होने लगी हैं। इससे उन लोगों के लिए तकनीक का उपयोग आसान हुआ है, जो अंग्रेज़ी की अपेक्षा हिंदी में अधिक सहज हैं। तथापि हिंदी के सामने कई चुनौतियाँ हैं। उदाहरण के लिए विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के अभिभावक अंग्रेज़ी माध्यम को न केवल अपनी शान समझते हैं बल्कि बेहतर अवसरों से जोड़कर देखते हैं। देश के अधिकांश नौकरी के विज्ञापनों और व्यावसायिक संस्थानों में भी अंग्रेज़ी का प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है। युवा वर्ग बातचीत में हिंदी के स्थान पर अत्यधिक अंग्रेज़ी शब्दों का प्रयोग को अपने व्यक्तित्व से जोड़कर देखते हैं। ऐसी स्थिति में हिंदी के कम होते महत्व की चिंता होती है।

हालाँकि समस्या अंग्रेज़ी सीखने में नहीं है। अंग्रेज़ी सहित अन्य भाषाओं का ज्ञान हमारे अवसरों को बढ़ाता है, लेकिन अपनी भाषा के प्रति हीनभावना उचित नहीं है, जो दुर्भाग्य से हमारे देश में भारी पैमाने पर मौजूद है ।जापान, फ्रांस और जर्मनी जैसे विकसित देशों ने अपनी भाषाओं को आधुनिक विज्ञान, तकनीक और उच्च शिक्षा से जोड़े रखा है। समय के साथ हमारे भारत में भी हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं में उच्च गुणवत्ता की पाठ्य-पुस्तकें, वैज्ञानिक सामग्री और तकनीकी संसाधन विकसित किए जा रहे हैं किंतु अभी तक यह अपर्याप्त ही सिद्ध हुआ है।

हिंदी के विकास के लिए केवल हिंदी दिवस पर भाषण और प्रतियोगिताएँ आयोजित करना पर्याप्त नहीं है। शैक्षणिक संस्थानों में हिंदी लेखन, वाद-विवाद और रचनात्मक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। विज्ञान और तकनीक के विषयों की अच्छी सामग्री हिंदी में उपलब्ध कराई जानी चाहिए। सरकारी और निजी संस्थानों को भी सरल और सहज हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित करना चाहिए। हिंदी दिवस हमें यह याद दिलाता है कि भाषा का सम्मान केवल उसे बोलने से नहीं, बल्कि उसमें नए ज्ञान और नए विचारों का सृजन करने से होता है। हमें दूसरी भाषाएँ सीखनी चाहिए, पर अपनी भाषा को कमतर नहीं समझना चाहिए।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि हिंदी का भविष्य केवल सरकारी प्रयासों पर निर्भर नहीं है। विद्यार्थी, शिक्षक, लेखक, तकनीकी विशेषज्ञ और सामान्य नागरिक—सभी मिलकर हिंदी को ज्ञान, तकनीक और संवाद की सशक्त भाषा बना सकते हैं। हिंदी दिवस तभी सार्थक होगा, जब हिंदी का सम्मान केवल 14 सितंबर तक सीमित न रहकर हमारे व्यवहार और कार्यक्षेत्र में भी दिखाई दे।

सहायक प्राध्यापक (हिंदी)
शासकीय नवीन महाविद्यालय,
पिरदा, जिला -महासमुंद
(छत्तीसगढ़)
दूरभाष - 9685315484

हिंदी के प्रखर ध्वजवाहक बनें अध्यापक

डॉ. अर्पण जैन 'अविचल'

शिक्षा भारत की प्रगति के प्राण तत्त्व में से एक है, अनादि काल से शिक्षा संस्कृति ने भारत की प्रगतिशीलता की नींव को मज़बूत किया है और इसी के कारण आज भारत विश्व गगन में अपनी शक्ति, शौर्य, सजगता, सहजता, सरलता और संस्कारों का परचम लहरा रहा है। विश्व में भारत आज जिस प्रभुत्वसम्पन्नता का नगाड़ा बजा रहा है, उसकी आधारशिला भारत की भाषा, संस्कार और संस्कृति के साथ-साथ राष्ट्र निर्माता शिक्षक भी हैं।

किसी भाषा का भविष्य केवल उसके बोलने वालों की संख्या से तय नहीं होता, बल्कि इस बात से तय होता है कि उसकी नई पीढ़ी उस भाषा में सोचती, सीखती और सपने देखती है या नहीं। भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं होती, वह मनुष्य की स्मृतियों, संस्कारों, संवेदनाओं और ज्ञान की सबसे सशक्त वाहक होती है। हिंदी के संदर्भ में यह बात और भी महत्त्वपूर्ण हो जाती है, क्योंकि हिंदी करोड़ों भारतीयों के जीवन, व्यवहार, साहित्य, संस्कृति और सामाजिक चेतना से जुड़ी हुई भाषा है। हिंदी का विस्तार केवल साहित्यकारों, पत्रकारों, लेखकों या राजनेताओं के प्रयासों से संभव नहीं है। हिंदी को जन-जन की भाषा, ज्ञान-विज्ञान की भाषा और रोज़गार की भाषा बनाने में सबसे महत्त्वपूर्ण भूमिका जिस वर्ग की हो सकती है, वह है अध्यापक वर्ग।

अध्यापक केवल पाठ्यक्रम पूरा करने वाला व्यक्ति नहीं होता। वह विद्यार्थियों के विचारों को आकार देता है, उनकी भाषा को संस्कारित करता है और उनके भीतर अपनी संस्कृति तथा समाज के प्रति दृष्टि विकसित करता है।

आज विश्व हिंदी पर गर्व करता नज़र आ रहा है, विश्व में भारत सबसे बड़ा बाज़ार है। जनसंख्या की दृष्टि से देखें तब भी विश्व के सबसे बड़े देशों में भारत अग्रणी है और इसके कारण ही बाज़ार का महत्त्व भी अधिक है। और बाज़ार की भाषा हिन्दी है।

एक विद्यार्थी अपने शिक्षक से केवल विषय का ज्ञान नहीं प्राप्त करता, बल्कि उसके बोलने, लिखने, व्यवहार करने और सोचने की शैली से भी बहुत कुछ सीखता है। शिक्षक जिस भाषा को सम्मान देता है, विद्यार्थी भी उसी भाषा को सम्मान देना सीखते हैं। यदि अध्यापक स्वयं हिंदी बोलने में संकोच करे, हिंदी लिखने में लापरवाही बरते या विद्यार्थियों के सामने हिंदी को केवल एक परीक्षा-विषय के रूप में प्रस्तुत करे, तो विद्यार्थी के मन में भी हिंदी के प्रति वही दृष्टिकोण विकसित होगा।

इसके विपरीत, यदि शिक्षक सहजता और गर्व के साथ हिंदी का प्रयोग करे, हिंदी में ज्ञान-विज्ञान की चर्चा करे और यह विश्वास पैदा करे कि हिंदी में आधुनिक विषयों को समझना और समझाना पूरी तरह संभव है, तो विद्यार्थियों की भाषा संबंधी मानसिकता बदल सकती है।

आज देश में आवश्यकता है कि शिक्षक वर्ग स्वयं भी कक्षा में हिंदी में संवाद करें, बच्चों को हिंदी बोलने से रोके नहीं, हिंदी को केवल विषय की तरह नहीं, जीवन की भाषा की तरह समझाएँ, भाषा के प्रति हीनभावना समाप्त करें, विद्यालय के नोटिस, कार्यक्रमों के निमंत्रण, प्रमाण-पत्र, प्रोजेक्ट निर्देश, अध्ययन सामग्री और कक्षा संबंधी संवाद में हिंदी का सुंदर और व्यावहारिक प्रयोग सिखाएँ, हिंदी और रोज़गार के बारे में सिखाएँ, अवसर उपलब्ध करवाएँ, कक्षा को हिंदी की प्रयोगशाला बनाएँ, विद्यालय में हिंदी पखवाड़े तक सीमित न रहें, बल्कि पूरे वर्ष हिंदी के लिए गतिविधियाँ संचालित करें। विद्यार्थियों को हिंदी में लिखने, पढ़ने, बोलने और सृजन करने के अवसर दें।

एक शिक्षक यदि प्रतिवर्ष केवल सौ विद्यार्थियों में हिंदी के प्रति सकारात्मक दृष्टि पैदा करता है और उनमें से दस विद्यार्थी आगे चलकर हिंदी के लिए काम करते हैं, तो यह एक दीर्घकालीन भाषाई आंदोलन का आधार बन सकता है। भाषा आंदोलनों को केवल बड़े मंचों की आवश्यकता नहीं होती। कभी-कभी एक शिक्षक की कक्षा ही सबसे बड़ा मंच बन जाती है।

कविता

हिंदी आरती

आचार्य संजीव वर्मा 'सलिल'

भारती भाषा प्यारी की।
आरती हिन्दी न्यारी की...

'लोक' की भाषा है
हिंदी,
'तंत्र' की आशा है हिंदी।
करोड़ों जिव्हाओं-
आसीन
न कोई सकता इसको छीन।
ब्रम्ह की, विष्णु-पुरारी की
आरती हिन्दी न्यारी की।।

वाक्-ध्वनि हिंदी का आधार,
पाँच वर्गों बाँटे उच्चार।
बोलते जो वह लिखते आप-
वर्तनी स्वर-व्यंजन अनुसार।
नागरी लिपि सुविचारी की
आरती हिंदी न्यारी की।।

एकता पर हिंदी बलिहार,
वचन दो लिंग क्रिया व्यापार।
संधियाँ काल शक्ति हैं तीन-
विशेषण हैं हिंदी में चार।
पाँच अव्यय व्यवहारी की
आरती हिंदी न्यारी की।।

वर्ण हिंदी के अति सोहें,
शब्द मानव मन को मोहें।
काव्य रचना सुडौल सुन्दर
वाक्य लेते सबका मन हर।
छंद-सुमनों की क्यारी की
आरती हिंदी न्यारी की।।

समेटे ज्ञान-नीति-विज्ञान,
सीख-पढ़-लिख हों हम विद्वान।
विषय जो कठिन जटिल नीरस-
बना देती हिंदी रसवान।
विश्ववाणी गुणकारी की
आरती हिंदी न्यारी की।।

व्यंग्य केसरी

भाषण हिंदी में, व्हाट्सएप रोमन में

रविकांत राउत

चौदह सितंबर की सुबह दफ्तर के नोटिस बोर्ड पर एक चमकीला पोस्टर चस्पा हुआ — 'Hindi Pakhwada: 14 to 28 September, Celebrate Our Mother Tongue!' पोस्टर का शीर्षक अंग्रेज़ी में था, नीचे मोटे अक्षरों में हिंदी में लिखा था, 'अपनी भाषा पर गर्व करें।' जिस बाबू ने यह पोस्टर बनाया, उसने कंप्यूटर पर हिंदी कीबोर्ड ढूंढने में इतना वक्त गंवाया कि आखिर में पूरा मैटर अंग्रेज़ी में टाइप कर के गूगल ट्रांसलेट से हिंदी करवाना पड़ा, इस उम्मीद के साथ कि कोई शब्द अजीब न निकले। संयोग से एक जगह 'प्राउड' का अनुवाद 'गर्भवती' छपते-छपते बचा, वरना उद्घाटन समारोह में ही एक और उद्घाटन हो जाता।

मुख्य अतिथि जीएम साहब मंच पर आए, माइक संभाला, भाषण शुरू किया — 'आज हम सब यहां एकत्रित हुए हैं ताकि अपनी राजभाषा के प्रति... एक्चुअली, कमिटमेंट को रिन्यू कर सकें।' ज़ोरदार तालियां बजीं। पीछे बैठे तीन बाबू आपस में फुसफुसाए, 'सर ने राजभाषा दिवस पर ही राजभाषा को बीच रास्ते छोड़ दिया।' भाषण खत्म होते ही जीएम साहब मंच से उतरे और पीए से पूछा, 'व्हाट अबाउट हाई टी?' - ठेठ अंग्रेज़ी में, मानो हिंदी सिर्फ मंच तक सीमित एक वर्दी हो, जो भाषण खत्म होते ही उतार कर क्लोकरूम में टांग दी जाती है।

इसी बीच 'श्रेष्ठ हिंदी निबंध' प्रतियोगिता का परिणाम घोषित हुआ। विजेता निबंध का शीर्षक था 'मातृभाषा का महत्व', निर्णायक मंडल ने इसे भाव, भाषा और मौलिकता तीनों में उत्कृष्ट बताया। बाद में पता चला कि निबंध पहले चैटजीपीटी से अंग्रेज़ी में लिखवाया गया, फिर उसी ने हिंदी अनुवाद कर पेल दिया गया और लेखक महोदय ने सिर्फ अपना नाम हाथ से हिंदी में लिखा, बाकी पूरा दस्तावेज़ प्रिंटर से निकला हुआ था। पुरस्कार में मिला पांच सौ रुपये का चेक, जिसे जीतने वाले सज्जन ने उसी शाम दोस्तों के व्हाट्सएप ग्रुप में यह लिखकर सेलिब्रेट किया — 'Guys, hindi diwas mein mera essay first aaya, party pakki!'

शाम को 'हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति' का व्हाट्सएप ग्रुप भी जमकर सक्रिय रहा। ग्रुप का नाम देवनागरी में था, पर मैसेज कुछ यूं थे - 'Please sabko reminder bhej dein attendance ke liye।' किसी ने मज़ाक में लिख भी दिया, 'भाई हिंदी दिवस की प्लानिंग हिंदी में ही हो जाए तो सोने पे सुहागा', जिस पर एक ठहाके वाला इमोजी आया, फिर बात फिर वहीं अंग्रेज़ी में आगे बढ़ गई, क्योंकि डेडलाइन नज़दीक थी और वक्त कम।

पखवाड़ा जब पूरा हुआ, नोटिस बोर्ड से पोस्टर उतार दिया गया, फाइल में एक फोटोग्राफ और एक रिपोर्ट लगा दी गई जिसमें लिखा था, 'आयोजन अत्यंत सफल एवं उत्साहवर्धक रहा।' यह रिपोर्ट भी पहले अंग्रेज़ी में टाइप हुई थी, बाद में हिंदी में ढाली गई, क्योंकि दफ्तर का टेम्पलेट वैसा ही सेव था। अगले साल तक फिर भाषा वही रहेगी जो साल भर दफ्तर में चलती है, फिर माइक पर सिर्फ पंद्रह दिनों के लिए हिंदी उधार ले ली जायेगी।

जबलपुर, मध्यप्रदेश मो.
9425611243

इतिहास

14 सितंबर का ऐतिहासिक रूप से सबसे बड़ा महत्व भारत में हिंदी दिवस के रूप में है, क्योंकि इसी दिन 1949 में हिंदी को देश की राजभाषा बनाया गया था।

14 सितंबर के मुख्य ऐतिहासिक घटनाएँ

1949 (हिंदी को मान्यता): भारत की संविधान सभा ने लंबी चर्चा के बाद देवनागरी लिपि में लिखी गई हिंदी को आधिकारिक राजभाषा के रूप में स्वीकार किया। इसके बाद साल 1953 से हर साल 14 सितंबर को 'हिंदी दिवस' के रूप में मनाया जाने लगा।

2000 (अटल बिहारी वाजपेयी का संबोधन): भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने संयुक्त राज्य अमेरिका की कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित किया।

1812 (मॉस्को पर कब्जा): फ्रांसीसी सम्राट नेपोलियन बोनापार्ट अपनी सेना के साथ मॉस्को शहर में दाखिल हुए।

छत्तीसगढ़ में हर पांचवां व्यक्ति बीपी का रोगी

शोध पर आधारित संवाददाता की विश्लेषण रपट

विश्व केसरी■

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। स्वास्थ्य संबंधी आंकड़े तब अधिक चिंताजनक हो जाते हैं, जब वे किसी अस्पताल की चारदीवारी से निकलकर पूरे समाज की जीवनशैली का प्रतिबिंब बनने लगें। छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण–6 (हृस्न।।स्–6) के ताजा आंकड़े ऐसी ही तस्वीर सामने रखते हैं। वर्ष 2023–24 के सर्वेक्षण में प्रदेश के 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के 20.9 प्रतिशत पुरुषों का रक्त शर्करा स्तर 140 द्वद्द/स्रद्य से अधिक पाया गया अथवा वे रक्त शर्करा नियंत्रित करने की दवा ले रहे थे। हृस्न।।स्–5 में यह आंकड़ा 10.8 प्रतिशत था। यानी कुछ ही वर्षों में इसमें लगभग दोगुनी वृद्धि दर्ज हुई। रक्तचाप की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है।

छत्तीसगढ़ में हर पांचवें पुरुष में हाई ब्लड प्रेशर

प्रदेश में लगभग 20.8 प्रतिशत पुरुष और 18.4 प्रतिशत महिलाएं बढ़े हुए रक्तचाप की श्रेणी में हैं। शहरी क्षेत्रों में समस्या और स्पष्ट दिखाई देती है। शहरी पुरुषों में यह अनुपात लगभग 24.3 प्रतिशत तथा शहरी महिलाओं में 21.6 प्रतिशत बताया गया है। दूसरी ओर, शहरी छत्तीसगढ़ की 36.1 प्रतिशत महिलाएं ओवरवेट या मोटापे की श्रेणी में पहुंच चुकी हैं। यह आंकड़ा केवल शरीर के बढ़ते वजन का आंकड़ा नहीं है। यह उस सामाजिक बदलाव का संकेत है जिसमें शारीरिक श्रम कम हुआ है, बैठकर काम करने की आदत बढ़ी है, पैदल चलना और साइकिल चलाना घटा है तथा भोजन में नमक, चीनी, तेल और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की हिस्सेदारी बढ़ी है।

दस साल में बदली स्वास्थ्य की तस्वीर

छत्तीसगढ़ लंबे समय तक कुपोषण, संक्रामक रोगों और मातृ–शिशु स्वास्थ्य जैसी चुनौतियों के संदर्भ में चर्चा में रहा। लेकिन अब राज्य को एक साथ दोहरी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है ,एक तरफ अल्पपोषण, दूसरी तरफ मोटापा और गैर–संचारी रोग। हृस्न।।स्–6 में प्रदेश की 15–49 वर्ष आयु वर्ग की महिलाओं में कुल 20.3 प्रतिशत ओवरवेट या मोटापे की श्रेणी में हैं, जबकि पुरुषों में यह अनुपात 16.1 प्रतिशत है। शहरी

महिलाओं में यह आंकड़ा 36.1 प्रतिशत तक पहुंचना विशेष रूप से गंभीर है। हृस्न।।स्–5 में प्रदेश की महिलाओं का कुल अनुपात 14.1 प्रतिशत था। यानी छत्तीसगढ़ में अब समस्या केवल यह नहीं है कि लोगों को पर्याप्त भोजन मिल रहा है या नहीं; प्रश्न यह भी है कि किस प्रकार का भोजन, कितनी मात्रा में और किस जीवनशैली के साथ लिया जा रहा है।

बिलासपुर के लिए भी यह चेतावनी क्यों महत्वपूर्ण है?

बिलासपुर केवल एक प्रशासनिक केंद्र नहीं, बल्कि तेजी से फैलता हुआ शहरी क्षेत्र है। शहर के विस्तार के साथ आवागमन, बैठकर काम करने वाली नौकरियां, निजी वाहनों पर निर्भरता, फास्ट फूड और बदलती खान–पान की आदतें भी बढ़ी हैं??। बिलासपुर से जुड़े पुराने स्वास्थ्य आंकड़े भी गैर–संचारी रोगों की मौजूदगी की ओर संकेत कर चुके हैं। 2012–13 के Annual Health Survey में जिले में चिकित्सकीय रूप से दर्ज मधुमेह की दर राज्य औसत से अधिक दर्ज हुई थी; हालांकि वह आंकड़ा आज की वास्तविक स्थिति का प्रतिनिधि नहीं माना जा सकता, लेकिन इससे यह स्पष्ट होता है कि बिलासपुर में मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसे रोग कोई बिल्कुल नई चुनौती नहीं हैं। हाल के शोध में छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों की भूमिका का अध्ययन भी हुआ है। इसमें पाया गया कि स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र उच्च रक्तचाप संबंधी अनुमानित जरूरत का लगभग 26 प्रतिशत और मधुमेह संबंधी जरूरत का लगभग 21 प्रतिशत ही कवर कर पा रहे थे। यह बताता है कि बीमारी की रोकथाम के साथ–साथ नियमित जांच और निरंतर उपचार की व्यवस्था को और मजबूत करने की जरूरत है। इसका अर्थ यह नहीं कि बिलासपुर में प्रत्येक व्यक्ति खतरे में है, बल्कि यह है कि तेजी से शहरीकरण वाले शहरों में रोकथाम और समय पर जांच को स्वास्थ्य नीति का केंद्रीय हिस्सा बनाना जरूरी है।

केवल बीमारी नहीं, जीवनशैली का पूरा चक्र

उच्च रक्तचाप और बढ़ा हुआ रक्त शर्करा स्तर अक्सर एक–दूसरे से जुड़े जोखिम कारकों के साथ दिखाई देते हैं। मोटापा, शारीरिक निष्क्रियता, असंतुलित भोजन, तनाव, अपर्याप्त नींद, तंबाकू और शराब का सेवन इस जोखिम को और बढ़ा सकते हैं। हृस्न।।स्–6 के अनुसार छत्तीसगढ़ में 15 वर्ष से अधिक आयु के लगभग 45.3 प्रतिशत पुरुष तंबाकू का किसी न किसी रूप में सेवन करते हैं। शराब के सेवन का अनुपात भी पुरुषों में लगभग 38.3 प्रतिशत बताया गया है। महिलाओं में ये आंकड़े क्रमश: 18.7 और 5.7 प्रतिशत हैं। यहां समस्या किसी एक आदत की नहीं है। जब दिन का बड़ा हिस्सा कुर्सी पर बीतता है, भोजन में अतिरिक्त नमक–चीनी और कैलोरी बढ़ती है, नींद घटती है और तनाव बढ़ता है, तब शरीर पर पड़ने वाला संयुक्त प्रभाव धीरे–धीरे सामने आता है।

शहरों में सुविधा बढ़ी, गतिविधि घट गई

कुछ दशक पहले सामान्य जीवन ही शारीरिक व्यायाम का माध्यम था। खेत तक पैदल जाना, बाजार पैदल जाना, साइकिल चलाना, घर के काम करना, बच्चों का मैदान में खेलना और पारंपरिक खेलों में भाग लेना दैनिक जीवन का हिस्सा था।आज मोबाइल फोन, कंप्यूटर, ऑनलाइन सेवाएं, निजी वाहन और घर तक पहुंचने वाली सुविधाओं ने जीवन को आसान बनाया है। लेकिन इसी सुविधा ने शरीर की स्वाभाविक गतिविधि कम कर दी है। बिलासपुर जैसे शहरों में यह प्रश्न इसलिए महत्वपूर्ण है कि क्या हमारे पास पर्याप्त सुरक्षित पैदल पथ, साइकिल मार्ग, सार्वजनिक खेल मैदान और खुले व्यायाम स्थल हैं? यदि शहर की योजना केवल वाहनों और भवनों के लिए होगी और पैदल चलने वाले नागरिक के लिए नहीं, तो भविष्य में इसका मूल्य अस्पतालों और दवाइयों के बढ़ते खर्च के रूप में चुकाना पड़ सकता है।

च्वाइस सेंटरों में आधार पंजीयन और अपडेट बंद

विश्व केसरी■

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। जिले में 10 सालों से चल रहे आधार सेंटरों को यूआईडीएआई की गाइडलाइंस और चिप्स की मनमानी के चलते बंद कर दिया गया है। इससे जिले के 75 से अधिक च्वाइस सेंटरों में आधार पंजीयन और अपडेशन का काम पूरी तरह ठप हो चुका है, जिससे आम जनता की मुश्किलें काफी बढ़ गई हैं। हालात यह हैं कि अब मोबाइल नंबर अपडेट कराने के लिए भी लोगों को सरकारी कार्यालयों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले लोगों का पूरा दिन बर्बाद हो रहा है, और कई बार उन्हें 2 दिनों तक शहर में आने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। पिछले 20 दिनों से शहर में पोस्ट ऑफिस और जोन कार्यालय सहित कुछ ही सरकारी कार्यालयों में यह सुविधा उपलब्ध है, जबकि 75 से अधिक च्वाइस सेंटरों में आधार का काम बंद है। केंद्र और राज्य सरकार के निर्देशों के बाद च्वाइस सेंटर में आधार से जुड़ी कोई सेवा नहीं मिल रही है। शनिवार को पोस्ट ऑफिस में लोगों का तांता लगा रहा, जहां लोग दूर–दराज के गांवों से आए थे और जिन्हें दो दिनों से कार्यालय के चक्कर लगाने के लिए मजबूर होना पड़ा। बृहस्पतिवार को च्वाइस सेंटरों में आधार से जुड़ी सभी सेवाओं को बंद कर चिप्स ने लोगों को बहुत परेशानी में डाल दिया है। ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों को अब छोटे–छोटे कामों के लिए भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। दूसरी तरफ, चिप्स की मनमानी से ऑपरेटर भी त्रस्त हो चुके हैं। लगातार पेनल्टी, सालों से कमीशन का भुगतान नहीं होने और एटीएसएमपी आईडी बंद होने से ऑपरेटरों के सामने रोजी–रोटी का गंभीर संकट खड़ा हो गया है, क्योंकि अधिकांश ऑपरेटर 50 हजार रुपए का डिपाजिट जमा कर चुके हैं।

पुराने चबूतरा व्यापारियों को नहीं दी जाएगी पुराना बस स्टैंड कांप्लैक्स में दुकान

विश्व केसरी■

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। नगर निगम द्वारा इमलापारा में बनाए गए व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स में दुकानों के आवंटन की प्रक्रिया एक बार फिर नए नियमों के साथ शुरू होने जा रही है। इस बार चबूतरे वाले दुकानदारों को नए कॉम्प्लेक्स में दुकान नहीं दी जाएगी। निगम ने स्पष्ट किया है कि चबूतरों को हटाकर उनके स्थान पर नई व्यवस्था के तहत दुकानें बनाई जाएंगी और उनका आवंटन नए नियमों के आधार पर किया जाएगा। इससे लंबे समय से दुकान की उम्मीद लगाए बैठे छोटे व्यापारियों की चिंता बढ़ गई है।

चबूतरे वाले दुकानदारों को नहीं मिलेगा सीधा आवंटन– निगम के मुताबिक, इमलापारा क्षेत्र में जिन

लोगों की दुकानें चबूतरों पर थीं, उन्हें नए व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स में सीधे दुकान आवंटित नहीं की जाएगी। दुकानों के लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू की जा रही है और आवंटन निर्धारित नियम एवं शर्तों के अनुसार होगा।बताया गया है कि पूर्व में चबूतरों पर कारोबार करने वाले दुकानदारों के लिए अलग व्यवस्था की चर्चा थी, लेकिन अब नए नियमों के तहत प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। इससे प्रभावित व्यापारियों में असमंजस की स्थिति है।

किराया 18 हजार से 80 हजार रुपये तक – नए कॉम्प्लेक्स में दुकानों का किराया भी दुकान के आकार और स्थान के अनुसार अलग–अलग निर्धारित किया गया है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार किराया करीब 18 हजार रुपये से लेकर 80 हजार रुपये तक हो सकता है।

आईपीएस के पुत्र की पिटाई करने वालों का पुलिस ने निकाला जुलूस

विश्व केसरी■

अंबिकापुर (उमाकांत पाण्डेय)। अंबिकापुर में आईपीएस रवि कुर्रे के 24 वर्षीय बेटा लेखांश कांत कुर्रे से मारपीट के मामले में कोतवाली पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर शहर में उनका जुलूस निकाला। दोनों को हथकड़ी पहनाकर थाने से न्यायालय तक ले जाया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

बता दें कि मामला 7 सितंबर की रात करीब 10 बजे का है जब लेखांश कांत कुर्रे अपने दो दोस्तों विशाल सोनी और रोमी खान के साथ कार से दोस्त प्रिंस गुप्ता के बौरीपारा स्थित घर जा रहा था। प्रिंस के घर से कुछ दूर पहले बौरीपारा तालाब के पास उसने कार रोक दी।

लेखांश कार से उतरकर प्रिंस से मोबाइल पर बात करने लगा।

बातचीत के दौरान उसने गोलू गणेश का नाम लिया। इसी बात को लेकर रतन गुप्ता और कोया डॉन ने उससे गाली–गलौज शुरू कर दी।

रिपोर्ट के मुताबिक, आरोपियों ने लेखांश से कहा– 'गोलू गणेश नहीं, बाप बोल।' इसके बाद विवाद बढ़ गया। आरोप है कि गोलू गणेश ने लेखांश का हाथ पकड़ लिया और रतन गुप्ता, कोया डॉन व आशुतोष गुप्ता ने उसके साथ हाथ–मुक्के, बेल्ट और कड़े से मारपीट शुरू कर दी। मारपीट में लेखांश की कनपटी, सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आईं। आरोप है कि इसी दौरान आरोपियों में से एक ने उसका गला दबाने की भी कोशिश की। दोस्तों ने किसी तरह उसे आरोपियों के चंगुल से छुड़ाया।

लेखांश के मुताबिक, मारपीट के दौरान आरोपियों ने उसे धमकाते हुए कहा– 'तेरा बाप पुलिस ऑफिसर है तो हमारा क्या कर लेगा?' इसके बाद उसने मामले की शिकायत कोतवाली थाने में दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने गोलू गणेश, रतन गुप्ता, कोया डॉन, आशुतोष गुप्ता और उनके अन्य साथियों के खिलाफ ब्न्हस्र की धारा 296, 351(3), 115(2) और 3(5) के तहत अपराध दर्ज किया। मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। इसके बाद दोनों को हथकड़ी पहनाकर कोतवाली थाने से न्यायालय तक ले जाया गया।

जेवर चमकाने के बहाने साढ़े तीन तोला सोना ले उड़े ठग

विश्व केसरी■

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। मंगला स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय कॉलोनी में शुक्रवार सुबह जेवर चमकाने का झांसा देकर बाइक सवार दो ठग महिलाओं से करीब साढ़े तीन तोला सोने और चांदी के जेवर लेकर फरार हो गए। आरोपियों ने पहले बर्तन और चांदी के जेवर चमकाकर महिलाओं का विश्वास जीता। इसके बाद सोने के जेवर टिफिन में रखकर उन्हें किचन में गर्म करने के बहाने भेज दिया। महिलाएं जब तक किचन से लौटतीं, दोनों आरोपी गहने लेकर भाग चुके थे।

बर्तन और चांदी के गहने चमकाकर जीता भरोसा, सोने के जेवर टिफिन में गर्म करने भेजा और हो गए फरार – घटना की सूचना मिलते ही सिविल लाइन सीएसपी, टीआई और एसीसीयू की टीम मौके पर पहुंची और

गलत फुटेज से कुछ देर भटकी जांच

घटना के बाद परिवार ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जल्दबाजी में एक फुटेज से बाइक सवार दो युवकों की तस्वीर निकालकर पुलिस को सौंप दी गई। पुलिस ने फुटेज के आधार पर दोनों युवकों को पकड़कर पूछताछ की, लेकिन बाद में पता चला कि वे कॉलोनी में किराए से रहने वाले नाबालिग छात्र हैं और घटना से उनका कोई संबंध नहीं है। गलत फुटेज सामने आने से पुलिस की जांच कुछ समय के लिए दूसरी दिशा में चली गई। अब पुलिस नए सिरे से आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह करीब साढ़े दस बजे स्मिता तिवारी अपने घर के सामने स्थित दुकान पर बैठी थीं। इसी दौरान बाइक सवार दो युवक वहां पहुंचे और सिगरेट मांगी। सिगरेट पीते हुए दोनों ने बातचीत शुरू की और खुद को बर्तन व जेवर चमकाने वाला पाउडर बेचने वाला बताया। विश्वास दिलाने के लिए उन्होंने पहले बर्तन चमकाकर दिखाए। इसके बाद एक महिला के चांदी के जेवर उतरवाकर उन्हें भी चमकाया और वापस पहना दिया। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाली एक रिश्तेदार महिला भी वहां पहुंच गई।ठगों के इस तरीके से महिलाएं उनके झांसे में आ गईं। एक महिला ने करीब तीन तोला वजन की सोने की चेन, जबकि दूसरी ने करीब आधा तोला सोने का जेवर चमकाने के लिए आरोपियों को दे दिया। दोनों आरोपियों ने सोने के जेवर एक टिफिन में रखे और महिलाओं से कहा कि इसे किचन में ले जाकर कुछ देर गर्म कर लाएं। महिलाएं टिफिन लेकर किचन में चली गईं। कुछ देर बाद जब उन्होंने डिब्बा खोला तो उसमें सोने के जेवर गायब थे। गहने गायब देखकर महिलाएं तत्काल बाहर आईं और दोनों युवकों से जेवर वापस मांगने लगीं। ठगी का पता चलते ही आरोपियों ने महिलाओं को धक्का दिया और बाइक से भागने लगे। महिलाओं ने उन्हें पकड़ने की कोशिश की, लेकिन दोनों फरार हो गए। इस दौरान भागते समय एक आरोपी का जूता मौके पर ही छूट गया। बताया जा रहा है कि दोनों युवक करीब पौन घंटे तक कॉलोनी में मौजूद रहे। उनकी गतिविधियों पर महिलाओं को संदेह भी हुआ था, लेकिन घर में कोई पुरुष सदस्य मौजूद नहीं होने के कारण वे स्थिति को लेकर असहज रहीं।

बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त करने वाले 3 आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। जिला सक्ति पुलिस अधीक्षक महोदय श्रीमान प्रफुल्ल कुमार ठाकुर के निर्देशन,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय श्रीमान पंकज पटेल के मार्गदर्शन एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस चंद्रपुर/डभरा श्रीमान सुमित गुप्ता के कुशल नेतृत्व में

11 सितंबर को थाना डभरा क्षेत्रांतर्गत ग्राम मेढ़ापाली, अम्बेडकर चौक के पास स्थित बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा को कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा क्षतिग्रस्त किए जाने की सूचना प्राप्त हुई। मामले में प्रार्थी छत्रपाल आजाद, पिता महावीर, निवासी पलाड़ी खुर्द, थाना बाराद्वार, जिला सक्ती द्वारा थाना डभरा में रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना डभरा में अपराध क्रमांक 350/26, धारा 298, 3(5) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

विवेचना के दौरान पुलिस द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण कर नजरी नक्शा तैयार किया गया, प्रार्थी एवं गवाहों के कथन दर्ज किये गये,विवेचना में आरोपियों की संलिप्तता पाए जाने पर थाना डभरा पुलिस द्वारा 12 सितंबर को निम्न आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार किया गया।

कोरी डेम में तेज बहाव के बीच जान जोखिम में डाल रहे पर्यटक

विश्व केसरी■

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। तेज गति से बह रहा है, लेकिन इसके बावजूद लोग अपनी जान जोखिम में डालकर डैम के बहाव वाले हिस्से में उतरकर नहा रहे हैं। प्रस्तुत तस्वीर में साफ दिख रहा है कि कई लोग पानी के बीच मौजूद हैं और कुछ लोग तो डैम से गिरती तेज जलधारा के ठीक नीचे खड़े होकर नहा रहे हैं। यह गंभीर लापरवाही कभी भी किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। बारिश के मौसम में कोरी डैम में पानी का बहाव तेज होने के बावजूद लोग अपनी जान की परवाह किए बिना डैम के बहाव वाले हिस्से में उतरकर नहाते नजर आ रहे हैं।

बहाव वाले हिस्से में जाने से बचना ही सुरक्षित विकल्प

सामने आई तस्वीर में कई लोग पानी के बीच मौजूद हैं, जबकि कुछ लोग डैम से गिरती तेज जलधारा के ठीक नीचे खड़े होकर नहाते दिखाई दे रहे हैं। यह लापरवाही कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। बरसात के दिनों में डैम और जलाशयों में पानी का स्तर लगातार बदलता रहता है। कई बार ऊपर से पानी की आवक बढ़ने पर बहाव अचानक तेज हो जाता है, जिससे पानी के अंदर मौजूद लोगों को

संभलने का मौका तक नहीं मिल पाता है। इसके अलावा, डैम के आसपास पत्थरों और जमीन पर फिसलन बढ़ जाने से भी दुर्घटना का खतरा हमेशा बना रहता है। इन तमाम खतरों के बावजूद कुछ लोग जोखिम भरी जगहों पर पहुंचकर नहाने और मौज–मस्ती करने से बाज नहीं आ रहे हैं।

प्रशासन की समझाइश और सख्ती बेअसर

कोरी डैम क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर प्रशासन द्वारा समय–समय पर लोगों को समझाइश दी जाती है। बारिश के दौरान खतरनाक स्थानों पर नहीं जाने और तेज बहाव से दूर रहने की चेतावनी भी दी जाती है। कई मौकों पर प्रशासन की ओर से सख्ती करते हुए लोगों को ऐसे स्थानों से हटाया भी जाता है। इसके बावजूद लोग चेतावनी को नजरअंदाज कर पानी में उतर रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश के दौरान कोरी डैम में बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। ऐसे में प्रशासन और संबंधित विभाग को संवेदनशील स्थानों पर निगरानी बढ़ाने के साथ लोगों को लगातार जागरूक करने की जरूरत है। लोगों को भी समझना होगा कि कुछ देर के मनोरंजन के लिए अपनी और दूसरों की जान खतरे में डालना भारी पड़ सकता है। जलस्तर बढ़ने और तेज बहाव की स्थिति में डैम के नीचे या बहाव वाले हिस्से में जाने से बचना ही सबसे सुरक्षित विकल्प है।

विज्ञान सेमिनार में अनुनय कॉन्वेंट के छात्र गीतेश प्रथम स्थान

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। नगर का प्रतिष्ठित संस्थान अनुनय कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल शक्ति के होनहर छात्र गीतेश कुमार देवांगन पिता राम चंद्र देवांगन ने शक्ति जिला स्तरीय राष्ट्रीय विज्ञान सेमिनार 26–27 में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय एवं अपने परिवार का नाम गौरवान्वित किया ।यह प्रतियोगिता गुंजन एजुकेशन सेंटर में आयोजित किए गए जिसमें गीतेश कुमार देवांगन ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। उक्त सेमिनार में जिले के सभी विकासखंडों एवं अनेक विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया था।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉक्टर कुमुदिनी बाघ द्विवेदी थी एवं जिला विज्ञान समन्वयक छवि राठौर के निर्देशन में आयोजित था . गीतेश

के प्रदर्शन में विद्यालय की शिक्षिका गरिमा राठौर तथा संगीता पटेल एवं निखिल साहू का सहयोग रहा. अब बिलासपुर में आयोजित संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेगा. छात्र के शानदार उपलब्धि पर संस्था के संचालक योगेश कुमार साहू एवं विद्यालय परिवार ने हर्ष व्यक्त करते हुए उसे हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

यूएस फेड बैठक, कच्चे तेल की कीमत और घरेलू आर्थिक आंकड़ों से अगले हफ्ते तय होगी शेयर बाजार की चाल

विश्व केसरी

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार के लिए अगला हफ्ता काफी अहम होने वाला है। अमेरिकी फेड की बैठक, कच्चे तेल की कीमत और घरेलू आर्थिक आंकड़ों से भारतीय शेयर बाजार की चाल निर्धारित होगी।

ब्याज दरों की समीक्षा के लिए अमेरिकी फेड की बैठक 15-16 सितंबर, 2026 को प्रस्तावित है। यह बैठक ऐसे समय पर हो रही है, जब महंगाई दर और बॉन्ड यील्ड उच्च स्तर पर हैं। ऐसे में फेड के निर्णय पर सभी निवेशकों की निगाहें बनी हुई है।

वहीं, कच्चे तेल की कीमतें भी 100 डॉलर के ऊपर चली गई हैं। बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड का दाम 104.47 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 99.99 डॉलर पर था।

अगले हफ्ते घरेलू स्तर पर भी कई अहम आंकड़े आने वाले हैं, जिसमें थोक महंगाई दर, खुदरा महंगाई दर, आयात-निर्यात, यात्री वाहन, बेरोजगारी और विदेशी मुद्रा भंडार से जुड़े डेटा शामिल होंगे।

सोमवार को गणेश चतुर्थी होने के कारण अगले हफ्ते शेयर बाजार में पहला कारोबारी सत्र मंगलवार को होगा।

इसके अतिरिक्त, बीते हफ्ते बाजार का प्रदर्शन कमजोर रहा था। इस दौरान सेंसेक्स 1,733.67 अंक या 2.27 प्रतिशत की गिरावट के साथ 74,781.76 और निफ्टी 499.60 अंक या 2.09 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,398.10 पर बंद हुआ।

लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी कमजोरी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 881.85 अंक या 1.40 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 62,197.20 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 189.15 अंक या 0.94 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 19,906.30 पर था।

सूचकांकों में सबसे अधिक गिरावट निफ्टी रियल्टी (-6.54 प्रतिशत), निफ्टी आईटी (-5.78 प्रतिशत), निफ्टी मेटल (-2.39 प्रतिशत), निफ्टी कमोडिटीज (-2.29 प्रतिशत), निफ्टी ऑयल एंड गैस (-2.24 प्रतिशत), निफ्टी सर्विसेज (-1.98 प्रतिशत), निफ्टी पीएसयू बैंक (-1.94 प्रतिशत) और निफ्टी एफएमसीजी (-1.83 प्रतिशत) में देखी गई।

दूसरी तरफ निफ्टी हेल्थकेयर (0.51 प्रतिशत), निफ्टी फार्मा (0.21 प्रतिशत) और निफ्टी इंडिया डिफेंस (0.15 प्रतिशत) बढ़त के साथ बंद हुए।

नई पीएनजी योजना से घरेलू कनेक्शन होंगे तेज : सरकार

विश्व केसरी

नई दिल्ली। घरेलू पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शन के लिए सरकार की नई प्रोत्साहन योजना का मकसद घरों में स्वच्छ ईंधन का विस्तार तेज करना है। सरकार ने रविवार को कहा कि इस पहल से नए कनेक्शन में निवेश करने वाली कंपनियों के लिए लागत वसूली की अवधि लगभग 10 साल से घटकर करीब 3 साल रह जाएगी।

घरेलू पीएनजी कनेक्शन को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन योजना 18 अगस्त को लॉन्च की गई थी और 1 सितंबर से लागू हो गई है। इसका मकसद सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) कंपनियों को बिना बिल वाले कनेक्शनों को सक्रिय, बिल वाले कनेक्शन में बदलने और नए क्षेत्रों में पीएनजी नेटवर्क का विस्तार करने के लिए प्रोत्साहित करके सक्रिय घरेलू पीएनजी कनेक्शनों की संख्या बढ़ाना है।

सरकार के अनुसार, 18 अगस्त तक देश भर में लगभग 1.74 करोड़ घरेलू पीएनजी कनेक्शन थे। सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क का विकास पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) द्वारा अधिकृत संस्थाओं द्वारा किया जा रहा है, जिसने देश की पूरी मुख्य भूमि को कवर करने वाले 309 भौगोलिक क्षेत्रों में संस्थाओं को अधिकृत किया है। नई योजना के तहत हर भौगोलिक क्षेत्र के लिए घरेलू कनेक्शनों की न्यूनतम सीमा तय की गई है। जो पात्र सीजीडी कंपनियां प्रदर्शन अवधि के दौरान निर्धारित सीमा से ऊपर बिल वाले घरेलू कनेक्शन जोड़ेंगी, उन्हें हर अतिरिक्त कनेक्शन के लिए 200 स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर (एससीएम) घरेलू स्तर पर उत्पादित एपीएम गैस का अतिरिक्त आवंटन मिलेगा।

यह अतिरिक्त एपीएम गैस आवंटन सीजीडी कंपनियों द्वारा अपने कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (ट्रांसपोर्ट) सेगमेंट के लिए वर्तमान में सोर्स की जाने वाली अधिक महंगी लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) की जगह लेगा। एलएनजी के स्थान पर कम कीमत वाली घरेलू एपीएम गैस के आने से सीजीडी कंपनियों के लिए गैस सोर्सिंग की कुल लागत कम होने की उम्मीद है।

भारतीय रेलवे में माल ढुलाई अगस्त में 5.4 प्रतिशत बढ़ी, यात्री यातायात में भी मजबूत वृद्धि

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे की माल ढुलाई में अगस्त 2026 में सालाना आधार पर 5.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस दौरान यात्री यातायात में भी वृद्धि हुई, जो देशभर में रेल परिवहन की लगातार बनी मांग को दर्शाता है। यह जानकारी रेल मंत्रालय द्वारा रविवार को दी गई।

रेलवे ने अगस्त 2026 में 13.79 करोड़ टन माल की ढुलाई की, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह आंकड़ा 13.09 करोड़ टन था। महीने के दौरान माल ढुलाई से होने वाले राजस्व में भी सालाना आधार पर 6.27 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

माल ढुलाई में बढ़ोतरी को कई प्रमुख वस्तुओं की अधिक लोडिंग से समर्थन मिला। लौह अयस्क की लोडिंग में 12.1 प्रतिशत, क्लिंकर में 10.4 प्रतिशत, घरेलू कंटेनरों में 9.2 प्रतिशत और कोयले में 6 प्रतिशत की वृद्धि हुई। तैयार इस्पात की लोडिंग 4.9 प्रतिशत बढ़ी, जबकि खनिज तेल और उर्वरकों में क्रमशः 3.1 प्रतिशत और 1.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। अन्य वस्तुओं की लोडिंग में 8.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

माल ढुलाई में यह वृद्धि उद्योगों के लिए रेल आधारित आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने और विभिन्न क्षेत्रों में आवश्यक वस्तुओं, कच्चे माल तथा तैयार माल की आवाजाही को बेहतर बनाने में मदद करेगी।

रेलवे नेटवर्क ने महीने के दौरान माल संभालने के अपने बुनियादी ढांचे का भी विस्तार किया और पांच नए गति शक्ति कार्गो टर्मिनल (जीसीटी) शुरू किए। ये नए टर्मिनल गुजरात के शिवलखा, तमिलनाडु के नल्ली, उत्तर प्रदेश के शक्तिनगर, मध्य प्रदेश के देवराग्राम और ओडिशा के ब्रजराजनगर में स्थित हैं।

इन नए टर्मिनलों के साथ 31 अगस्त 2026 तक शुरू किए जा चुके गति शक्ति कार्गो टर्मिनलों की कुल संख्या 149 हो गई है। इन टर्मिनलों का उद्देश्य उत्पादन और खपत केंद्रों के करीब माल संभालने की सुविधाएं उपलब्ध कराना और कार्गो की आवाजाही को अधिक कुशल बनाना है।

यात्री क्षेत्र में भी रेलवे का प्रदर्शन शानदार रहा है। भारतीय रेलवे ने अगस्त 2026 में 67.27 करोड़ यात्रियों को यात्रा कराई, जबकि अगस्त 2025 में यह संख्या 64.43 करोड़ थी। उपनगरीय यात्री यातायात में विशेष रूप से मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। इसमें 9.02 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यात्रियों की संख्या एक साल पहले के 34.89 करोड़ से बढ़कर 38.01 करोड़ हो गई।

टेस्ला लंबी देरी के बाद एक अक्टूबर को अगली पीढ़ी की रोडस्टर को करेगी लॉन्च

विश्व केसरी

मुंबई। इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली कंपनी टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने घोषणा की कि कंपनी लंबी देरी के बाद एक अक्टूबर को रोडस्टर लॉन्च करेगी। टेस्ला रोडस्टर की पहली जनरेशन को करीब एक दशक पहले बाजार में उतारा गया था।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर टेस्ला ने एक पोस्ट में कहा, 'गो फॉर लॉन्च', साथ ही इसमें एक पोस्टर भी था, जिसमें इसकी तारीख एक अक्टूबर दी गई थी।

इस पोस्ट के रिप्लाई में मस्क ने कहा, 'नई टेस्ला रोडस्टर 10.01 को लॉन्च की जाएगी।'

इससे पहले कुछ रिपोर्ट्स में अगस्त में दावा किया गया था कि टेस्ला नए डिजाइन वाली रोडस्टर को जल्द ही लॉन्च करने की योजना बना रही है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस इवेंट में स्पेसएक्स के साथ मिलकर बनाए गए कोल्ड-गैस थ्रस्टर्स वाले लिमिटेड-एडिशन वर्जन का डेमो दिखाया जा सकता है।

टेस्ला ने सबसे पहले 2017 में अगली पीढ़ी की रोडस्टर लाने का ऐलान किया था और कहा था कि इसकी डिलीवरी 2020 में शुरू हो जाएगी, लेकिन इस प्रोग्राम में बार-बार देरी हुई है।

यह कदम टेस्ला द्वारा पिछले हफ्ते ऑस्टिन, टेक्सास के कुछ इलाकों में अपनी दो-सीटर साइबरकैब में राइड्स की सुविधा शुरू करने के बाद उठाया गया है। इस साइबरकैब में न तो स्टीयरिंग व्हील है और न ही पैडल। मस्क ने इस गाड़ी को टेस्ला को ड्राइवरलेस गाड़ियों के क्षेत्र में एक बड़ी ताकत बनाने के लिए अहम बताया है।

खबरों के मुताबिक, नई रोडस्टर अब एक आम हाई-परफॉर्मेंस ईवी से बदलकर पूरी तरह से नई कार्बन-फाइबर हाइपरकार बन गई है।

नई रोडस्टर के लॉन्च से पहले टेस्ला के शेयर में तेजी देखी गई। बीते एक महीने में टेस्ला ने 7 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न दिया है। हालांकि, सालाना आधार पर इसमें करीब 10 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है।

ब्रिक्स देशों के बीच व्यापार बढ़ाने के लिए नॉन-टैरिफ बाधाओं को हटाना और आसान पेमेंट सिस्टम जरूरी : ईईपीसी इंडिया

विश्व केसरी

नई दिल्ली। देश की इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट को बढ़ावा देने वाली मुख्य संस्था ईईपीसी इंडिया ने ब्रिक्स देशों के बीच गैर-शुल्क बाधाओं (नॉन-टैरिफ बैरियर्स) को खत्म करने और आसान पेमेंट सिस्टम बनाने की मांग की है। उसने कहा है कि ब्रिक्स देशों के बीच व्यापार को नई गति देने के लिए नॉन-टैरिफ बैरियर्स को समाप्त करना और स्थानीय मुद्राओं में आसान पेमेंट सिस्टम विकसित करना बेहद आवश्यक है।

ईईपीसी इंडिया के चेयरमैन पंकज चड्ढा ने कहा कि भारतीय निर्यातकों के सामने आने वाली लगभग 75 प्रतिशत समस्याओं का समाधान गैर-शुल्क बाधाओं को कम करने और राष्ट्रीय मुद्राओं में तेज एवं प्रभावी भुगतान व्यवस्था लागू करने से हो सकता है।

उन्होंने कहा, 'एक्सपोर्टर्स को होने वाली लगभग 75 प्रतिशत समस्याओं को नॉन-टैरिफ बाधाओं को हटाकर और अलग-अलग देशों की अपनी करेंसी में आसान और कुशल पेमेंट सिस्टम अपनाकर हल किया जा सकता है।' उन्होंने कहा कि ब्रिक्स देशों के बीच नॉन-टैरिफ बाधाओं पर समझौता करना समय की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा, 'हम ब्रिक्स देशों के बीच नॉन-टैरिफ बाधाओं पर एक आम समझौता कर सकते हैं और कुछ स्टैंडर्ड्स पर सहमत हो सकते हैं। हालांकि हम इस पर कुछ समय से चर्चा कर रहे हैं, लेकिन अब इसे लागू करने का समय आ गया है।'

उन्होंने बताया कि यह एक आम बात है कि ज्यादातर देशों में नॉन-टैरिफ उपायों से एक्सपोर्ट की लागत टैरिफ की तुलना में ज्यादा बढ़ जाती है। इसलिए व्यापार करने वाले देशों के बीच रेगुलेटरी प्रक्रियाओं को आसान बनाने के लिए तुरंत कदम उठाने की जरूरत है।

ब्रिक्स समूह वर्तमान में वैश्विक व्यापार का लगभग एक-चौथाई हिस्सा प्रतिनिधित्व करता है। ऐसे में यदि सदस्य देश गैर-शुल्क बाधाओं को कम करने और भुगतान प्रणालियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में सफल होते हैं, तो समूह की वैश्विक व्यापार में हिस्सेदारी और बढ़ सकती है।

भारत के लिए यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि इंजीनियरिंग उत्पाद देश के सबसे बड़े निर्यात क्षेत्रों में से एक हैं। उपलब्ध आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, भारत के कुल वस्तु निर्यात (मर्चेंडाइज एक्सपोर्ट) में इंजीनियरिंग निर्यात की हिस्सेदारी लगभग 27 प्रतिशत है।

ब्रिक्स देशों में ब्राजील, चीन, इंडोनेशिया, सऊदी अरब और दक्षिण अफ्रीका भारतीय इंजीनियरिंग उत्पादों के प्रमुख बाजार हैं।

जानकारी के लिए बता दें कि ईईपीसी इंडिया भारत का प्रमुख व्यापार एवं निवेश प्रोत्साहन संगठन है। यह वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा प्रायोजित (स्पॉन्सर्ड) है और भारतीय इंजीनियरिंग क्षेत्र को सेवाएं प्रदान करता है। मंत्रालय द्वारा इसे भारत में आदर्श ईपीसी के रूप में मान्यता प्राप्त है।

ईईपीसी इंडिया पिछले 70 से अधिक वर्षों में भारतीय इंजीनियरिंग निर्यात का प्रतीक रहा है। इस दौरान भारत 1950 के दशक में मात्र 10 मिलियन डॉलर के इंजीनियरिंग निर्यातक देश से बढ़कर 122.43 अरब डॉलर (अप्रैल 2025-मार्च 2026) का देश बन गया।

मध्य पूर्व में तनाव असर! एफपीआई ने सितंबर में अब तक 14,474 करोड़ रुपए की बिकवाली की

विश्व केसरी

मुंबई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की ओर से इस महीने अब तक (1-12 सितंबर तक) 14,474 करोड़ रुपए इक्विटी मार्केट से निकाले गए हैं। इससे पहले जुलाई और अगस्त में सकारात्मक इनफ्लो दर्ज किया गया था।

वहीं, प्राइमरी मार्केट (आईपीओ) में एफपीआई निवेश अब तक सकारात्मक 1,336 करोड़ रुपए पर बना हुआ है, जिससे इस साल प्राइमरी मार्केट में कुल एफपीआई निवेश बढ़कर 47,183 करोड़ रुपए हो गया है। इस बीच, पूरे हफ्ते भारतीय इक्विटी बाजार पर काफी दबाव बना रहा और निफ्टी 50 में लगातार पांचवें हफ्ते गिरावट दर्ज की गई। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई और महंगाई, ग्लोबल ब्याज दरों और आर्थिक विकास को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। इस कारण बाजार में बड़े पैमाने पर बिकवाली हुई और हफ्ते के दौरान प्रमुख सेक्टर गिरावट के साथ बंद हुए।

मार्केट के जानकारों का कहना है कि घरेलू इक्विटी के लिए कच्चे तेल की कीमतें एक बड़ी चुनौती बनकर उभरी हैं। विदेशी संस्थागत निवेशकों के सतर्क बने रहे और उनकी लगातार बिकवाली घरेलू इक्विटी के लिए एक बड़ी बाधा बन रही है। इसके उलट, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने पिछले हफ्ते 6,419.46 करोड़ रुपए की शुद्ध खरीदारी की, जिससे विदेशी बिकवाली के असर को कम करने और घरेलू इक्विटी मार्केट में और गिरावट को रोकने में मदद मिली। आगे चलकर, एफपीआई का निवेश ईरान-अमेरिका के बीच तनाव और उसके कारण कच्चे तेल की कीमतों पर पड़ने वाले असर से काफी हद तक प्रभावित होगा। जानकारों का कहना है कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और बढ़ती महंगाई का मतलब है कि मॉनेटरी पॉलिसी सख्त होगी, जिससे बॉन्ड यील्ड और बढ़ेगी। आने वाले हफ्ते में ग्लोबल मैक्रो-इकोनॉमिक और जियो-पॉलिटिकल जोखिमों के कारण भारतीय इक्विटी मार्केट में उतार-चढ़ाव बने रहने की संभावना है।

बिजली की आपूर्ति पूरा करने जेनरेटर और खुले बाजार का सहारा ले रही तमिनाडु सरकार

विश्व केसरी

चेन्नई। लंबे समय तक गर्मी रहने और हवा से बिजली का उत्पादन कम होने के कारण राज्य के बिजली नेटवर्क पर दबाव बढ़ गया है। इसे देखते हुए तमिलनाडु सरकार ने बिजली बनाने वाली कंपनियों और खुले बाजार से अतिरिक्त 2,000 एम डब्ल्यू बिजली खरीदने का फैसला किया है।

बिजली की खपत में भारी बढ़ोतरी और कई जिलों में सप्लाई में रुकावट की खबरों के बीच तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉरपोरेशन लिमिटेड (टीएनपीडीसीएल) ने यह इमरजेंसी खरीद शुरू की है। कॉरपोरेशन को उम्मीद है कि इस अतिरिक्त बिजली से मांग और सप्लाई के बीच के अंतर को कम करने और बिना रुकावट बिजली सप्लाई बनाए रखने में मदद मिलेगी।

यह कदम कुछ इलाकों में बिना किसी सूचना के एक घंटे तक बिजली कटौती की शिकायतों के बाद उठाया गया है। लोगों ने कई जगहों पर विरोध प्रदर्शन भी किया, उन्होंने बिना पहले से बताए बिजली कटौती का आरोप लगाया और भरोसेमंद बिजली सप्लाई बहाल करने के लिए तुरंत कदम उठाने की मांग की। बिजली मंत्री आर. निर्मलकुमार ने कहा कि तमिलनाडु में लगातार दो दिनों तक बिजली की कमी की वजह विंड एनर्जी (हवा से बनने वाली बिजली) के उत्पादन में अचानक आई गिरावट थी। सप्लाई की ऐसी ही दिक्कतें कई राज्यों में देखी गईं और यह सिर्फ तमिलनाडु तक सीमित नहीं थीं। मंत्री ने बताया कि कमी को पूरा करने के लिए जरूरी बिजली शुक्रवार शाम को कॉमन पावर सप्लाई पूल से ली गई थी। उन्होंने कहा कि बिजली लेने के बाद पूरे तमिलनाडु में बिजली सप्लाई सामान्य हो गई।

टीएनपीडीसीएल ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा कि इस साल गर्मी जैसा मौसम उम्मीद से ज़्यादा समय तक बना रहा, जिससे बिजली की खपत काफी बढ़ गई।

न तुलसी चढ़ाएं, न लगाएं ऐसा भोग...गणेश चतुर्थी पर बप्पा की पूजा में ये गलती घातक

14 सितंबर को गणेश चतुर्थी है. इस दिन घरों और सार्वजनिक पंडालों में बप्पा की स्थापना की जाएगी. लोकल 18 से अयोध्या के ज्योतिष पंडित कल्कि राम बताते हैं कि पूजा के दौरान फूल, फल, मोदक, दूर्वा समेत कई सामग्री गणपति को अर्पित की जाती है, लेकिन पूजा सामग्री चुनते समय कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है. गणपति को मोदक, लड्डू, फल और सात्विक भोजन का भोग लगाया जा सकता है. तुलसी के पत्ते अर्पित न करें. दूर्वा अर्पित कर सकते हैं. पूजा में मुरझाए, सूखे या खराब फूलों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए.

गणेश चतुर्थी पर श्रद्धालु विधि-विधान से गणपति की स्थापना कर उनकी पूजा-अर्चना करते हैं. मान्यता है कि विघ्नहर्ता गणेश की पूजा करने से जीवन के संकट दूर होते हैं और शुभ कार्यों में सफलता के मार्ग प्रशस्त होते हैं. हालांकि गणपति पूजा के दौरान कुछ ऐसी चीजों का इस्तेमाल करने से बचने की धार्मिक मान्यता है, जिन्हें भगवान गणेश को अर्पित करना शुभ नहीं माना जाता. लोकल 18 से अयोध्या के ज्योतिष पंडित कल्कि राम बताते हैं कि इस वर्ष गणेश चतुर्थी का पर्व 14 सितंबर को मनाया जाएगा. घरों और सार्वजनिक पंडालों में बप्पा की स्थापना की जाएगी. पूजा के दौरान फूल, फल, मोदक, दूर्वा समेत कई सामग्री भगवान को अर्पित की जाती है, लेकिन पूजा सामग्री चुनते समय कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है.

पंडित कल्कि राम बताते हैं कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पूजा-पाठ और भगवान को लगाए जाने वाले भोग में लहसुन और प्याज का इस्तेमाल नहीं किया जाता, इसलिए गणेश चतुर्थी पर अगर घर में बप्पा के लिए प्रसाद या भोग तैयार किया जा रहा है, तो उसमें लहसुन-प्याज का प्रयोग करने से बचने की सलाह दी जाती है. गणपति को मोदक, लड्डू, फल और सात्विक भोजन का भोग लगाया जा सकता है.

पहनाएं कैसा कपड़ा

पंडित कल्कि राम के मुताबिक, भगवान गणेश की पूजा में तुलसी के पत्ते अर्पित न करने की धार्मिक मान्यता भी प्रचलित है. पौराणिक कथा के अनुसार, तुलसी और भगवान गणेश से जुड़ा एक प्रसंग बताया जाता है, जिसके कारण गणेश पूजा में तुलसी दल का इस्तेमाल वर्जित माना गया. इसके विपरीत दूर्वा भगवान गणेश को अत्यंत प्रिय मानी जाती है, इसलिए भक्त पूजा के दौरान उन्हें दूर्वा अर्पित करते हैं. गणेश पूजा में भगवान को काले या नीले रंग के वस्त्र न पहनाने की मान्यता है. पूजा में लाल, पीले और दूसरे शुभ रंगों के वस्त्रों का प्रयोग अधिक उपयुक्त माना जाता है.

केतकी का फूल वर्जित

धार्मिक मान्यताओं में केतकी के फूल का संबंध भगवान शिव से जुड़ी एक पौराणिक कथा से है. इसी कारण भगवान गणेश की पूजा में भी केतकी के फूल अर्पित न करने की परंपरा है. इसके अलावा पूजा में मुरझाए, सूखे या खराब फूलों का इस्तेमाल भी नहीं करना चाहिए. गणपति को ताजे और सुगंधित फूल अर्पित करना शुभ माना जाता है।

प्याज और आलू की पकौड़ी खा-खाकर थक गए? घर पर फटाफट बनाएं 'कच्चे केले के पकोड़े', यहां जानें आसान रेसिपी

बरसात के मौसम में आप प्याज और आलू के पकोड़े खा-खाकर पक चुके हैं और कुछ टेस्टी ट्राई करना चाहते हैं तो कच्चे केले के पकोड़े आपके लिए परफेक्ट रेसिपी है. आइए जानते हैं कि कैसे तैयार करें ये पकौड़ी.

बारिश का मौसम हो और कुछ चटपटा खाने का मन ना हो, ऐसा हो ही नहीं सकता है. मानसून आते ही गरमागरम पकौड़े खाने का मन करने लगता है. अगर आप प्याज और आलू के पकौड़ों से कुछ अलग ट्राई करना चाहते हैं, तो कच्चे केले के पकौड़े एक बेस्ट ऑप्शन है. बाहर से कुरकुरे और अंदर से नरम ये पकौड़े घर पर आसानी से तैयार किए जा सकते हैं. इन्हें चाय, हरी चटनी या टमाटर की चटनी के साथ परोसा जा सकता है. आइए जानते हैं कि कच्चे केले के पकौड़े कैसे तैयार कर सकते हैं.

कच्चे केले के पकौड़े बनाने की सामग्री की बात करें तो 3 से 4 कच्चे केले, 1 कप बेसन, 1 से 2 हरी मिर्च बारीक कटी हुई, 1/2 चम्मच अजवाइन, 1/2 चम्मच हल्दी पाउडर, 1/2 चम्मच लाल मिर्च पाउडर, 1/2 चम्मच धनिया पाउडर, चुटकीभर हींग, थोड़ा आटा, नमक, थोड़ा-सा गरम मसाला और तेल की जरूरत पड़ती है.

सबसे पहले कच्चे केले को अच्छी तरह धोकर छील लें. अब इन्हें पतले गोल या लंबे टुकड़ों में काट लें. एक कूकर में कच्चे केले के टुकड़ों को डालकर करीब 3 से 4 मिनट हल्का उबाल लें. ध्यान रखें कि केले पूरी तरह गलने न पाएं. इसके बाद इन्हें पानी से निकालकर ठंडा होने दें.

अब एक बर्तन में उबले हुए कच्चे केले को निकालकर बारिश कर लें. इसे कुछ देर तक ठंडा होने के लिए छोड़ दें. इस बात का ध्यान रखें कि पेस्ट बनाते समय आप चम्मच का इस्तेमाल करें, वरना इससे आपके हाथ जल सकते हैं और पकौड़ी जल्दी खराब होने की संभावना बनी रहेगी.

इसके बाद इस बारिश केले के पेस्ट में बेसन, थोड़ा आटा, अजवाइन, हल्दी, लाल मिर्च, धनिया पाउडर, हींग, गरम मसाला, हरी मिर्च और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें. इसमें थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए ऐसा घोल तैयार करें जो न बहुत पतला हो और न बहुत गाढ़ा.

अब कड़ाही में तेल गर्म करें. केले के प्रत्येक टुकड़े को, जिसे आपने बेसन के घोल में अच्छी तरह लपेट दिया है, गर्म तेल में डालें. पकौड़ों को मध्यम आंच पर तलें, ताकि वे अंदर से भी अच्छी तरह पक जाएं और बाहर से कुरकुरे रहें.

सुनहरा और कुरकुरा होने पर इन्हें प्लेट में निकाल लें. याद रहे कि आप इसके लेट को अच्छे से छान लें, वरना ज्यादा ऑयली खाने से टेस्ट खराब हो जाएगा. बस गरमागरम कच्चे केले के पकौड़ों को हरी चटनी, इमली की चटनी या टमाटर सॉस के साथ परोसें. बारिश के मौसम में एक कप गरम चाय के साथ इनका स्वाद और भी बढ़ जाता है।

7.5 लाख में 21 दिन स्विट्जरलैंड! कपल ने बताया होटल से खाने तक का पूरा खर्च, जानें कैसे करनी है डील्स

स्विट्जरलैंड घूमना कई लोगों का सपना होता है, लेकिन यहां की यात्रा महंगी मानी जाती है. हाल ही में एक भारतीय कपल ने 21 दिनों की स्विट्जरलैंड ट्रिप पर 7.5 लाख रुपये खर्च किए और बताया कि होटल, यात्रा, खाना और घूमने पर उनका कितना पैसा लगा.

स्विट्जरलैंड की खूबसूरत वादियां और पहाड़ हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करते हैं. लेकिन यहां घूमने का नाम आते ही सबसे पहले ज्यादा खर्च की चिंता होती है. हाल ही में ट्रैवल क्रिएटर कपल प्रकृति अरोड़ा और आशीष कुमार ने अपनी 21 दिनों की स्विट्जरलैंड यात्रा का पूरा खर्च बताया. उनके मुताबिक, दो लोगों की इस यात्रा पर करीब 7.5 लाख यानी (7,50,000) रुपये खर्च हुए.

कपल ने बताया कि उनकी यात्रा में सबसे ज्यादा पैसा रहने पर खर्च हुआ. 21 दिनों के दौरान वे अलग-अलग होटल, एयरबीएनबी और होम एक्सचेंज वाली जगहों पर रुके. इस दौरान उन्होंने कुल 6 जगहों पर ठहराव किया. दो लोगों के लिए रहने का औसत खर्च करीब 17,000 रुपये प्रतिदिन रहा.

इसके बाद सबसे ज्यादा खर्च आने-जाने पर हुआ. स्विट्जरलैंड में घूमने के लिए कपल ने 15 दिनों का फ्लेक्सी स्विस ट्रैवल पास खरीदा, जिसकी कीमत करीब 1,10,700 रुपये थी. इसके अलावा उन्होंने बर्निना एक्सप्रेस में फर्स्ट क्लास का अनुभव लेने के लिए करीब 18,000 रुपये अतिरिक्त खर्च किए. घूमने और अलग-अलग एक्टिविटी पर भी उनका काफी पैसा खर्च हुआ. अल्पाइन कोस्टर राइड, ग्रिंडेलवाल्ड फर्स्ट की गतिविधियां और एपेनजेल में बाइक राइड जैसी चीजों पर उन्होंने करीब 97,300 रुपये खर्च किए।

ब्रिक्स मार्केट से ईरानी राष्ट्रपति की बेटी ने खरीदी ये शॉल, डिजाइन में छिपी ईरान की विरासत, जानें खासियत

ब्रिक्स मार्केट में ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन की बेटी जहरा पेजेशकियन ने ईरान की संस्कृति को खूबसूरती से समेटे हुए शॉल को खरीदा है. इसकी खासियत इस पर की हुई कढ़ाई है, जो सदियों से ईरान में की जाती रही है, और यहां कि सुंदरता का बेहतरीन नमूना पेश करती है. यहां जानिए ये शॉल क्यों है इतना खास.

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन की बेटी जहरा पेजेशकियन पति हसन मजीदी के साथ ब्रिक्स मार्केट दौरे पर निकली थी, जहां से उन्हें एक शॉल इतना पसंद आया कि उन्होंने इसे खरीद ही लिया. ये शॉल उन्होंने ईरानी स्टॉल से खरीदा जहां देश के पारंपरिक कढ़ाई और हस्तशिल्प से तैयार चीजों को रखा गया था. पहली नजर में यह कपड़ा सिर्फ एक सजावटी शॉल लग सकता है, लेकिन इसके डिजाइन और बुनाई को ध्यान से देखने पर यह ईरान की हस्तशिल्प परंपरा की झलक देता है.

शॉल पर लाल, काले और क्रीम रंगों का बेहद बारीक काम दिखाई देता है, जिसमें फूल-पत्तियों और बेलों जैसे पारंपरिक मोटिफ बने हुए हैं. ऐसे डिजाइन अक्सर फारसी कला और ईरानी शिल्प संस्कृति में देखने के लिए मिलते हैं. ईरान सदियों से कालीन, वस्त्र, कढ़ाई और हाथ से बने सजावटी कपड़ों के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध रहा है.

डिजाइन में छिपी ईरान की विरासत

रश्ती-दूजी का काम

शॉल का डिजाइन रश्ती-दूजी कढ़ाई से तैयार किया गया है. ये ईरान के उत्तरी हिस्से में स्थित गिलान प्रांत और खासकर रश्त शहर की पारंपरिक कढ़ाई कला है. इसे ईरान की बेहद खूबसूरत और बारीक टेक्सटाइल हस्तकलाओं में गिना जाता है. मोटे ऊनी कपड़े पर रंग-बिरंगे रेशमी धागों से हुक की मदद से चेन स्टिच में बनाए गए फूल-पत्तियों, पक्षियों और ज्यामितीय डिजाइनों का काम इसकी सबसे खास पहचान है.

कैसे बनाया जाता है?

इस कढ़ाई में आमतौर पर माहूत नाम के मोटे ऊनी कपड़े को आधार बनाया जाता है. इसके ऊपर रंगीन रेशमी धागों से डिजाइन तैयार किया जाता है. कलाकार एक खास धातु के हुक को कपड़े के आर-पार ले जाकर धागे की छोटी-छोटी लूप बनाती है. लगातार लूप बनाते हुए चेन स्टिच तैयार होती जाती है. पहले डिजाइन को कपड़े पर ट्रांसफर किया जाता है और फिर उसके ऊपर कढ़ाई की जाती है. कई डिजाइनों में बीच में एक बड़ा केंद्रीय पैटर्न होता है और उसके चारों तरफ बॉर्डर और कोने सजाए जाते हैं.

फारसी कला की झलक देता है डिजाइन

शॉल पर बारिक फूलों और बेलों के पैटर्न बने हैं. यह शैली फारसी कला की पहचान मानी जाती है. ऐसे डिजाइनों में प्रकृति, बगीचों और पारंपरिक ईरानी सुंदरता की झलक देखने को मिलती है. शॉल का पैटर्न काफी हद तक ईरानी कालीनों की याद दिलाता है. ईरान के मशहूर हस्तनिर्मित कालीनों में भी इसी तरह की बारीक बेल-बूटेदार डिजाइन और सममित आकृतियां देखने को मिलती हैं।

कैसे पहचानें सामान्य बुखार और स्क्रब टाइफस? एक गलती से खराब हो जाएगा फेफड़ा

बारिश के मौसम में ज्यादातर लोग बुखार से परेशान रहते हैं. अक्सर लोग स्क्रब टाइफस को सामान्य बुखार समझ लेते हैं. ये गलती आगे चलकर घातक हो सकती है. थोड़ी सी लापरवाही से मरीजों की जान तक जा सकती है. आइये जानते हैं कि स्क्रब टाइफस और सामान्य बुखार में क्या अंतर है. लोकल 18 ने इस बारे में मऊ के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. सुमंत गुप्ता से बात की. डॉ. सुमंत बताते हैं कि स्क्रब टाइफस बुखार लाल घुन के काटने से होता है. जहां ये काटते हैं, वहां काले रंग के निशान पड़ जाते हैं. सामान्य बुखार में लोगों को सर्दी और जुकाम के साथ खांसी होती है.

बरसात का मौसम चल रहा है. कई बीमारियां तेजी से फैल रही हैं. अधिकतर लोग बुखार से परेशान हैं. अक्सर लोग स्क्रब टाइफस को सामान्य बुखार समझ लेते हैं. आइए जानते हैं कि सामान्य बुखार और स्क्रब टाइफस बुखार में क्या अंतर है और कौन सा बुखार कितना घातक है. लोकल 18 से मऊ स्थित केशरीराज हॉस्पिटल के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. सुमंत कुमार गुप्ता बताते हैं कि सामान्य बुखार नॉर्मल होता है, लेकिन स्क्रब टाइफस बुखार काफी घातक होता है. इस बुखार में कई प्रकार की परेशानियां उठानी पड़ती हैं. अगर आप लापरवाही करते हैं तो फेफड़ों में इंफेक्शन हो सकता है. फेफड़े में इंफेक्शन होने से जान तक जा सकती है.

डॉ. सुमंत गुप्ता बताते हैं कि स्क्रब टाइफस बुखार लाल घुन के काटने से होता है. जहां ये काटते हैं, वहां काले रंग के निशान हो जाते हैं. जब यह काटता है तो नॉर्मली पता नहीं चलता. धीरे-धीरे 10 से 15 दिनों बाद तेज बुखार होने लगता है और पूरा शरीर दर्द करने लगता है. जबकि सामान्य बुखार में लोगों को सर्दी और जुकाम के साथ खांसी होती है. स्क्रब टाइफस बुखार का लक्षण दिखते ही किसी योग्य चिकित्सक को दिखाकर इलाज प्रारंभ कर दें. यह समस्या ग्रामीण इलाकों में ज्यादा होती है. घास और झाड़ियां के बीच ये कीड़े अधिक होते हैं.

डॉ. सुमंत के मुताबिक, अगर स्क्रब टायफस बुखार की पहचान हो गई है तो इससे निजात के लिए 14 दिन का कोर्स होता है. इसका इलाज आसान है, लेकिन लापरवाही करने या सही समय पर इलाज नहीं कराने पर फेफड़े में इंफेक्शन हो सकता है. निमोनिया के साथ दिमागी बुखार हो सकता है, जो इतनी घातक बीमारियां हैं कि जान तक जा सकती है. इसलिए स्क्रब टाइफस बुखार होने पर तुरंत इलाज शुरू करना जरूरी है।

स्ट्रॉबेरी में नहीं आ रहे फूल-फल? ऐसे करें देखभाल, फलों से लद जाएगा पौधा

स्ट्रॉबेरी का नाम सुनते ही मुंह में पानी आ जाता है. यह दुनिया का इकलौता ऐसा फ्रूट है जिसके बीज फल से बाहर होते हैं. इसमें विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट, पोटेशियम से भरपूर रसीली स्ट्रॉबेरी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होती है. इसमें कैलोरी कम होती है और फाइबर ज्यादा होते हैं. यह वजन कंट्रोल करने में मदद करती हैं. महाराष्ट्र के महाबलेश्वर शहर में स्ट्रॉबेरी सबसे ज्यादा होती है. इसे भारत की 'स्ट्रॉबेरी राजधानी' भी कहा जाता है. बाजार में मिलने वाली स्ट्रॉबेरी केमिकल से भरपूर होती है. ज्यादा उत्पादन, फल की साइज बढ़ाने के लिए ग्रोथ प्रमोटर-कीटनाशक डाले जाते हैं. आप चाहें तो इसे गमले में उगा सकते हैं. स्ट्रॉबेरी का पौधा कब लगाना चाहिए, खाद कौन सी डालनी चाहिए, इसकी देखभाल कैसे करना चाहिए, आइये जानते हैं इन सवालों के जवाब........

: भारत में स्ट्रॉबेरी आसानी से उग जाती है. छोटे-छोटे गमलों में या हैंगिंग बास्केट में भी लगा सकते हैं. सर्दियों के समय बाजार में मिलने वाली स्ट्रॉबेरी केमिकल मिश्रित होती है. मिलावती होती है. लालिमा के लिए हानिकारक रंगों का इस्तेमाल होता है. कई हानिकारक कीटनाशकों का इस्तेमाल करके तैयार की जाती है. ऐसे में इसे घर पर उगाना सबसे बढ़िया रहता है. अब सवाल यह आता है कि इसका पौधा कैसे तैयार किया जाए, क्या बीज से उगा सकते हैं, इसका पौधा कब लगाना चाहिए, सर्दियों में इसकी देखभाल कैसे करना चाहिए, ज्यादा से ज्यादा पैदावार लेने के लिए क्या करना चाहिए, आइये सिलसिलेवार ढंग से सभी सवालों के जवाब जानते हैं.......

सितंबर का महीना चल रहा है. यह महीना स्ट्रॉबेरी के पौधे लगाने के लिए सबसे अच्छा होता है. स्ट्राबेरी के पौधे सितंबर से लेकर अप्रैल तक लगाए जा सकते हैं. स्ट्रॉबेरी को बीज से भी लगा सकते हैं. अक्टूबर से लेकर जनवरी तक इसे बीज से ना लगाएं. नर्सरी से छोटा पौधा लाकर लगाएं. इसके लिए 6-8 इंच का गमला चाहिए होता है. गमले में ड्रेनेज होल होना चाहिए. इसे एसिडिक मिट्टी पसंद होती है. नर्सरी में यह पौधा 20 से लेकर 40 रुपये में मिल जाता है. इसकी मिट्टी ऐसी होनी चाहिए कि पानी ना ठहरे. यानी वेल-ड्रेन मिट्टी चाहिए होती है. इस पौधे को सुबह-शाम को पानी देना चाहिए. देश में स्ट्रॉबेरी की टॉप 5 वैरायटी कैमरोजा, चांडलर, स्वीट चार्ली, विंटर डॉन और सेल्वा हैं. 120-150 दिनों में इसकी हार्वेस्टिंग की जाती है.

सबसे पहले वेल-ड्रेन मिट्टी तैयार कर लें. इसके लिए 50 परसेंट बगीचे की मिट्टी, 30 परसेंट वर्मि कंपोस्ट और 20 परसेंट कोकोपीट/रेत मिला लें. इसके अलावा एक मुट्ठी नीम खली मिक्स कर लें. बाजार से अच्छी क्वालिटी के बीज लाइये. गमले में मिट्टी भरने के बाद बीज डाल दीजिए. फिर वॉटरिंग कैन से पानी डालिए. पानी देने के बाद ऊपर से मिट्टी की एक लेयर और डालिए।

बैंकॉक में अभिनेता टाइगर श्रॉफ की किक-बॉक्सिंग, फैंस को फिल्म 'बागी' की याद आई

मुंबई। हिंदी सिनेमा के अभिनेता टाइगर श्रॉफ जितनी फिटनेस को लेकर सचेत रहते हैं, उतना ही वे सोशल मीडिया पर अपने फैंस के साथ कनेक्ट रहते हैं। उनके लेटेस्ट अपडेट के लिए फैंस इंतजार में रहते हैं। शनिवार को अभिनेता ने बागी फिल्म से जुड़ी शूटिंग की एक क्लिप शेयर की। इस क्लिप में टाइगर किक-बॉक्सिंग करते नजर आए।

टाइगर ने एक पुरानी रिहर्सल क्लिप अपलोड की, जिसमें वह बैंकॉक की सड़कों पर किक बॉक्सिंग कौशल को निखारते नजर आ रहे थे। पुराने वीडियो में टाइगर 'बागी' के एक एक्शन सीक्वेंस की रिहर्सल करते दिख रहे थे।

'बागी' फ्रेंचाइजी टाइगर के करियर की सबसे लोकप्रिय फिल्म सीरीज में से एक है, जिसने उन्हें एक्शन नायकों में से एक के रूप में स्थापित किया है।

बैंकॉक में किक-बॉक्सिंग करते टाइगर श्रॉफ

> "टाइगर भाई, आप खुद को 'बच्चा' कहते हैं, लेकिन आप बैंकॉक के सभी स्टंटमैन को बुरे सपने दे रहे हैं। क्या शानदार बीस्ट मोड है भाई।
>
> – फैंस की प्रतिक्रिया

> "विश्व के सबसे युवा एक्शन हीरो।"
>
> – एक अन्य यूजर

16 साल का हुआ अजय-काजोल का बेटा युग, अभिनेता ने कहा- अब भी मेरा पसंदीदा छोटा ट्रबलमेकर

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेता अजय देवगन ने अपने बेटे युग के 16वें जन्मदिन पर प्यार भरा नोट लिखा। युग अपना 16वां बर्थडे मना रहे है। अजय देवगन ने इंस्टाग्राम पर युग के साथ एक तस्वीर पोस्ट की। तस्वीर में दोनों काफी खुश नजर आ रहे हैं। इसके साथ अजय ने लिखा, ''अब भी मेरा पसंदीदा छोटा ट्रबलमेकर... बस अब उतना छोटा नहीं रहा। हैप्पी बर्थडे, मेरे बेटे। लव यू।''

वहीं अभिनेत्री काजोल ने भी युग के जन्मदिन पर एक इमोशनल पोस्ट शेयर किया। उन्होंने लिखा, ''हैप्पी स्वीट सिक्सटीन।

यकीन नहीं हो रहा कि हम यहां तक पहुंच गए। यह लगभग यकीन न होने जैसा पल है, क्योंकि जब भी मैं तुम्हें देखती हूं, तो आज भी मुझे एक छोटा-सा लड़का नजर आता है। मुझे पता है कि अब तुम पहले से ज्यादा लंबे और मजबूत हो गए हो, लेकिन मेरे लिए हमेशा तुम छोटे बच्चे की तरह ही रहेगो। तुम्हारा छोटा और बड़ा रूप, दोनों मेरे लिए हमेशा एक साथ रहेंगे।''

काजोल ने अपने बेटे को शुभकामनाएं देते हुए लिखा, ''आज मेरे मन में कुछ डर भी हैं, लेकिन उम्मीदें उससे कहीं ज्यादा हैं।

मैं चाहती हूं कि आप बड़े होकर एक अच्छे इंसान बनो। ऐसा इंसान जो जिंदगी की हर मुश्किल का सामना हिम्मत, गरिमा और सबसे जरूरी दयालुता के साथ करे। आप खुद के साथ और पूरी दुनिया के साथ हमेशा प्यार रखे।''

काजोल ने लिखा, ''ऊंची उड़ान भरो और जिंदगी को खुलकर जियो, मेरे प्यारे। मैं तुमसे जितना प्यार करती हूं, शायद तुम कभी जान भी नहीं पाओगे।''

युग की मौसी और काजोल की बहन तनीषा मुखर्जी ने भी जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने लिखा, ''हैप्पी बर्थडे मेरे युग, तुम मेरे लिए बेहद खास हो। तुम लगातार बड़े हो रहे हो, खुद को निखार रहे हो और चमक रहे हो। मेरी यही दुआ है कि तुम्हारी जिंदगी हमेशा खुशियों और आशीर्वाद से भरी रहे और तुम अपने सारे सपने पूरे करो। लव यू और मैं हमेशा तुम्हारे लिए यहां रहूंगी।

नायला ग्रेवाल ने महिलाओं के मुद्दों पर उठाई आवाज, बोलीं-अगर हम एक-दूसरे का साथ नहीं देंगे, तो कौन देगा?

विश्व केसरी

मुंबई। 'थप्पड़' जैसी फिल्म में काम कर चुकीं अभिनेत्री नायला ग्रेवाल ऐसी कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हैं, जो समाज से जुड़े जरूरी सवाल उठाएं। उनका मानना है कि महिलाओं से जुड़े मुद्दों को सिनेमा में लगातार जगह मिलनी चाहिए। आईएएनएस संग बातचीत में नायला ने कहा कि फिल्मों में जब महिलाओं की जिंदगी, उनकी परेशानियों और उनके अधिकारों से जुड़ी बातें सामने आती हैं, तो उन पर समाज में बातचीत भी शुरू होती है। मीडिया से बात करते हुए नायला ने कहा, ''महिलाओं से जुड़े मुद्दे मेरे लिए काफी मायने रखते हैं। मैं इस विषय को लेकर खुद काफी जागरूक हूं और ऐसी फिल्म में काम करना चाहती हूं, जो महिलाओं से जुड़े मुद्दों को विस्तार से दिखाए। पिछले कुछ सालों में इस तरह की फिल्मों की संख्या में थोड़ी कमी आई है और अब पहले की तरह महिलाओं से जुड़े जरूरी विषयों पर पर्याप्त फिल्में देखने को नहीं मिल रही हैं। नायला ने इस दौरान 'थप्पड़' फिल्म की को-स्टार तापसी पन्नू की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, ''मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे 'थप्पड़' जैसी फिल्म में काम करने का मौका मिला। अनुभव सिन्हा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में तापसी ने घरेलू हिंसा और एक थप्पड़ के जरिए रिश्ते में सम्मान और बराबरी जैसे मुद्दों को सामने रखा था। तापसी ने अपने करियर में कई ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनकर महिलाओं से जुड़े मुद्दों को सामने लाने की कोशिश की है।

भाग्यश्री ने गणेश चतुर्थी पर की खास अपील, बोलीं- 'ऐसी परंपरा चुनें जो विसर्जन के बाद प्रकृति को भी कुछ लौटाए'

विश्व केसरी

मुंबई। गणेश चतुर्थी के मौके पर 'मैंने प्यार किया' फेम अभिनेत्री भाग्यश्री ने लोगों से इस बार पर्यावरण के अनुकूल गणपति की मूर्ति घर लाने की अपील की है। उन्होंने रविवार को इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा कर बताया कि आज भी करीब 90 प्रतिशत लोग पीओपी (प्लास्टर ऑफ पेरिस) से बनी गणपति की मूर्तियां घर लाते हैं, जो विसर्जन के बाद पर्यावरण को नुकसान पहुंचाती हैं।

भाग्यश्री ने लोगों को इसका एक बेहतर विकल्प भी बताया है। उन्होंने इस साल गोमय गणेश को घर लाने की सलाह दी है, जिसे पूजा के बाद विसर्जन करने पर प्रकृति को भी फायदा होता है।

गोमय गणेश गाय के गोबर से बनाई गई गणपति की मूर्ति होती है। इसे कई बार मिट्टी या मुल्तानी मिट्टी जैसी प्राकृतिक चीजों के साथ मिलाकर तैयार किया जाता है। यह पीओपी से बनी पारंपरिक मूर्तियों का पर्यावरण के अनुकूल विकल्प हो सकता है। अभिनेत्री ने बताया कि गोमय गणेश विसर्जन के बाद उसे घर के बगीचे की मिट्टी में रखा जा सकता है। समय के साथ यह खाद में बदलकर पौधों के लिए उपयोगी होता है।

अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के साथ भाग्यश्री ने लिखा, ''इस गणेश चतुर्थी गोमय गणेश के साथ ऐसी परंपरा को चुनना चाहिए, जो विसर्जन के बाद भी प्रकृति को कुछ लौटाए। कहते हैं, गाय में देवी-देवताओं का वास होता है और गाय से मिलने वाली हर चीज उपयोगी होती है। पुराने जमाने में गांवों के घरों में कीड़े-मकौड़ों से बचाव और साफ-सफाई के लिए गोबर का इस्तेमाल किया जाता था। आज भी गोबर का इस्तेमाल खाद के रूप में किया जाता है।''

भाग्यश्री ने आगे कहा, ''इसी वैज्ञानिक सोच को ध्यान में रखते हुए गोमय गणेश तैयार किए गए हैं। ये न सिर्फ पर्यावरण के अनुकूल है, बल्कि पर्यावरण के लिए पोषण देने वाला विकल्प भी है। पूजा के बाद गोमय गणेश का विसर्जन बगीचे में ही किया जा सकता है, जिससे मिट्टी और पौधों को प्राकृतिक पोषण मिलेगा। इससे गणेश चतुर्थी की परंपरा भी निभेगी और प्रकृति को नुकसान पहुंचाने के बजाय उसे कुछ वापस देने का मौका भी मिलेगा।

वीकेंड पर 'हनुमान अंश' ने फिर मचाया धमाल, फिल्म के आगे बॉक्स ऑफिस पर फीकी पड़ी अक्षय-सैफ की 'हैवान'

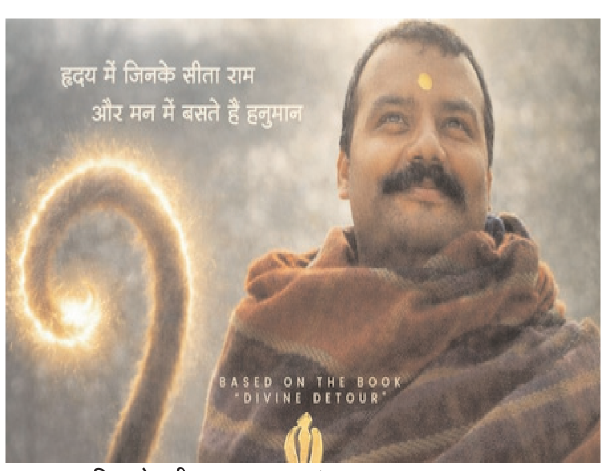

विश्व केसरी

मुंबई। अक्षय कुमार और सैफ अली खान की 'हैवान' के आगे भी 'हनुमान अंश' फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। जिस फिल्म ने सिनेमाघरों में महज 10 लाख रुपए से शुरुआत की थी, वह रिलीज के 37वें दिन भी दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींच रही है। फिल्म की कमाई में वीकेंड पर जबरदस्त उछाल देखने को मिलता है।

37वें दिन यानी शनिवार को फिल्म ने शुक्रवार के मुकाबले करीब 85.7 फीसदी ज्यादा कमाई की। सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक, 'हनुमान अंश' ने 37वें दिन भारत में 19.50 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन किया। इस दौरान फिल्म को 7,449 शो मिले।

शनिवार की इस शानदार कमाई के बाद भारत में फिल्म का कुल नेट कलेक्शन 193.13 करोड़ रुपए हो गया है, जबकि इंडिया ग्रॉस कलेक्शन 228.15 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। फिल्म का ओवरसीज मार्केट भी लगातार मजबूत बना हुआ है। 37वें दिन विदेशों में फिल्म ने 5 करोड़ रुपए का ग्रॉस कलेक्शन किया। इसके साथ ओवरसीज कलेक्शन 9.50 करोड़ रुपए हो गया है।

भारत और विदेशों की कमाई को मिलाकर 'हनुमान अंश' का वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन अब 237.65 करोड़ रुपए पहुंच गया है।

अगर फिल्म के वीकेंड ट्रेंड की बात करें तो इसकी सबसे खास बात यही है कि दर्शकों का रिस्पॉन्स समय के साथ बढ़ता गया। शुरुआती दो हफ्तों में फिल्म को सीमित शोज मिले और कमाई भी काफी धीमी रही। पहले हफ्ते में फिल्म ने 1.08 करोड़ रुपए कमाए, जबकि दूसरे हफ्ते का कलेक्शन सिर्फ 40 लाख रुपए रहा। उस समय ऐसा लग रहा था कि फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों से बाहर हो जाएगी। लेकिन तीसरे हफ्ते से कहानी पूरी तरह बदल गई। दर्शकों की तारीफ और सोशल मीडिया पर चर्चा ने फिल्म की डिमांड बढ़ा दी। तीसरे हफ्ते में कलेक्शन 10.40 करोड़ रुपए पहुंच गया। इसके बाद चौथे हफ्ते में फिल्म ने 61 करोड़ और पांचवें हफ्ते में 90.25 करोड़ रुपए की कमाई कर डाली।

अब छठे हफ्ते के शनिवार को 19.50 करोड़ रुपए की कमाई बताती है कि फिल्म का क्रेज अभी भी बरकरार है।

परदेस गर्ल : पिता चाहते थे बेटी आईएएस बने, पहली फिल्म से बनीं सुपरस्टार, फिर हुई गुम

विश्व केसरी

नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा में 1990 के दौर में एक अभिनेत्री अचानक से स्टार बनकर उभर रही थीं, जिनकी पहली ही फिल्म ने बॉलीवुड में तहलका मचा दिया था। उनकी खूबसूरती और अदाकारी देखकर लोग उन्हें सुपरस्टार मानने लगे थे, लेकिन फिर वो गुमनाम हो गईं। हम बात कर रहे हैं सुभाष घई की फिल्म 'परदेस' की अभिनेत्री महिमा चौधरी की। 13 सितंबर 1973 को पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में जन्मी महिमा चौधरी के बचपन का नाम ऋतु चौधरी था। पढ़ने-लिखने के समय ही वो मॉडल बनने का सपना देखने लगी थीं। परिवार नहीं चाहता था कि महिमा मुंबई की चकाचौंध भरी दुनिया की ओर रुख करें। पिता चाहते थे कि महिमा अच्छे से पढ़ें और आईएएस अफसर बनें। महिमा चौधरी ने एक इंटरव्यू में इसका जिक्र किया था।

उनकी खूबसूरती चर्चाओं में रहती थी और ऐसे में उन्होंने मॉडल और हीरोइन बनने का फैसला कर लिया। शुरू-शुरू में वह कुछ टेलीविजन विज्ञापनों में नजर आईं। ऋतु चौधरी भारत में तब मशहूर हुईं, जब वे आमिर खान और ऐश्वर्या राय के साथ एक कोल्ड ड्रिंक कंपनी के विज्ञापन में नजर आईं। वो बाद में म्यूजिक चैनल के लिए वीजे बनीं। उन्हें ढेरों मॉडलिंग असाइनमेंट भी मिलने लगे थे।

उसी दौर में सुभाष घई की नजर उन पर पड़ी। ऋतु चौधरी को महिमा चौधरी के तौर पर यह स्टेज नेम तब मिला, जब उन्होंने सुभाष घई के कहने पर बॉलीवुड में कदम रखा। यही नाम उनके फिल्मी करियर में भी चल पड़ा।

'चुंबक' की अभिनेत्री संदीपा धर बोलीं, 'हीरोइन' नहीं, दमदार अभिनेत्री के रूप में बनाना चाहती हूं पहचान

मुंबई। अभिनेत्री संदीपा धर हाल ही में नेटफ्लिक्स की ओरिजिनल सीरीज 'चुंबक' में नजर आई। उन्होंने अपने करियर में कॉमेडी, थ्रिलर, ड्रामा और इमोशनल कहानियों में अलग-अलग तरह के भूमिका निभाने की कोशिश की। संदीपा का मानना है कि एक कलाकार की पहचान तभी मजबूत होती है, जब वह खुद को बार-बार अलग भूमिकाओं में आजमाने से न डरे।

मीडिया संग बातात्ति में उन्होंने कहा कि उनके लिए सिर्फ 'हीरोइन' कहलाना कभी मकसद नहीं रहा। वह चाहती हैं कि लोग उन्हें एक ऐसी अभिनेत्री के तौर पर पहचानें, जो अलग-अलग तरह के किरदार निभाने की काबिलियत रखती है।

संदीपा ने कहा, "मेरा फोकस हमेशा एक एक्टर के तौर पर अपनी पहचान बनाने पर रहा है। मेरे लिए यह ज्यादा जरूरी है कि लोग मेरी एक्टिंग को नोटिस करें और मुझे अलग-अलग किरदार निभाने वाली अभिनेत्री के तौर पर याद रखें। 'हीरोइन' का टैग कोई मंजिल नहीं है, बल्कि एक कलाकार के लिए असली चुनौती अपने काम के जरिए पहचान बनाना है।"

> "'हीरोइन' का टैग कोई मंजिल नहीं है, बल्कि एक कलाकार के लिए असली चुनौती अपने काम के जरिए पहचान बनाना है।
>
> – संदीपा धर

संदीपा ने कहा, "मैंने फिल्मों के साथ-साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी काम किया है। ओटीटी ने कलाकारों को ऐसा स्टेज दिया है, जहां वह अलग तरह की कहानियों और किरदारों के साथ एक्सपेरिमेंट कर सकते है। पहले जहां कलाकारों की एक खास इमेज बन जाने के बाद उन्हें उसी तरह के रोल ज्यादा मिलने लगते थे, वहीं ओटीटी पर अलग-अलग तरह के किरदारों के जरिए अपनी रेंज दिखाने के ज्यादा मौके मिल रहे हैं।"

अभिनेत्री ने आगे कहा, "खुशकिस्मती से मैं ओटीटी स्पेस का हिस्सा बनी और मुझे अपनी अलग-अलग खूबियां दिखाने का मौका मिला। दर्शकों ने भी मुझे बहुत प्यार दिया है। इसलिए मुझे उन्मीद है कि मैं आगे भी अलग-अलग किरदार निभाती रहूंगी औ औरि अपनी रेंज दिखाती रहूंगी।"

संदीपा धर की सीरीज 'चुंबक' का प्रीमियर 10 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर हुआ। जेडी मजेदिया और आतिश कपाडिया की बनाई इस कॉमेडी-ड्रामा सीरीज में उनके साथ नीना गुप्ता, देवेन भोजानी, अर्जुन बिजलानी, हेली शाह, मानसी पारेख, सुमीत व्यास, सुमीत राघवन, अनंत वी. जोशी, अमायरा दस्तूर, डेलनाज ईरानी और अतुल कुमार जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं।

गांधीनगर में 15 सितंबर से डब्ल्यूसीईएफ-2026 सर्कुलर इकोनॉमी पर जुटेंगे 65 देशों के प्रतिनिधि

विश्व केसरी

गांधीनगर। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने गांधीनगर में 15 सितंबर से शुरू होने वाले तीन-दिवसीय 'वर्ल्ड सर्कुलर इकोनॉमी फोरम (डब्ल्यूसीईएफ) 2026' में मौजूदा मटीरियल के दोबारा इस्तेमाल, मरम्मत और रीसाइक्लिंग पर चर्चा शुरू कर दी है।

अधिकारी ने रविवार को बयान में कहा कि भारत द्वारा डब्ल्यूसीईएफ-2026 की मेजबानी करना दक्षिण एशिया के लिए पहली बार होगा।

'सर्कुलर इकोनॉमी: लोगों और समृद्धि के लिए बदलाव' थीम के तहत आयोजित होने वाले इस फोरम का उद्घाटन संयुक्त रूप से भूपेंद्र यादव और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल करेंगे। बयान में कहा गया है कि डब्ल्यूसीईएफ-2026 का उद्देश्य सर्कुलरिटी को बढ़ावा देने और अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने के लिए भारत की पहलों को प्रदर्शित करना है।

यह कार्यक्रम संयुक्त रूप से भारत के केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी), फिनिश इनोवेशन फंड सिट्रा (एसआईटीआरए), फिनलैंड सरकार, भारत के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, गुजरात सरकार और गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (जीपीसीबी) द्वारा आयोजित किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम में 65 से अधिक देशों के 2,000 से अधिक अलग-अलग क्षेत्रों के हितधारक (स्टेकहोल्डर्स) भाग लेंगे, जिनमें बिजनेस लीडर, उद्यमी, इनोवेटर, शोधकर्ता, नीति-निर्माता, शिक्षाविद, बदलाव लाने वाले और अन्य शामिल होंगे।

यह फोरम ग्लोबल साउथ के साथ वैश्विक सहयोग और बेहतर जुड़ाव को सक्षम करेगा। सर्कुलर फाइनेंस और निजी क्षेत्र के निवेश को जुटाने में मदद करेगा। नीतिगत बातचीत और अलग-अलग क्षेत्रों के बीच साझेदारी को प्रोत्साहित करेगा। साथ ही सर्कुलरिटी के लिए इनोवेशन, डिजिटलीकरण और टेक्नोलॉजी को आगे बढ़ाएगा। सर्कुलरिटी मौजूदा मटीरियल और उत्पादों के दोबारा इस्तेमाल, मरम्मत और रीसाइक्लिंग पर ध्यान केंद्रित करती है और उन्हें मूल्यवान संसाधनों के रूप में अर्थव्यवस्था में वापस लाती है। बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत पर्यावरण प्रशासन में एक बड़े बदलाव का नेतृत्व कर रहा है और एक आधुनिक सर्कुलर इकोनॉमी की ओर बढ़ रहा है।

उद्घाटन सत्र में शामिल होने वाले अन्य गणमान्य व्यक्तियों में वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्री (गुजरात) अर्जुनभाई मोधवाडिया और फिनलैंड के राजदूत मिक्को किविकोसकी के साथ-साथ केंद्र सरकार और गुजरात सरकार के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे।

इराक और तुर्की से अराघची ने की फोन वार्ता पश्चिम एशिया तनाव रोकने पर हुई चर्चा

विश्व केसरी

तेहरान। ईरान, इराक और तुर्की ने पश्चिम एशिया क्षेत्र में तनाव को और बढ़ने से रोकने की जरूरत पर जोर दिया है। यह मुद्दा शनिवार को ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची और उनके तुर्की और इराकी समकक्षों के बीच हुई अलग-अलग फोन वार्ताओं में प्रमुख रूप से उठाया गया। इसकी जानकारी ईरान के विदेश मंत्रालय की ओर से रविवार सुबह जारी बयानों में दी गई।

अराघची और तुर्की के विदेश मंत्री हकान फिदान के बीच हुई बातचीत में दोनों पक्षों ने क्षेत्र की ताजा स्थिति पर चर्चा की। दोनों ने इस बात पर सहमति जताई कि तनाव को और बढ़ने से रोकना और क्षेत्रीय संघर्षों को फैलने से रोकना बेहद जरूरी है।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए लगातार बातचीत और कूटनीतिक प्रयास जारी रहने चाहिए। एक अलग फोन वार्ता में अराघची और इराक के विदेश मंत्री फुआद हुसैन ने दोनों देशों से जुड़े मुद्दों, क्षेत्रीय घटनाक्रम और चल रही प्रक्रियाओं पर चर्चा की। उन्होंने साझा सीमा क्षेत्र में सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखने तथा आपसी समन्वय जारी रखने के महत्व पर जोर दिया।

दोनों नेताओं ने यह भी कहा कि क्षेत्रीय घटनाओं को जिम्मेदारी के साथ संभालना जरूरी है और संघर्षों को बढ़ने या दूसरे इलाकों तक फैलने से रोकने के लिए प्रयास किए जाने चाहिए।

इस बीच, ईरानी अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि ईरान और ओमान ने होर्मुज स्?ट्रेट के लिए नए प्रवेश और निकास मार्गों की रूपरेखा पर सहमति बना ली है। दोनों देश सोमवार को मस्कट में होने वाली क्षेत्रीय बैठक में खाड़ी देशों को इस बातचीत के नतीजों की जानकारी देंगे।

अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम ने ईरान की वार्ता टीम से जुड़े एक सूत्र के हवाले से बताया कि यह समझौता ईरान और ओमान के बीच लंबे समय तक चली तकनीकी और कूटनीतिक बातचीत के बाद हुआ। अगस्त के आखिर में दोनों पक्षों के बीच अंतिम सहमति बनी।

संक्षिप्त खबर

कांगो में इबोला का प्रकोप नियत्रंण में, खतरा अभी टला नहीं : डीआरसी

विश्व केसरी

किंशासा। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) सरकार के अनुसार, देश में फैला इबोला प्रकोप अब नियंत्रण में है और यह अपने चरम स्तर को पार कर चुका है। हालांकि, स्थानीय स्तर पर अचानक सामने आ रहे नए मामलों, संक्रमण के निरंतर प्रसार और इसके सातवें प्रांत तक पहुंचने के कारण अभी भी खतरा पूरी तरह टला नहीं है। सरकार के प्रवक्ता पैट्रिक मुयाया ने शुक्रवार को कैबिनेट बैठक की रिपोर्ट पढ़ते हुए स्वास्थ्य मंत्री रोजर कंबा का हवाला देते हुए कहा, 'इबोला का 17वां प्रकोप काबू में है और अगस्त 2026 के तीसरे सप्ताह की शुरुआत में यह अपने चरम पर पहुंच गया था।' सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सरकार का कहना है कि सभी मुख्य संकेत मामले घटने की ओर इशारा कर रहे हैं। प्रकोप के हालिया विस्तार से पहले प्रभावित 10 स्वास्थ्य क्षेत्रों में कम से कम 21 दिनों से कोई नया मामला सामने नहीं आया है, जबकि प्रकोप के केंद्र पूर्वी प्रांत इटुरी के कई इलाकों में संक्रमण की रफ्तार धीमी हुई है। इसके बावजूद, अधिकारियों ने लगातार सतर्कता बरतने और कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग (संक्रमितों के संपर्क में आए लोगों का पता लगाने) को सख्ती से करने को कहा है।

होर्मुज में ईरानी जहाज पर हमला एक की मौत और चार घायल

विश्व केसरी

तेहरान। होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहे ईरान के कमर्शियल जहाज पर रविवार सुबह एक प्रोजेक्टाइल से हमला किया गया। इस हमले में एक शख्स की मौत हो गई जबकि चार अन्य घायल हो गए। स्थानीय मीडिया ने इसकी जानकारी दी। तस्नीम न्यूज एजेंसी के अनुसार, दक्षिणी केशम द्वीप के गवर्नर हुसैन अमीरतेमूरी ने बताया कि 'दुश्मन' द्वारा दागा गया एक प्रोजेक्टाइल हेंगाम द्वीप और शिब डेराज गांव के पास पानी में एक कमर्शियल कंटेनर जहाज से टकराया, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। उन्होंने बताया कि यह घटना स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 5 बजे हेंगाम द्वीप और शिब डेराज इलाके में हुई। उन्होंने यह भी कहा कि घायलों के इलाज के लिए जरूरी कदम उठाए गए हैं। मृतक और घायलों की जानकारी को लेकर कुछ स्पष्ट नहीं किया गया है। वहीं, यूकेएमटीओ (यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस) ने शनिवार को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में हुए हमले की जानकारी दी। बताया कि शनिवार को होर्मुज से गुजरते समय एक जहाज पर किसी अज्ञात चीज से हमला हुआ। क्रू की हालत और नुकसान के बारे में तुरंत कोई जानकारी नहीं मिल पाई। इस बीच, ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड नेवी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने अमेरिकी नौसेना के जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट के पास न आने की चेतावनी दी है। उन्होंने ट्रंप के उस दावे को चुनौती दी है जिसमें कहा गया था कि इस जलमार्ग पर वाशिंगटन का कंट्रोल है।

यूक्रेन के आसमान में मंडरा रहे घातक 'शाहेद ड्रोन' जेलेंस्की ने कहा- अर्थव्यवस्था को निशाना बना रहा रूस

विश्व केसरी

कीव। यूक्रेन पर रूस के घातक हमले जारी हैं। शनिवार को भी रूस ने लगभग 500 ड्रोन से यूक्रेन पर हमला किया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि रूस को जब सैन्?य मोर्चे पर सफलता नहीं मिली तो उसने यूक्रेन की अर्थव्यवस्था को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि खाद्य सामान के गोदाम, पेट्रोल पंप, दवा निर्माण और भंडारण से जुड़ी सुविधाएं, आम यात्री ट्रेनों को निशाना बनाया जा रहा है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट पर रूस के घातक हमलों की जानकारी साझा की। जेलेंस्की ने पोस्ट में बताया कि रूस के ड्रोन हमले आज पूरे दिन जारी रहे हैं, और इस समय भी 'शाहेद' ड्रोन आसमान में मौजूद हैं। सुबह से अब तक लगभग 500 हमला करने वाले ड्रोन लॉन्च किए जा चुके हैं।

उन्होंने कहा कि असल में, रूस ने इस युद्ध को सिर्फ मोर्चे तक सीमित नहीं रखा है। जहां उसे सैन्य मोर्चे पर सफलता नहीं मिल रही, वहां उसने अब यूक्रेन की अर्थव्यवस्था को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। उसकी रणनीति बेहद सीधी है, उन सभी जगहों को नष्ट करना जो लोगों को युद्ध की कठिन परिस्थितियों में टिके रहने में मदद कर सकती हैं।

जेलेंस्की ने आरोप लगाया कि रूसी हमलों में खाद्य सामान के गोदाम, पेट्रोल पंप, दवा निर्माण और भंडारण से जुड़ी सुविधाएं, आम यात्री ट्रेनें, रिहायशी इमारतें और नागरिक व्यवसायों को निशाना बनाया जा रहा है।

पिछले कुछ दिनों में ही रूस ने एक इस्पात (स्टील) कारखाने पर हमला किया, जो एक भारतीय कारोबारी के स्वामित्व में है। इसके अलावा, सूरजमुखी तेल बनाने वाली एक अमेरिकी कंपनी और प्लंबिंग फिटिंग्स बनाने वाली एक पोलिश कंपनी को भी निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा कि रूसी हमलों का असर ट्रकों की पार्किंग, बंदरगाहों, शॉपिंग मॉल और ऊर्जा से जुड़े बुनियादी ढांचे पर भी पड़ा है। जेलेंस्की ने कहा कि रूस यूक्रेन की अर्थव्यवस्था को कमजोर करना चाहता है।

अमेरिका ने बाढ़ पीड़ितों की पहचान के लिए नेपाल को दी अतिरिक्त 10 लाख डॉलर की मंजूरी

विश्व केसरी

वॉशिंगटन। अमेरिका ने नेपाल में बाढ़ पीड़ितों की पहचान करने में मदद के लिए अतिरिक्त 1 मिलियन डॉलर की मंजूरी दी है। इसके साथ ही, आपदा से निपटने के लिए अमेरिकी विदेश विभाग की ओर से दी जाने वाली कुल मदद 5 मिलियन डॉलर से अधिक हो गई है। अमेरिकी फोरेंसिक विशेषज्ञ नेपाली पुलिस के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

विदेश विभाग ने 12 सितंबर को जारी एक बयान में कहा कि नई फंडिंग से नेपाल पुलिस को फोरेंसिक मदद मिलेगी। डिपार्टमेंट के 'ब्यूरो ऑफ इंटरनेशनल नारकोटिक्स एंड लॉ एनफोर्समेंट अफेयर्स' ने पीड़ितों की पहचान करने में नेपाली सरकार की मदद करने की कोशिशों के तहत इस पैसे को मंजूरी दी।

अमेरिकी अधिकारी नेपाल पुलिस के साथ मिलकर सबसे जरूरी जरूरतों का पता लगा रहे हैं, जिनमें डीएनए एनालिसिस किट भी शामिल हैं। यह फोरेंसिक मदद बाढ़ से प्रभावित समुदायों के लिए आपातकालीन भोजन, आश्रय, स्वास्थ्य सेवा और अन्य राहत कार्यों के लिए दी जा रही फंडिंग के अलावा है।

विदेश विभाग ने प्रभावित लोगों और उनके परिवारों के प्रति सहानुभूति जाहिर करते हुए और नेपाली लोगों के साथ अमेरिका की दोस्ती को दोहराते हुए कहा, 'प्रभावित इलाके में अमेरिकियों की सुरक्षा हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है।'

विदेश विभाग की मदद का सबसे बड़ा हिस्सा 3 मिलियन डॉलर है, जो वर्ल्ड फूड प्रोग्राम के साथ ग्लोबल सहायता समझौते के जरिए खाने और लॉजिस्टिक्स के लिए दिया जा रहा है।

मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम से मिले राहुल और प्रियंका गांधी, नाश्ते के दौरान हुई चर्चा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। नई दिल्ली में आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए भारत आए मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम से रविवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने नाश्ते पर मुलाकात की।

कांग्रेस पार्टी ने इस मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर साझा करते हुए लिखा, 'लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी जी ने नई दिल्ली में मलेशिया के प्रधानमंत्री दातो सेरी अनवर इब्राहिम से नाश्ते पर मुलाकात की।'

अपने दौरे के दौरान उन्होंने शनिवार को ब्रिक्स सम्मेलन के 'समावेशी वैश्विक शासन और बहुपक्षवाद को मजबूत करने' विषय पर आयोजित सत्र में भाग लिया। उन्होंने ब्रिक्स देशों के अन्य नेताओं के साथ नई दिल्ली में पौधरोपण कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया। शनिवार शाम को वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आयोजित गाला डिनर में भी शामिल हुए।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान अनवर इब्राहिम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद अली, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश?कि?यन और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ अलग-अलग द्विपक्षीय बैठकें भी कीं। प्रधानमंत्री मोदी और अनवर इब्राहिम की बैठक में दोनों नेताओं ने भारत-मलेशिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस दौरान अनवर इब्राहिम ने भारत के कोटा किनाबालू, सबाह में भारतीय वाणिज्य दूतावास स्थापित करने पर मलेशिया की सहमति भी जताई।

विदेश मंत्रालय (एमईए) के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ने प्रधानमंत्री इब्राहिम का भारत में गर्मजोशी से स्वागत किया और ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में साझेदार देश के रूप में मलेशिया की भागीदारी की सराहना की।

पाकिस्तान की न्यायपालिका पर महरंग बलोच का गंभीर आरोप, बोलीं- सिद्धांतों को दरकिनार कर सुनाए जा रहे फैसले

विश्व केसरी

क्वेटा। मानवाधिकार कार्यकर्ता और बलूच यकजहती कमेटी (बीवाईसी) की मुख्य आयोजक महरंग बलोच ने पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत की न्यायपालिका पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका राज्य संस्थानों की सहयोगी की भूमिका निभा रही है और न्याय के मूल सिद्धांतों को कमजोर किया जा रहा है।

क्वेटा की हुडा जेल से जारी बयान में, जिसे बीवाईसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, महरंग बलोच ने कहा कि न्यायपालिका ने अपना प्रभाव और जनता का भरोसा पूरी तरह खो दिया है। उनके मुताबिक न्यायपालिका की निष्पक्षता और स्वतंत्रता अब समाप्त हो चुकी है।

उन्होंने आरोप लगाया, ' बलूचिस्तान के मुख्य न्यायाधीश कामरान मुलाखाई व्यक्तिगत रूप से बीवाईसी से जुड़े सभी मामलों को देख रहे हैं। उनके नेतृत्व में न्यायमूर्ति मुहम्मद अली मुबीन, न्यायमूर्ति कादिर शाह बुखारी और बलूचिस्तान में बीवाईसी मामलों की सुनवाई कर रहे अन्य न्यायाधीशों को राज्य के निर्देशों के मुताबिक फैसले देने का काम सौंपा गया है। महरंग ने बीवाईसी नेता गुलजादी बलोच के मामले को कथित न्यायिक कदाचार का उदाहरण बताया। उन्होंने दावा किया कि संबंधित न्यायाधीश ने कई मौकों पर कहा कि वह दबाव में हैं और उन्हें मामले में सजा सुनाने के निर्देश दिए गए हैं। उनके मुताबिक इससे न्यायपालिका की स्वतंत्रता और निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

उन्होंने कहा कि 7 सितंबर को अदालत में हड़ताल होने और बचाव पक्ष के वकील के मौजूद नहीं रहने के बावजूद गुलजादी बलोच के मामले की कार्यवाही जारी रखी गई। इस दौरान एक गवाह से जिरह भी वकील की अनुपस्थिति में कराई गई। महरंग ने कहा कि यह बचाव के मौलिक अधिकार और निष्पक्ष सुनवाई के सिद्धांत को लेकर गंभीर चिंता पैदा करता है।

बलूच कार्यकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि उनके मामलों में उनकी सहमति के बिना सरकारी वकील नियुक्त किए गए और उन्हें इस्लामाबाद पहुंचने के लिए विभिन्न सुविधाएं दी गईं।

चीनी वीआर फिल्म वेनिस इमर्सिव के शीर्ष पुरस्कार से सम्मानित

विश्व केसरी

बीजिंग। 83वां वेनिस अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव शनिवार को इटली के वेनिस स्थित लिडो द्वीप पर संपन्न हुआ। इसी दिन चीनी वीआर लघु फिल्म 'पिजन रिंग' को 'वेनिस इमर्सिव ग्रैंड अवार्ड' से सम्मानित किया गया।

शनिवार शाम आयोजित समापन समारोह में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का गोल्डन लायन पुरस्कार डेनिश निर्देशक मे एल-तौखी की फिल्म 'वुमन अननोन' को दिया गया। वहीं, ग्रैंड ज्यूरी पुरस्कार दक्षिण कोरियाई निर्देशक ली चांग-डोंग की फिल्म 'पॉसिबल लव' को मिला। सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार इल्या खेरझानोव्स्की को उनकी फिल्म 'डीएयू' के लिए दिया गया।

सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार 'वुमन अननोन' में अभिनय करने वाली मैथिल्ड आर्सेल को मिला, जबकि सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार 'वाइल्ड हॉर्स नाइन' में अभिनय करने वाले जॉन माल्कोविच को दिया गया।

इस महोत्सव में चीनी फिल्मों और रचनाओं ने भी उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। चीनी वीआर लघु फिल्म 'पिजन रिंग' ने 12 सितंबर को 'वेनिस इमर्सिव सेक्शन' का शीर्ष पुरस्कार, यानी 'वेनिस इमर्सिव ग्रैंड अवार्ड' जीता। फिल्म में एक दादा और पोती की खोई हुई कबूतर की अंगूठी तलाशने की कहानी के जरिए चीनी आम परिवारों में यादों और पारिवारिक स्नेह को दर्शाया गया है। बता दें कि 83वां वेनिस अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव 2 सितंबर को शुरू हुआ था। इसमें मुख्य प्रतिस्पर्धा, ओरिज़ॉन्टी और वेनिस इमर्सिव समेत कई प्रमुख खंड शामिल थे।

इंडोनेशिया में 243 यात्रियों को लेकर निकला 'वर्गो ट्रांसपोर्ट-8' जहाज जावा सागर में लापता

विश्व केसरी

नई दिल्ली। इंडोनेशिया के जावा सागर में रविवार को 'वर्गो ट्रांसपोर्ट-8' नामक एक जहाज लापता हो गया। 243 लोगों को लेकर यह जहाज शनिवार सुबह सुराबाया से रवाना हुआ था, लेकिन यात्रा के दौरान अचानक इसका संपर्क टूट गया। इंडोनेशिया की खोज और बचाव एजेंसी (बसारनास) ने जहाज की तलाश में सर्च एंड रेस्क्यू (एसएआर) टीम भेजी है।

इंडोनेशिया की सरकारी और राष्ट्रीय समाचार एजेंसी अंतरा की रिपोर्ट के अनुसार, 'वर्गो ट्रांसपोर्ट-8' जहाज सुराबाया से बांजारमासिन जा रहा था। इस यात्रा के दौरान जावा सागर में जहाज का संपर्क अचानक टूट गया। जहाज अभी लापता है। जहाज में करीब 243 सवार हैं।

बांजारमासिन क्लास-ए सर्च एंड रेस्क्यू ऑफिस के प्रमुख और एसएआर मिशन कोऑर्डिनेटर आई पुतु सुदायाना ने रविवार सुबह बांजारमासिन, दक्षिण कालिमंतान में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि जहाज का संपर्क लगभग सुबह 02:00 डब्ल्यूआईटीए बजे टूट गया। इससे पहले यात्रा के दौरान जहाज को खराब मौसम का सामना करना पड़ा था।

अंतरा की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने बताया कि जहाज की आखिरी लोकेशन बांजारमासिन के बसिरिह एसएआर जेट्टी से लगभग 80 समुद्री मील दूर मिली थी।

बांजारमासिन क्लास-ए सर्च एंड रेस्क्यू कार्यालय को जहाज के संपर्क टूटने की सूचना सुबह 04:10 डब्ल्यूआईटीए बजे मिली। यह सूचना पीटी वर्गो के जनरल मैनेजर योएल रिही ने दी थी। जानकारी के अनुसार, जहाज शनिवार को सुराबाया से 10:13 जीएमटी पर रवाना हुआ था, जिसके बाद यात्रा के दौरान उसका संपर्क टूट गया।

तरा की रिपोर्ट के अनुसार, पुतु ने बताया कि 'वर्गो ट्रांसपोर्ट-8' जहाज के संपर्क टूटने की सूचना मिलने के बाद रेस्क्यू टीम को उसकी आखिरी लोकेशन वाली जगह पर भेज दिया है।

वर्षों तक पार्टी की सेवा करने वाले कार्यकर्ता को अंतिम दिनों में नहीं मिला साथ

■ समर्पित सिपाही राकेश सोलंकी ने तड़प तड़प कर तोड़ दिया दम
■ परिवार की सुध लेने नहीं पंहुचा कोई नेता
■ भाजपा कार्यकर्ता की कीमत चुनाव तक ही?

विश्व केसरी

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। जिस भाजपा को मानवीय संवेदनाओं से भरा राजनैतिक दल माना जाता है और जो भाजपा अंत्योदय का लक्ष्य लेकर काम करने का दम भरती है, उसी भाजपा के स्थानीय नेताओं की संवेदनहीनता का एक बड़ा ही विद्रुप चेहरा जगदलपुर में सामने आया है। यहां भाजपा के एक समर्पित कार्यकर्ता ने तड़प तड़प कर दम तोड़ दिया, मगर पार्टी के नेताओं की आत्मा जरा भी नहीं तड़पी। न तो बीमारी की हालत में उनका हालचाल जानने पार्टी कोई नेता पहुंचा, न किसी नेता ने उनकी यात्रा में शामिल होने की जरूरत महसूस की।

हम बात कर रहे हैं जगदलपुर के संतोषी वार्ड निवासी राकेश सोलंकी की। सोलंकी भाजपा के एक समर्पित जमीनी कार्यकर्ता थे। बिना किसी फ्रेम में आए और बिना कोई पद लिप्सा के वर्षों तक उन्होंने पार्टी के लिए अपनी जिम्मेदारी निभाई। पार्टी के हर कार्यक्रम, हर अभियान में राकेश सोलंकी ने बढ़ चढ़ कर सहभागिता निभाई लेकिन उनका जीवन दुर्घटनाओं की पीड़ा से जूझता रहा।2010 और 2018 की सड़क दुर्घटनाओं में उनके शरीर पर 10-12 जगह गंभीर चोटें आईं, जिसके कारण वे 80 प्रतिशत दिव्यांग हो गए थे। लंबे समय तक दर्द और परेशानियों से जूझने के बाद 14 अगस्त 2026 की शाम उन्होंने अपने ही घर में अंतिम सांस ली। लेकिन बड़ी हैरत की बात यह है कि उनके अंतिम दिनों में एक भी भाजपा नेता उनके घर तक हालचाल पूछने नहीं पहुंचा। न कोई देखने आया, न संवेदना व्यक्त करने और न ही उनके परिवार के दुख में साथ खड़ा होनेकी जरूरत किसी भाजपा नेता ने समझी। जिस कार्यकर्ता को चुनाव के समय पार्टी की रीढ़ बताया जाता है, वही कार्यकर्ता अपने अंतिम दिनों में अकेला रह गया। राकेश सोलंकी ने वर्षों तक भाजपा के लिए काम किया, लेकिन जब उन्हें और उनके परिवार को संगठन के साथ की जरूरत थी, तब कोई नेता उनके घर तक हालचाल पूछने नहीं पहुंचा। क्या भाजपा कार्यकर्ता की कीमत सिर्फ चुनाव तक है? एक समर्पित कार्यकर्ता के परिवार के दुख में भी संगठन साथ खड़ा नहीं हो सकता, तो फिर मंचों से होने वाले कार्यकर्ता सम्मान, सेवा और समर्पण के बड़े-बड़े दावे आखिर किसके लिए हैं? यह सवाल उस संवेदनहीन राजनीतिक व्यवस्था से है, जिसमें कार्यकर्ता की जरूरत चुनाव के समय याद आती है और उसके दुख-दर्द के समय उसे अकेला छोड़ दिया जाता है। राकेश सोलंकी के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने के बाद से ही उनके परिवार पर मुसीबतों और दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। आर्थिक संकट और एकाकीपन से जूझ रहे सोलंकी परिवार को आज सहारे की जरूरत है, मगर सबका साथ, सबका विकास का नारा देने वाली और अपने पितृ पुरुष पं. दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के सिद्धांत पर चलने का दम भरने वाली भाजपा के स्थानीय नेताओं की संवेदनशीलता क्या मृत्यु शैय्या पर चली गई है? भाजपा के स्थानीय नेता अपने एक बिछड़े साथी के परिवार के साथ खड़े होने से क्यों बच रहे हैं? ये सवाल जगदलपुर के नागरिक पूछ रहे हैं।

श्रद्धालुओं में गणेश मूर्ति खरीदी पर उत्साह

विश्व केसरी

कांकेर (सीताराम शर्मा)। आज से विघ्नहर्ता चतुर्दशी के अवसर पर बाजारों में गणेश भगवान की मूर्ति की खरीदी जोरों पर चल रहा है। कुछ सार्वजनिक गणेश उत्सव समिति के पंडालों में गणेश भगवान जी की दो दिन पहले से ही पडालो मैं गणेश भगवान की मूर्तियां पहुंच गई है वहीं भक्तों के घरों में भी गणेश भगवान की मूर्तियां पूजा के लिए मूर्ति की खरीदी पहले से ही किया जा रहा है।

हिंदू पंचांग के अनुसार गणेश भगवान की मूर्ति स्थापना का शुभ मुहूर्त आज सुबह 11.03 से दोपहर 1 बजकर 32 मिनट तक है।

अनेकों पंडालों में गणेश भगवान की मूर्ति को मूर्तिकार से खरीदी कर बिठा दिया गया है।इस अवसर पर डीजे की धुन पर श्रद्धालु नाचते गाते भी दिखे।देर रात तक डीजे के साथ सड़क बंद कर श्रद्धालु गणेश की मूर्ति को अपने अपने पंडालों में ले गए।

गणेश को बुद्धि, समृद्धि और नए कार्यों के प्रारंभ का देवता माना जाता है।इस शुभ अवसर पर गणेश की पूजा ही सबसे पहले की जाती है।

गणेश को विघ्न को नाश करने वाला देवता माना जाता है जिसके कारण उनको विघ्नहर्ता के नाम से जाना जाता है।

आकर्षक आतिशबाजी के साथ हुआ गणपति जी का स्वागत ..

ढोल-नगाड़ों के साथ गणेश पंडालों तक पहुंची प्रतिमाएं, आधी रात तक उमड़ा भक्तों का हुजूम

गणेशोत्सव को लेकर कांकेर शहर में उत्साह चरम पर है। शहर की विभिन्न गणेश समितियों द्वारा भगवान गणेश की प्रतिमाओं का भव्य स्वागत किया गया। प्रतिमाओं को ढोल-नगाड़ों और गाजे-बाजे के साथ गणेश पंडालों तक ले जाया गया। इस दौरान जगह-जगह आकर्षक आतिशबाजी की गई, जिससे पूरा शहर गणपति बप्पा के जयकारों से गूंज उठा।

भगवान गणेश के स्वागत के लिए देर रात तक बड़ी संख्या में श्रद्धालु सड़कों पर मौजूद रहे।

नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़, शिक्षक पर पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज

विश्व केसरी

बीजापुर (नवीन दुर्गम)। भोपालपटनम थाना क्षेत्र में 14 वर्षीय नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़ के आरोप में एकलव्य विद्यालय रुद्रारम में पदस्थ कंप्यूटर शिक्षक देवेंद्र दय्या के खिलाफ पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता एवं पॉक्सो अधिनियम, 2012 की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया है। मामले की विवेचना जारी है। पुलिस के अनुसार, 12 सितंबर 2026 को पीड़िता की माता ने थाना भोपालपटनम में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि विद्यालय में अध्ययनरत छात्रा के साथ 7 अक्टूबर 2025 को शिक्षक ने गलत नीयत से आपत्तिजनक स्पर्श कर छेड़छाड़ की। शिकायत में अलग-अलग अवसरों पर भी छेड़छाड़ का प्रयास किए जाने की बात कही गई है।

शिकायत प्राप्त होने के बाद पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक बीजापुर के निर्देशन में महिला एवं बाल संबंधी अपराधों में त्वरित एवं संवेदनशील कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस द्वारा मामले में नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

छुट्टी के दिन भी किताबों से जुड़ रहे विद्यार्थी

विश्व केसरी

दुर्गूकोंदल (दीपक शर्मा)। पीएमश्री शासकीय स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय, दुर्गूकोंदल में शिक्षा के प्रति शिक्षक-शिक्षिकाओं का समर्पण विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बन रहा है। बोर्ड परीक्षाओं में बेहतर परिणाम के उद्देश्य से विद्यालय में रविवार सहित अन्य अवकाश के दिनों में भी कक्षा 10वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क उपचारात्मक कक्षाएं संचालित की जा रही हैं। छुट्टी के दिन सामान्यतः जहां विद्यार्थी आराम करते हैं, वहीं विद्यालय के शिक्षक स्वेच्छा से विद्यालय पहुंचकर बच्चों की पढ़ाई को गति देने में जुटे हुए हैं।

विद्यालय के प्राचार्य अजय नेताम के नेतृत्व में सभी विषयों के शिक्षक विद्यार्थियों की शैक्षणिक कमजोरियों को पहचानकर उन्हें दूर करने का प्रयास कर रहे हैं। उपचारात्मक कक्षाओं में कठिन अध्यायों एवं विषयों को सरल और सहज तरीके से समझाया जा रहा है। साथ ही पिछले वर्षों के बोर्ड प्रश्नपत्रों का अभ्यास कराया जा रहा है तथा परीक्षा में पूछे जाने वाले महत्वपूर्ण प्रश्नों, उत्तर लिखने की बेहतर पद्धति और समय प्रबंधन पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों की व्यक्तिगत समस्याओं को समझते हुए उनकी शंकाओं का समाधान किया जा रहा है। कमजोर विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त अभ्यास कराया जा रहा है, वहीं अच्छे प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को भी अपनी तैयारी और बेहतर करने के लिए मार्गदर्शन दिया जा रहा है। इस पहल से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ रहा है और वे बोर्ड परीक्षा की तैयारी को लेकर अधिक गंभीर नजर आ रहे हैं।

विद्यालय प्रबंधन का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य केवल बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त कराना नहीं, बल्कि ग्रामीण अंचल के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराकर उन्हें भविष्य की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए भी तैयार करना है।

कलेक्टर स्कूल जांचने पहुंचे तो नशे में मिले बाबू

विश्व केसरी

दुर्गूकोंदल (दीपक शर्मा)। कलेक्टर कुंदन कुमार जब जिले के दूरस्थ दुर्गूकोंदल और बड़गांव क्षेत्र में स्कूल-छात्रावास और अस्पतालों का निरीक्षण करने पहुंचे तो वहां एक सरकारी बाबू शराब के नशे में हंगामा करता मिला। कलेक्टर ने इसे गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई की।

नशे में मिला कर्मचारी हायर सेकेंडरी स्कूल छोटेबेठिया में पदस्थ सहायक ग्रेड-तीन रवि प्रकाश चतुर्वेदी बताया गया है। वह प्राचार्य को सेवा पुस्तिका सत्यापन के लिए जगदलपुर जाने की बात कहकर निकला था, लेकिन दुर्गूकोंदल बालिका आवासीय विद्यालय में कलेक्टर निरीक्षण के दौरान व्यवधान करते पाया गया। दुर्गूकोंदल ष्ट॥ष्ट के मेडिकल अधिकारी की रिपोर्ट में शराब सेवन की पुष्टि हुई। इस कृत्य को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 03 के विपरीत मानते हुए चतुर्वेदी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। उसका मुख्यालय खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय नरहरपुर नियत किया गया है।

युवाशक्ति समाज सेवी संस्था ने वृद्ध को वृद्धाश्रम पहुंचाया

विश्व केसरी

चारामा (संदीप मेश्राम)। युवाशक्ति समाज सेवी संस्था के जन सहयोग से एक वृद्धजन को वृद्धाश्रम पहुंचाया गया बता दे कि ये बाबाजी मूलतः उत्तरप्रदेश के थे बचपन में ही मां बाप का साया इनके ऊपर से हट चुका था दूसरे लोगो के द्वारा इनका पालन पोषण हुआ व काम की तलाश में अन्य लोगों के संपर्क में आने से ये बाल्यावस्था में ही छत्तीसगढ़ के धमतरी गंगरेल पहुंच गए कुछ वर्ष वहां बिताने के बाद ये चारामा पहुंच गए व पिछले कई वर्षों से चारामा में अपनी सेवा दे रहे है बाबा जी पूजा पद्धति से जुड़े हुए है श्रीराम जानकी मंदिर में इनका डेरा था तब वहां से चारामा में विभिन्न वार्डों में रहे इनके आगे पीछे कोई नहीं है वार्ड क्रमांक 13 के युवराज सोनकर के यहां तीन महीने रुके तत्पश्चात युवराज सोनकर द्वारा इसकी जानकारी युवाशक्ति समाज सेवी संस्था को दी गई बाबाजी से मुलाकात कर इनको सुरक्षित स्थान में ले जाने का पहल करते हुए अंततः इनको कांकेर के वृद्धा आश्रम में जीवन पर्यंत के लिए आश्रय प्रदान किया गया जहां बाबा जी का तिलक लगाकर आरती उतारकर उनका स्वागत किया गया संस्था द्वारा ग्यारह सौ रूपये की राशि भी वृद्धा श्रम को भेंट की गई इस ईश्वरीय व पुनीत कार्य के हम सब साक्षी रहे

बुद्ध वंदना से गूंज रहा आम्बेडकर भवन, शांति-करुणा और समानता का संदेश दे रहा बौद्ध समाज

विश्व केसरी

चारामा (संदीप मेश्राम)। नगर के आम्बेडकर भवन में बौद्ध समाज के अनुयायियों द्वारा प्रत्येक रविवार सुबह नियमित रूप से बुद्ध वंदना एवं पूजा-अर्चना का आयोजन किया जाता है। इस दौरान समाज के महिला-पुरुष बड़ी संख्या में उपस्थित होकर भगवान बुद्ध के बताए शांति, करुणा, समानता और मानवता के मार्ग का अनुसरण करने का संकल्प लेते हैं।

बुद्ध वंदना के माध्यम से समाज के लोगों को पंचशील, सदाचार और सामाजिक एकता का संदेश दिया जाता है। विशेष रूप से महिलाओं की सहभागिता इस आयोजन की महत्वपूर्ण विशेषता है। प्रत्येक रविवार समाज के लोग एकत्र होकर बुद्ध के विचारों का स्मरण करते हुए उनके सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाने का प्रयास करते हैं। इस अवसर पर बौद्ध समाज के अध्यक्ष योगेश्वर मेश्राम, सचिव दिनेश गजभिये, कोमल मेश्राम,विकेश मेश्राम .राजकपूर बारसागडे,अनिता खोबरागड़े. वैजंतीमाला बंसोड़ .मनोरमा गजभिये, दीनबन्धु वाल्मीकि, अर्चना बारसागड़े, रेखा रामटेके सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे। समाज के लोगों ने कहा कि बुद्ध वंदना केवल पूजा नहीं, बल्कि सत्य, करुणा, समानता और मानवता के मार्ग पर चलने का संकल्प है। इस तरह प्रत्येक रविवार आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम समाज में आपसी भाईचारे, जागरूकता और सामाजिक एकता को मजबूत करने का संदेश दे रहा है।

गणेशोत्सव को लेकर पुलिस ने ली समितियों की बैठक

विश्व केसरी

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। आगामी गणेशोत्सव एवं विसर्जन कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से थाना कोतवाली की ओर से नगर क्षेत्र अंतर्गत समस्त गणेश उत्सव समितियों के पदाधिकारियों एवं आयोजकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक सीएसपी जगदलपुर सुमित कुमार धोत्रे की अध्यक्षता व थाना प्रभारी निरीक्षक लीलाधर राठौर की उपस्थिति में हुई बैठक मे

गणेश पंडालों एवं आगामी विसर्जन कार्यक्रमों की सुरक्षा, यातायात एवं कानून-व्यवस्था को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए। समितियों को विशेष रूप से निम्न बिंदुओं पर आवश्यक सावधानियां बरतने के निर्देश दिए गए. बैठक में गणेश समितियों के पदाधिकारियों द्वारा नियमों का पालन करते हुए शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में गणेशोत्सव मनाने तथा पुलिस एवं प्रशासन को पूर्ण सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया गया।

बस्तर पुलिस ने सभी गणेश उत्सव समितियों एवं आमजन से अपील की है कि गणेशोत्सव को श्रद्धा, उत्साह एवं भाईचारे के साथ मनाएं तथा सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस एवं प्रशासन का सहयोग करें।

इन इंतजाम की दी गई ताकीद

गणेश पंडालों में सीसी कैमरों एवं पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करना। पंडालों में फायर सेफ्टी एवं विद्युत सुरक्षा के आवश्यक प्रबंध रखना। विसर्जन के निर्धारित मार्ग, समय एवं स्थल का पालन करना. विसर्जन रैली के दौरान यातायात व्यवस्था एवं आमजन की सुविधा का विशेष ध्यान रखना। ध्वनि विस्तारक यंत्र एवं डीजे का संचालन प्रचलित नियमों, सक्षम प्राधिकारी के आदेशों तथा न्यायालयों द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप करना। अश्लील, आपत्तिजनक एवं फूहड़ गीतों का प्रयोग नहीं करना।

विसर्जन रैली के दौरान किसी भी प्रकार के हथियारों का प्रदर्शन, खतरनाक स्टंट अथवा कानून-व्यवस्था प्रभावित करने वाली गतिविधियों से बचना। भीड़ नियंत्रण एवं आपात स्थिति के लिए समितियों द्वारा पर्याप्त संख्या में जिम्मेदार स्वयंसेवकों की नियुक्ति करना।

कन्या आश्रम कोड़ेकुर्से में छात्रावासी बच्चों को बांटी गई उपयोगी सामग्री, खुशी से खिल उठे चेहरें

विश्व केसरी

दुर्गूकोंदल (दीपक शर्मा)। कन्या आश्रम कोड़ेकुर्से में छात्रावासी बच्चों के लिए उपयोगी सामग्री वितरण का कार्यक्रम आत्मीयता और उत्साहपूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनपद सदस्य श्री अमृत कोटिंगला मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। इस दौरान उन्होंने आश्रम में रहकर अध्ययन कर रहे बच्चों के बीच विभिन्न उपयोगी सामग्रियों का वितरण किया। सामग्री प्राप्त करते ही बच्चों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी और पूरा आश्रम बच्चों की मुस्कान एवं उत्साह से खिल उठा। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को उनकी दैनिक जरूरतों एवं अध्ययन में उपयोगी सामग्री प्रदान की गई। बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम में सहभागिता की। जब उन्हें एक-एक कर सामग्री दी गई तो उनके चेहरे पर खुशी और उत्सुकता देखने लायक थी। लंबे समय तक छात्रावास में रहकर पढ़ाई करने वाले इन बच्चों के लिए इस तरह का सहयोग न केवल उनकी जरूरतों को पूरा करने वाला रहा, बल्कि उन्हें यह एहसास भी कराया कि समाज के लोग उनके साथ खड़े हैं।

मुख्य अतिथि अमृत कोटिंगला ने बच्चों से आत्मीयता के साथ बातचीत की और उनकी पढ़ाई, रहने तथा अन्य आवश्यकताओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने बच्चों को खूब मन लगाकर पढ़ाई करने और अपने जीवन में एक बेहतर लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि बच्चों के चेहरे पर आने वाली मुस्कान किसी भी सेवा कार्य की सबसे बड़ी सफलता है। जरूरतमंद और छात्रावासी बच्चों की छोटी-छोटी आवश्यकताओं को पूरा करने से उनके भीतर आत्मविश्वास बढ़ता है और उन्हें आगे बढ़ने की नई प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों के लिए शिक्षा उनके भविष्य को बदलने का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। ऐसे में बच्चों को पढ़ाई के लिए आवश्यक वातावरण, सामग्री और प्रोत्साहन उपलब्ध कराना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने आश्रम के शिक्षक-शिक्षिकाओं की भूमिका की भी सराहना करते हुए कहा कि वे बच्चों को शिक्षा देने के साथ उनके व्यक्तित्व निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं, कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने भी अपनी खुशी का इजहार किया। उपयोगी सामग्री मिलने के बाद कई बच्चे उसे उत्सुकता से देखते और संभालते नजर आए। बच्चों की खिलखिलाहट और चेहरे की मुस्कान ने कार्यक्रम के माहौल को और भी खुशनुमा बना दिया। उपस्थित लोगों ने बच्चों के साथ समय बिताया और उनका उत्साह बढ़ाया।इस अवसर पर आश्रम के शिक्षक-शिक्षिकाओं सहित अन्य उपस्थितजनों ने भी बच्चों को प्रोत्साहित किया। सभी ने कहा कि बच्चों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए किया गया सहयोग उनके लिए काफी उपयोगी है। इस प्रकार के आयोजन बच्चों के मन में शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ाने के साथ-साथ उनमें अपनापन, आत्मविश्वास और आगे बढ़ने की भावना पैदा करते हैं। कन्या आश्रम कोड़ेकुर्से में आयोजित यह कार्यक्रम केवल सामग्री वितरण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि बच्चों के चेहरों पर मुस्कान और उनके मन में उम्मीद जगाने वाला एक आत्मीय प्रयास बन गया। बच्चों की खुशी और उत्साह ने पूरे आयोजन को यादगार बना दिया।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर अज्ञात वाहन की ठोकर से 15 मवेशियों की मौत

विश्व केसरी

कांकेर/लखनपुरी (सीताराम शर्मा)। राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर कानापोड़ (लखनपुरी) स्थित बालक छात्रावास के पास बीती रात एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से करीब 15 मवेशियों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर बड़ी संख्या में मवेशियों के शव बिखरे मिले। मृत मवेशियों में से कुछ को बाबूकोहका ढाबे के पास जेसीबी से गड्ढा खोदकर दफनाया गया। घटना की जानकारी मिलते ही भानुप्रतापपुर विधायक सावित्री मनोज मंडावी घटनास्थल पर पहुंचीं और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने बेजुबान मवेशियों की मौत पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों से घटना की जानकारी ली। विधायक ने भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग पर मवेशियों की सुरक्षा और उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इस दौरान पूर्व सदस्य गौ सेवा आयोग नरेंद्र यादव, आदिवासी कांग्रेस ब्लॉक चारामा अध्यक्ष कुबेर कुंजाम, कांग्रेस मंडल जैसाकर्रा अध्यक्ष सत्तार खान, संतोष शिन्दे, सुमन साहू, रानू साहू सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

'वर्ल्ड सर्कुलर इकोनॉमी फोरम 2026' की मेजबानी, गांधीनगर में जुटेंगे 65 से अधिक देशों के प्रतिनिधि

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत पहली बार दक्षिण एशिया में 'वर्ल्ड सर्कुलर इकोनॉमी फोरम (डब्ल्यूसीईएफ) 2026' की मेजबानी करने जा रहा है। यह प्रतिष्ठित वैश्विक आयोजन 15 से 18 सितंबर 2026 तक गुजरात के गांधीनगर में आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम की थीम 'सर्कुलर इकोनॉमी: ट्रांजिशन फॉर पीपल एंड प्रॉस्पेरिटी' रखी गई है, जिसका उद्देश्य टिकाऊ विकास, संसाधनों के बेहतर उपयोग और हरित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना है।

रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, यह फोरम सर्कुलर फाइनेंस को बढ़ावा देने और सर्कुलैरिटी के लिए इनोवेशन को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से अलग-अलग सेक्टर की पार्टनरशिप के लिए एक ग्लोबल प्लेटफॉर्म है। फोरम का उद्घाटन केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल संयुक्त रूप से करेंगे, जिसमें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के कई गणमान्य लोग भी शामिल होंगे।

इस वैश्विक सम्मेलन में 65 से अधिक देशों के 2,000 से ज्यादा प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है। इनमें उद्योग जगत के नेता, उद्यमी, स्टार्टअप संस्थापक, शोधकर्ता, नीति निर्माता, शिक्षाविद, निवेशक और सामाजिक परिवर्तन से जुड़े विशेषज्ञ शामिल होंगे।

फोरम का उद्देश्य भारत द्वारा सर्कुलर इकोनॉमी को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करना और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करना है, जिसके जरिए ग्लोबल साउथ देशों के साथ सहभागिता बढ़ाने, सर्कुलर फाइनेंस को प्रोत्साहित करने, निजी निवेश आकर्षित करने और विभिन्न क्षेत्रों के बीच साझेदारी को मजबूत करने पर जोर दिया जाएगा।

15 और 16 सितंबर को आयोजित मुख्य कार्यक्रम में 4 प्लेनरी सत्र और 16 विषयगत समानांतर सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), रोजगार सृजन, ऊर्जा उत्पादन, वित्तीय समाधान, सुशासन, टिकाऊ उत्पाद, औद्योगिक नवाचार, स्टार्टअप इकोसिस्टम और युवा नेतृत्व जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा होगी।

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने बयान में कहा कि सर्कुलर इकोनॉमी केवल पर्यावरण संरक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नई आर्थिक संभावनाएं, रोजगार के अवसर और टिकाऊ औद्योगिक विकास का भी आधार बन सकती है।

बयान में कहा गया कि फोरम के दौरान एक अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी भी आयोजित की जाएगी, जिसमें 125 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शक हिस्सा लेंगे। यहां स्टार्टअप्स, उद्योगों और तकनीकी संस्थानों द्वारा विकसित सर्कुलर इकोनॉमी से जुड़े व्यावहारिक समाधान और निवेश के लिए तैयार नवाचार प्रदर्शित किए जाएंगे। यह प्रदर्शनी उद्योगों और निवेशकों को नई तकनीकों और कारोबारी अवसरों से जोड़ने का महत्वपूर्ण मंच साबित हो सकती है।

कार्यक्रम के दौरान सस्टेनेबल कंजम्पशन एंड प्रोडक्शन पैटर्न्स (10 वाईएफपी) बोर्ड की बैठक भी गांधीनगर में आयोजित होगी। हाल ही में भारत ने इस बोर्ड के सह-अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाली है, जो टिकाऊ उत्पादन और उपभोग को बढ़ावा देने में देश की बढ़ती वैश्विक भूमिका को दर्शाता है।

इसके अलावा 17 और 18 सितंबर को दुनिया भर के साझेदार संगठनों द्वारा लगभग 80 एक्सीलरेटर सत्र ऑनलाइन, हाइब्रिड और प्रत्यक्ष रूप से आयोजित किए जाएंगे, जिनमें नवाचार, निवेश और नीति से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श होगा।

असम : सीएम हिमंता ने एनएमसी की 13,186 नई एमबीबीएस सीटों को बताया क्षमता को बढ़ाने वाला कदम

विश्व केसरी ■

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने रविवार को देश भर में एमबीबीएस की 13,186 अतिरिक्त सीटों को नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) से मंजूरी मिलने की तारीफ की। उन्होंने इस विस्तार को भारत में मेडिकल शिक्षा और हेल्थकेयर क्षमता को बढ़ाने वाला एक अहम कदम बताया।

सीएम सरमा ने एक्स पर एक पोस्ट में इस डेवलपमेंट का स्वागत किया। उन्होंने मेडिकल की पढ़ाई करने के इच्छुक छात्रों के लिए मौके बढ़ाने और देश में ट्रेंड डॉक्टरों की संख्या बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया। इस नए विस्तार के साथ, 2026-27 एकेडमिक सेशन के लिए भारत में एमबीबीएस की कुल सीटों की संख्या 1.4 लाख से ज़्यादा हो गई है। एनएमसी के ताजा डेटा के अनुसार, 'नेशनल इंपॉर्टेंस' वाले संस्थानों की सीटों को छोड़कर, 836 मेडिकल कॉलेजों में अंडरग्रेजुएट मेडिकल सीटों की कुल संख्या बढ़कर 1,40,214 हो गई है। यह बढ़ोतरी मेडिकल एजुकेशन की क्षमता में एक बड़ा विस्तार दिखाती है। यह ऐसे समय में हुआ है, जब नेशनल एलिजिबिलिटी-कम-एंट्रेंस टेस्ट (नीट-यूजी) देने वाले छात्रों के बीच एमबीबीएस सीटों की मांग बहुत अधिक है। केंद्र शासित प्रदेशों और कई राज्यों में अतिरिक्त सीटों को मंजूरी दी गई है। इनमें कर्नाटक, तमिलनाडु और बिहार जैसे राज्य शामिल हैं, जहां सीटों की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई है।

असम और पूर्वोत्तर के लिए यह विस्तार और भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह क्षेत्र अपनी मेडिकल शिक्षा और हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत कर रहा है। हाल के वर्षों में राज्य में मेडिकल कॉलेजों और स्वास्थ्य सुविधाओं का लगातार विस्तार हुआ है। सरकार का मकसद है कि लोगों को बेहतर स्पेशलाइज्ड हेल्थकेयर मिल सके और साथ ही क्षेत्र के छात्रों के लिए ज़्यादा मौके पैदा हों।

एमबीबीएस सीटों में राष्ट्रीय स्तर पर हुई इस बढ़ोतरी से योग्य मेडिकल प्रोफेशनल्स की बढ़ती जरूरत को पूरा करने में भी मदद मिलने की उम्मीद है।

वजन घटाने के लिए डाइट ज्यादा असरदार या एक्सरसाइज? नई स्टडी में हुआ बड़ा खुलासा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। दुनियाभर में बढ़ता मोटापा और ज्यादा वजन आज एक बड़ी स्वास्थ्य चुनौती बन चुका है। एक अनुमान के मुताबिक, दुनिया में करीब 2.5 अरब वयस्क ओवरवेट या मोटापे की समस्या से जूझ रहे हैं। ऐसे में वजन कम करने के लिए डाइट, एक्सरसाइज और जीवनशैली में बदलाव जैसे अलग-अलग तरीकों को लेकर लगातार रिसर्च होती रहती है।

हैदराबाद स्थित आईसीएमआर-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन की समीक्षा में वजन और मेटाबॉलिक हेल्थ पर अलग-अलग जीवनशैली आधारित तरीकों के असर को देखा गया। इस समीक्षा में 112 व्यवस्थित समीक्षाओं और मेटा-विश्लेषणों को शामिल किया गया, जिनमें 2,332 रैंडमाइज्ड नियंत्रित परीक्षणों और करीब 2.48 लाख प्रतिभागियों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। इसमें 50 से ज्यादा देशों से जुड़े शोध शामिल थे।

अध्ययन के मुताबिक, डाइट और शारीरिक गतिविधि को मिलाकर चलाने वाले कार्यक्रमों से वजन घटाने के साथ-साथ दिल और मेटाबॉलिक हेल्थ पर भी बेहतर असर देखने को मिला। 12 महीने से ज्यादा समय तक चलने वाले फॉलोअप में डाइट और फिजिकल एक्टिविटी के संयोजन से तुलना वाले समूह की अपेक्षा करीब 3.68 किलो ज्यादा वजन कम हुआ।

वहीं, कम कैलोरी वाली डाइट से शुरुआती तीन महीनों में सबसे ज्यादा वजन घटने का असर देखा गया।

इस दौरान तुलना वाले समूह की अपेक्षा करीब 2.64 किलो अधिक वजन कम हुआ। हालांकि, लंबे समय तक वजन को नियंत्रित रखने के लिए सिर्फ डाइट के बजाय नियमित शारीरिक गतिविधि और व्यवहार में सकारात्मक बदलाव को भी साथ रखना जरूरी माना गया।

सिर्फ वजन कम होना ही इस अध्ययन की खास बात नहीं है। शारीरिक गतिविधि का असर ब्लड प्रेशर पर भी देखने को मिला। 6 से 12 महीने के दौरान फिजिकल एक्टिविटी से सिस्टोलिक ब्लड प्रेशर में भी कमी देखी गई।

डाइट और एक्सरसाइज को साथ लेकर चलने वाले कार्यक्रमों से ब्लड ग्लूकोज और इंसुलिन रेजिस्टेंस में भी बेहतर सुधार देखने को मिला। यानी फायदा सिर्फ वजन की मशीन पर दिखने वाले आंकड़े तक सीमित नहीं है, बल्कि शरीर के मेटाबॉलिक स्वास्थ्य पर भी पड़ सकता है।

इस समीक्षा का सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष यह है कि स्वास्थ्य लाभ के लिए हमेशा अत्यधिक वजन घटाना अनिवार्य नहीं है। शोध के अनुसार, जीवनशैली में सुधार से होने वाले कई फायदे वजन कम होने की मात्रा पर निर्भर नहीं करते। इसलिए, यदि कोई व्यक्ति सामान्य तौर पर निर्धारित '5 से 10 प्रतिशत वजन घटाने' के लक्ष्य तक नहीं भी पहुंच पाता, तब भी पौष्टिक खान-पान, नियमित व्यायाम और सकारात्मक जीवनशैली उसके स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी सिद्ध हो सकते हैं।

त्रिपुराः मेंटल हेल्थ अथॉरिटी ने 19 बिना रजिस्ट्रेशन वाले प्राइवेट रिहैब सेंटरों को नोटिस जारी किया

विश्व केसरी ■

अगरतला। त्रिपुरा के स्टेट मेंटल हेल्थ अथॉरिटी की ओर से 19 अनधिकृत प्राइवेट रिहैबिलिटेशन सेंटरों को 'शो-कॉज नोटिस' जारी किए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की ओर से रविवार को बताया गया कि इन सेंटरों पर आरोप है कि वे बिना जरूरी रजिस्ट्रेशन के चल रहे थे और 'मेंटल हेल्थकेयर एक्ट, 2017' के तहत तय मानकों का पालन नहीं कर रहे थे।

स्वास्थ्य विभाग के एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि 9 सितंबर को दो अलग-अलग कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे। इन संगठनों पर आरोप था कि वे 'मेंटल हेल्थकेयर एक्ट' के तहत बिना सही रजिस्ट्रेशन या इजाजत के मानसिक बीमारी और ड्रग की लत से जूझ रहे लोगों को इलाज और रिहैबिलिटेशन (पुनर्वास) की सुविधाएं दे रहे थे।

पहले नोटिस में, अगरतला के उजान अभयनगर स्थित 'स्वप्ना फाउंडेशन' पर आरोप लगाया गया कि वह सक्षम अधिकारी से रजिस्ट्रेशन लिए बिना मानसिक स्वास्थ्य केंद्र या रिहैबिलिटेशन सेंटर चला रहा था।

नोटिस में इस बात का भी जिक्र किया गया कि मरीजों की सेहत पर बुरा असर पड़ा है। संगठन से कहा गया है कि वह नोटिस मिलने के सात दिनों के भीतर अपना जवाब दे और बताए कि एक्ट के संबंधित प्रावधानों के तहत उसके खिलाफ कार्रवाई क्यों न की जाए।

अधिकारी ने यह भी चेतावनी दी कि अगर तय समय में कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिलता है या संगठन जांच में सहयोग नहीं करता है, तो उसके खिलाफ एकतरफा उचित कार्रवाई की जाएगी।

वहीं, दूसरे नोटिस में, 18 अन्य संगठनों पर आरोप लगाया गया कि वे एक्ट के तहत बिना सही रजिस्ट्रेशन या इजाजत के मानसिक बीमारी और ड्रग की लत से जूझ रहे लोगों को इलाज और रिहैबिलिटेशन की सुविधाएं दे रहे थे।

एक्ट की धारा 65(1) के तहत, सक्षम अधिकारी से रजिस्ट्रेशन लिए बिना कोई भी मानसिक स्वास्थ्य संस्थान या रिहैबिलिटेशन सेंटर चलाना गैर-कानूनी है।

इन 18 संगठनों से भी कहा गया है कि वे नोटिस मिलने के सात दिनों के भीतर अपना जवाब दें और बताएं कि एक्ट के संबंधित प्रावधानों के तहत उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों न शुरू की जाए। अधिकारी ने चेतावनी दी कि तय समय में संतोषजनक जवाब न देने या जांच में सहयोग न करने पर संगठनों के खिलाफ एकतरफा कार्रवाई की जाएगी।

कांगो में इबोला का 17वां प्रकोप काबू में, खतरा अभी भी पूरी तरह टला नहीं : डीआरसी

विश्व केसरी ■

किंशासा। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) सरकार के अनुसार, देश में फैला इबोला प्रकोप अब नियंत्रण में है और यह अपने चरम स्तर को पार कर चुका है। हालांकि, स्थानीय स्तर पर अचानक सामने आ रहे नए मामलों, संक्रमण के निरंतर प्रसार और इसके सातवें प्रांत तक पहुंचने के कारण अभी भी खतरा पूरी तरह टला नहीं है।

सरकार के प्रवक्ता पैट्रिक मुयाया ने शुक्रवार को कैबिनेट बैठक की रिपोर्ट पढ़ते हुए स्वास्थ्य मंत्री रोजर कंबा का हवाला देते हुए कहा, 'इबोला का 17वां प्रकोप काबू में है और अगस्त 2026 के तीसरे सप्ताह की शुरुआत में यह अपने चरम पर पहुंच गया था।'

सन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सरकार का कहना है कि सभी मुख्य संकेत मामले घटने की ओर इशारा कर रहे हैं। प्रकोप के हालिया विस्तार से पहले प्रभावित 10 स्वास्थ्य क्षेत्रों में कम से कम 21 दिनों से कोई नया मामला सामने नहीं आया है, जबकि प्रकोप के केंद्र पूर्वी प्रांत इटुरी के कई इलाकों में संक्रमण की रफ्तार धीमी हुई है।

इसके बावजूद, अधिकारियों ने लगातार सतर्कता बरतने और कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग (संक्रमितों के संपर्क में आए लोगों का पता लगाने) को सख्ती से करने को कहा है। उन्होंने कहा कि जिन इलाकों में हाल ही में मामले बढ़े हैं, वहां कड़ी निगरानी जरूरी है।

कांगो के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री और मौजूदा सांसद जीन-जैक्स मबुंगानी मबांडा ने इस आकलन को लेकर सावधानी बरतने की अपील की। ??उन्होंने शनिवार को कहा कि कुछ इलाकों में मामलों में कमी का मतलब यह नहीं निकाला जाना चाहिए कि हर जगह संक्रमण पर काबू पा लिया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रकोप में, जहां संक्रमण कई जगहों से फैल रहा हो, अलग-अलग इलाके अलग-अलग समय पर अपने चरम पर पहुंच सकते हैं।

चेन्नई में बुखार और डेंगू के मामलों में तेज बढ़ोतरी, डॉक्टरों ने सावधानी बरतने की दी सलाह

विश्व केसरी ■

चेन्नई। चेन्नई और इसके उपनगरीय इलाकों में पिछले कुछ हफ्तों में बुखार के मामलों में तेज बढ़ोतरी देखी गई है। कई इलाकों में वायरल संक्रमण और डेंगू फैल रहा है। डॉक्टरों ने लोगों से सतर्क रहने, समय पर डॉक्टर से मिलने और मच्छरों को पनपने से रोकने के उपाय अपनाने की अपील की है।

पिछले 10 दिनों में शहर और उपनगरों में 2,000 से ज्यादा लोगों में बुखार के लक्षण मिले हैं। इनमें से 140 मामलों में डेंगू की पुष्टि हुई है, जो मच्छर जनित संक्रमण के पॉजिटिव मामलों में बढ़ोतरी का संकेत है। इसकी तुलना में अगस्त महीने में लगभग 4,500 बुखार के मामले दर्ज किए गए थे, जिनमें से 160 में डेंगू पाया गया था।

ताजा आंकड़ों ने स्वास्थ्य विशेषज्ञों की चिंता बढ़ा दी है, खासकर इसलिए क्योंकि कम समय में डेंगू के मामलों की संख्या पिछले महीने के कुल आंकड़े के करीब पहुंच रही है। अड्यार, अन्ना नगर और वलसरवक्कम जोन उन इलाकों में हैं जहां बुखार के मामले ज्यादा आ रहे हैं। सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों में बुखार, बदन दर्द, खांसी और अन्य लक्षणों के साथ मरीजों के आने से स्वास्थ्य अधिकारी और मेडिकल टीमें स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही हैं। डॉक्टरों ने बताया कि शहर में इन्फ्लुएंजा ए, राइनोवायरस और रेस्पिरेटरी सिंकाइटियल वायरस, जिसे आमतौर पर आरएसवी कहा जाता है, सहित कई सांस संबंधी वायरस फैल रहे हैं। वायरल बुखार परिवार के सदस्यों में तेजी से फैल सकता है।

तनाव और पीठ दर्द से पाना है छुटकारा? जीवनशैली में शामिल करें मकरासन

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में बढ़ते तनाव, पीठ दर्द और सांस से जुड़ी समस्याओं से राहत दिलाने में योग एक बेहतरीन माध्यम है। भारतीय संस्कृति की इस प्राचीन विधा में 'मकरासन' का खास महत्व है। यह आसन थकान मिटाने और शरीर को पूरी तरह आराम देने के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है।

'मकर' शब्द का संस्कृत में अर्थ 'मगरमच्छ' होता है। इस आसन में शरीर की स्थिति पानी में विश्राम कर रहे मगरमच्छ के समान प्रतीत होती है, इसलिए इसे 'मकरासन' कहा जाता है। यह आसन तनाव को दूर कर पाचन को बेहतर बनाता है और अस्थमा, ग्रीवा संबंधी तकलीफ और साइटिका के दर्द से भी राहत देता है।

हठयोग की परंपरा में 'मकरासन' को एक अत्यंत प्रभावी आसन माना गया है, जहां योग के अधिकांश आसन शरीर में शक्ति, लचीलेपन और संतुलन का निर्माण करते हैं, वहीं मकरासन शरीर और मन दोनों को गहरे विश्राम की स्थिति में ले जाने का कार्य करता है।

इस आसन को नियमित रूप से करना रीढ़ की हड्डी के लिए बेहद लाभकारी होता है। यह रीढ़ की हड्डी की संरचना को संतुलित बनाए रखने में मदद करता और उसमें लचीलापन बढ़ाता है। यह विशेष रूप से उन लोगों के लिए फायदेमंद है, जो पीठ दर्द, स्लिप डिस्क जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं।

इसके अलावा, मकरासन मानसिक तनाव और चिंता को कम करने में सहायक होता है। इस आसन के अभ्यास से मस्तिष्क को शांति मिलती है और एकाग्रता बढ़ती है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अनुसार, मकरासन पाचन तंत्र को मजबूत करने में मदद करता है। इस आसन को करते समय शरीर पेट के बल जमीन पर लेटा होता है, जिससे पेट पर हल्का दबाव पड़ता है। यह दबाव पाचन अंगों को सक्रिय करता है।

भारतीय टीम ने जीता जूनियर विमेंस एशिया कप का खिताब, फाइनल मुकाबले में चीन को 1-0 से हराया

विश्व केसरी ■

मोकी (चीन)। भारतीय टीम ने जूनियर विमेंस एशिया कप 2026 के खिताब को अपने नाम कर लिया है। फाइनल मुकाबले में भारत ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए मेजबान चीन को 1-0 से हराया।

सानिका चंद्रकांत माने के 17वें मिनट में किए गए गोल की मदद से भारत ने खिताब अपने नाम किया और एफआईएच जूनियर वर्ल्ड कप में अपनी जगह पक्की की। भारतीय महिला टीम ने पिछले दो संस्करणों में भी एएचएफ जूनियर एशिया कप की ट्रॉफी जीती थी। टीम ने इस साल की शुरुआत में नियुक्त कोच टिम व्हाइट के मार्गदर्शन में एक व्यवस्थित ट्रेनिंग प्रोग्राम के तहत तैयारी की और रविवार को खिताब की हैट्रिक पूरी की।

हॉकी इंडिया ने जूनियर एशिया कप में खिताब जीतने वाली महिला टीम के लिए नकद पुरस्कारों की घोषणा की है, जिसके तहत हर खिलाड़ी को 3 लाख रुपये और सपोर्ट स्टाफ के हर सदस्य को 1.5 लाख रुपये दिए जाएंगे। भारत और चीन के बीच शुरुआती क्वार्टर में कड़ी टक्कर देखने को मिली और कोई गोल नहीं हो सका। इसके बाद मैच के 17वे मिनट में भारत के लिए पहला गोल सानिका ने दागा और टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। भारतीय टीम इस बढ़त को हाफ टाइम तक बरकरार रखने में कामयाब रहीं।

भारत ने तीसरे क्वार्टर में भी अपनी मामूली बढ़त बनाए रखी और मेजबान टीम को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने आखिरी सीटी बजने तक अपनी बढ़त बनाए रखी और 1-0 से जीत हासिल करते हुए तीसरी बार एएचएफ महिला जूनियर एशिया कप की ट्रॉफी अपने नाम की। भारत ने क्वार्टर फाइनल में पाकिस्तान को 19-0 से हराने के बाद, साउथ कोरिया को 5-1 से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। इस जीत में ड्रैग-फ्लिक स्पेशलिस्ट सुप्रिया का अहम योगदान रहा था।भारत ने पूल स्टेज में तीन जीत और एक ड्रॉ के साथ 10 अंक हासिल किए ।

कतर क्लासिक स्क्वैश: बेल्जियम की टिने गिलिस से पार नहीं पा सकीं अनाहत, हार के साथ टूर्नामेंट में सफर समाप्त

दोहा। भारतीय स्क्वैश स्टार अनाहत सिंह रविवार को कतर क्लासिक के महिला सिंगल्स के दूसरे राउंड में बेल्जियम की दुनिया की नंबर 9 खिलाड़ी टिने गिलिस से कड़े मुकाबले में हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। यह 2,42,000 अमेरिकी डॉलर इनामी राशि वाला पीएसए प्लैटिनम इवेंट था।

जुलाई में वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप का खिताब जीतने वालीं दुनिया की 20वें नंबर की खिलाड़ी अनाहत ने एक बार फिर अपने से ऊंची रैंकिंग वाली खिलाड़ी के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। हालांकि, दो गेम में बढ़त बनाने के बावजूद वह मैच नहीं जीत सकीं। आठवीं वरीयता प्राप्त गिलिस ने पहला गेम 11-4 से जीतकर मजबूत शुरुआत की। इसके बाद अनाहत ने शानदार वापसी की और आक्रामक खेल दिखाते हुए अगले दो गेम 11-8 और 11-9 से अपने नाम किए। इस प्रदर्शन के बूते वह क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के काफी करीब थीं। करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग नंबर 5 तक पहुंच चुकीं बेल्जियम की खिलाड़ी ने अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए मुकाबले का रुख बदल दिया। गिलिस ने चौथा गेम 11-4 से जीतकर मैच बराबरी पर ला दिया और फिर निर्णायक गेम में भी अपनी लय बनाए रखते हुए 11-3 से जीत हासिल की और अगले राउंड में अपनी जगह पक्की कर ली।

हार के बावजूद, दोहा में अनाहत का प्रदर्शन स्थापित खिलाड़ियों के खिलाफ एक और उत्साहजनक अनुभव रहा, क्योंकि 17 वर्षीय खिलाड़ी सीनियर सर्किट में लगातार छाप छोड़ रही हैं। भारतीय खिलाड़ी ने कतर क्लासिक में अपने अभियान की मजबूत शुरुआत की थी और पहले राउंड में मिस्र की दुनिया की नंबर 16वीं खिलाड़ी फरीदा मोहम्मद को 13-11, 3-11, 11-7, 11-7 से हराया था।

अनाहत इस टूर्नामेंट में चार सदस्यीय भारतीय सिंगल्स दल का हिस्सा थीं, जिसमें उनके साथ अभय सिंह, वीर चोटरानी और तन्वी खन्ना भी शामिल थे। पुरुषों के शुरुआती राउंड में 24वीं रैंकिंग वाले अभय को स्विट्जरलैंड के दुनिया के 22वें नंबर के खिलाड़ी दिमित्री स्टीनमैन ने 7-11, 9-11, 12-14 से हराया, जबकि दुनिया के 38वें नंबर के खिलाड़ी चोत्रानी को न्यूजीलैंड के दूसरे नंबर के खिलाड़ी पॉल कोल ने 11-2, 11-3, 11-1 से मात दी। अब भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी जापान में होने वाले एशियन गेम्स पर ध्यान केंद्रित करेंगे, जहां अनाहत, अभय, चोत्रानी और तन्वी सिंगल्स इवेंट में देश की चुनौती की अगुवाई

साजन प्रकाश: 5 साल में शुरू हुआ तैराकी का सफर, ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई करने वाले देश के पहले तैराक

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। तैराकी भारत में एक परंपरागत कला है। वैश्विक स्तर पर तैराकी अब एक बड़े खेल के रूप में विकसित हो चुका है। भारत में यह खेल फिलहाल विकासशील प्रक्रिया में है। भारतीय तैराकों ने वैश्विक मंचों पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है, लेकिन बड़ी सफलता का इंतजार बरकरार है।

भारतीय तैराकी फिलहाल अपनी प्रतिभा से सींच रहे तैराकों में साजन प्रकाश का नाम अहम है। साजन भारत के पहले ऐसे तैराक हैं, जिन्होंने ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई किया था।

साजन प्रकाश का जन्म 14 सितंबर 1993 को इडुक्की (केरल) में हुआ था। साजन के तैराकी में आने के पीछे उनकी मां का अहम योगदान रहा है। उनकी मां शांतिमोल ट्रैक एंड फील्ड एथलीट थीं। वह जहां काम करतीं, उसमें एक स्विमिंग पूल था। यहीं से साजन का तैराकी के प्रति प्रेम पनपा। महज 5 साल की उम्र में उन्होंने पहली बार स्विमिंग पूल में गोता लगाया था और यहीं से उनके तैराकी का सफर शुरू हो गया। तैराकी के शुरुआती दिनों में साजन ने इस विधा में अपनी प्रतिभा दिखाई और इसी वजह से इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए उन्हें अपने परिवार का पूरा समर्थन मिला।

सूर्यकुमार यादव: घरेलू क्रिकेट से विश्व विजेता कप्तान बनने तक की दास्तां

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आक्रामक शैली के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने मैदान पर हर एक कोन पर शॉट लगाने की काबिलियत के चलते पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। उनकी बेखौफ शैली और दबाव में शानदार प्रदर्शन उन्हें भारत के प्रमुख टी20 खिलाड़ियों में शामिल करता है।

कलाई का बेहतरीन इस्तेमाल करने वाले टीम इंडिया के 'मिस्टर 360 डिग्री' सूर्या टी20 क्रिकेट के विशेषज्ञ बल्लेबाज हैं। उनकी शानदार फील्डिंग और मानसिक मजबूती टीम के लिए बेहद मददगार साबित होती है।

14 सितंबर 1990 को जन्मे सूर्यकुमार यादव की जड़ें उत्तर प्रदेश के गाजीपुर से जुड़ी हैं। गाजीपुर की गलियों में खेलते हुए सूर्या ने भारत के लिए खेलने का सपना देखा। जब 10 साल के थे, तो परिवार ने उन्हें मुंबई में ट्रेनिंग के लिए भेज दिया। सूर्यकुमार यादव ने वेंगसरकर एकेडमी में दाखिया लिया, जहां अपने कौशल को निखारा। पिता अशोक कुमार यादव भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र में इलेक्ट्रिकल इंजीनियर के पद पर कार्यरत थे। नौकरी के चलते पिता परिवार समेत मुंबई आ बसे। परिवार ने सूर्या का भरपूर समर्थन किया। स्कूल की पढ़ाई से लेकर क्रिकेट की ट्रेनिंग तक पूरा ख्याल रखा गया। सूर्यकुमार यादव घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन करते रहे। करीब 10 साल तक घरेलू क्रिकेट में खुद को तपाने के बाद सूर्या को आखिरकार 14 मार्च 2021 को इंग्लैंड के खिलाफ टी20 क्रिकेट के साथ अंतरराष्ट्रीय डेब्यू का मौका मिला।

सूर्या को पहली पारी में बल्लेबाजी का मौका नहीं मिल सका, लेकिन अगले ही मैच में उन्होंने 31 गेंदों में 9 बाउंड्री के साथ 57 रन बनाकर टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। अपने तीसरे टी20 मुकाबले में सूर्या ने 17 गेंदों में 32 रन की पारी खेलकर भारत को 224/2 के विशाल स्कोर तक पहुंचाने में मदद की और टीम ने मैच 36 रन से अपने नाम करते हुए सीरीज जीती।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू से करीब 9 साल पहले ही सूर्या इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में डेब्यू कर चुके थे। आईपीएल 2012 में उन्हें मुंबई इंडियंस (एमआई) के लिए सिर्फ एक ही मैच खेलने का मौका मिल सका, जिसके बाद अगले सीजन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से जुड़ गए।

उन्होंने केकेआर के लिए चार सीजन खेले, लेकिन फैंस को खासा प्रभावित नहीं कर सके। साल 2018 उनके आईपीएल करियर के लिए निर्णायक साबित हुआ, जिसमें उन्होंने मुंबई इंडियंस के लिए वापसी करते हुए 14 मुकाबलों में 4 अर्धशतकों के साथ 512 रन कूट दिए।

इवेंट में मेरा ध्यान प्रतियोगी पर नहीं, पदक पर रहता है: गुलवीर सिंह

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। हाल ही में कॉमनवेल्थ गेम्स में अपनी सफलता से उत्साहित, भारत के टॉप लॉन्ग-डिस्टेंस रनर गुलवीर सिंह ने जापान में होने वाले एशियन गेम्स में मेडल जीतने पर अपनी नजरें टिकाई हैं। उन्होंने बताया कि एक बार जब वह स्टार्टिंग लाइन पर खड़े हो जाते हैं, तो उनका पूरा फोकस प्रतियोगियों के बारे में सोचने के बजाय पदक जीतने पर रहता है।

गुलवीर, जो इस साल की शुरुआत में 60 मिनट से कम समय में हाफ मैराथन पूरी करने वाले पहले भारतीय धावक बने, ने माना कि कॉन्टिनेंटल बैश में कॉम्पिटिशन का स्तर मुश्किल होगा, लेकिन उनका फोकस पदक जीतने पर रहेगा। गुलवीर ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, 'निश्चित रूप से दबावा होगा क्योंकि एशियन गेम्स में उच्च स्तर के एथलीट हिस्सा लेते हैं। कॉमनवेल्थ गेम्स में पदक ने मुझे बहुत आत्मविश्वास दिया। सरकार से लगातार सपोर्ट भी मिला है, जो बेहद अहम है।'

एशियन गेम्स 2023 में, 10000 मीटर और 5000 मीटर में नेशनल रिकॉर्ड होल्डर, गुलवीर ने जापान में होने वाले एशियन गेम्स आइची-नागोया 2026 में 1500 मीटर, 5000 मीटर और 10000 मीटर इवेंट में हिस्सा लेंगे।

ग्लासगो में कॉमनवेल्थ गेम्स में, गुलवीर ने पुरुषों की 5000 मीटर रेस में 13:24.95 का समय निकालकर कांस्य पदक जीता। इसके बाद उन्होंने पुरुषों की 10,000 मीटर रेस में 27:49.78 की टाइमिंग के साथ रजत पदक जीता।

एमएलएस: इंटर मियामी और नैशविले का मैच 2-2 से ड्रॉ

विश्व केसरी ■

मियामी। मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) में नु स्टेडियम में इंटर मियामी और नैशविले के बीच खेला गया मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा। मियामी के कप्तान लियोनेल मेसी ने एक गोल किया। कॉम्पिटिशन में उनके गोलों की संख्या अब 99 हो गई है।

विजिटर्स ने सैम सर्रिज के गोल से चौथे मिनट में बढ़त बनाते हुए स्कोर खोला। इंटर मियामी ने 19वें मिनट में ओन गोल से बराबरी कर ली, जब मेसी की कॉर्नर किक डिलीवरी को नैशविले के डिफेंडर रीड बेकर-व्हिटिंग ने नेट के पीछे डिफ्लेक्ट कर दिया। पहले हाफ के आखिर तक 1-1 का स्कोरलाइन नहीं बदला।

इंटर मियामी के पास दूसरे हाफ की शुरुआत में 50वें मिनट में बढ़त लेने का एक साफ मौका था, लेकिन मेसी के बॉक्स के दाईं ओर से बाएं पैर से मारा गया हिट क्रॉसबार से टकरा गया।

बारह मिनट बाद मेसी ने कोई गलती नहीं की और इंटर मियामी ने 62वें मिनट में गोल करके 2-1 की बढ़त बना ली। मेसी को बॉक्स के ठीक बाहर सेंट्रल पोजीशन में डी पॉल से पास मिला, जहां उन्होंने पहली बार बाएं पैर से हिट करके दूर पोस्ट पर नेट के पीछे गोल किया। उन्होंने इस सीजन में अपना 19वां गोल किया।

खेल के 66वें मिनट में इंटर मियामी ने दो बदलाव किए, जिसमें सेगोविया की जगह हाल ही में साइन किए गए पैराग्वे के इंटरनेशनल मिडफील्डर माटियास गैलार्जा को शामिल करना शामिल था, जो हमारे क्लब के लिए अपना डेब्यू कर रहे थे।

इंटर मियामी ने 78वें मिनट में एक डबल मौके के जरिए अपनी बढ़त लगभग बढ़ा ली थी। बॉक्स के सेंटर से सुआरेज के शुरुआती शॉट को नैशविले एससी के गोलकीपर ब्रायन श्वाके ने बचा लिया, इसके बाद मेसी की कोशिश को मेहमान टीम के गोलकीपर ने रोका और फिर वह लेफ्ट पोस्ट से टकराकर वापस चला गया।

नैशविले ने स्टॉपेज टाइम के पहले मिनट में सर्रिज के गोल से मैच बराबर कर दिया।

इंटर मियामी ने अपनी बढ़त वापस पाने की कोशिश की और अतिरिक्त समय के चौथे मिनट में जीत हासिल करने के करीब पहुंच गया, जब बॉक्स के दाईं ओर से डी पॉल का एक फिनिश लेफ्ट पोस्ट से टकरा गया। आखिरकार मैच 2-2 पर समाप्त हुआ।

बैडमिंटन एशिया जूनियर चैंपियनशिप: तन्वी पात्री ने हमवतन शायना को मात देकर जीता अंडर-17 खिताब

विश्व केसरी ■

चेंगदू । 15 वर्षीय तन्वी पात्री ने रविवार को बैडमिंटन एशिया अंडर17 और अंडर15 जूनियर चैंपियनशिप में लड़कियों का सिंगल्स अंडर-17 खिताब अपने नाम कर लिया है। तन्वी ने ऑल-इंडियन फाइनल में हमवतन शायना मणिमुथु को 11-15, 15-10, 15-12 से मात दी।

यह जीत ओडिशा की इस युवा खिलाड़ी के शानदार 2026 सीजन में एक और उपलब्धि है। पात्री ने पोंटियानक इंटरनेशनल चैलेंज में अपना पहला इंटरनेशनल खिताब जीता था और इस साल की शुरुआत में बेंगलुरु में ऑल इंडिया जूनियर अंडर-19 बैडमिंटन रैंकिंग टूर्नामेंट भी जीता था। अब उन्होंने अपने 2024 अंडर-15 एशियन खिताब के साथ अंडर-17 का कॉन्टिनेंटल खिताब भी अपने नाम कर लिया है।

दूसरी सीड तन्वी पात्री ने फाइनल तक पहुंचने के लिए मुश्किल ड्रॉ का सामना किया। पहले राउंड में बाई मिलने के बाद, उन्होंने चीन की झोउ जिंग ली के विरुद्ध कड़े तीन-गेम वाले मुकाबले में 18-16, 12-15, 15-13 से जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की।

इसके बाद उन्होंने जापान की शिजुकु काशियो को 15-9, 15-12 से हराया और फिर क्वार्टर फाइनल में चीन की लिन हेंग मेन के विरुद्ध 15-8, 15-8 से शानदार जीत दर्ज की। सेमीफाइनल में, पात्री ने तनावपूर्ण निर्णायक गेम में संयम बनाए रखते हुए चीन की यू यिंग गुई को 15-9, 11-15, 15-11 से शिकस्त दी।

ड्रॉ के दूसरी तरफ, छठी सीड वाली मणिमुथु का सफर भी उतना ही शानदार रहा, जिससे बेंगलुरु फाइनल का री-मैच तय हुआ। उनके सफर में जापान की युई इताबाशी के विरुद्ध क्वार्टर फाइनल में दमदार जीत और एक अन्य जापानी शटलर, एनोन ओकिमोटो के खिलाफ सेमीफाइनल में 15-13, 15-12 से संयमित जीत शामिल थी, जहां उन्होंने आखिरी पलों में बेहतरीन धैर्य दिखाया।

साल 2025 में दीक्षा सुधाकर की ऐतिहासिक जीत के बाद, पात्री की जीत ने लगातार दूसरे साल अंडर-17 गर्ल्स सिंगल्स की ट्रॉफी भारत के नाम कर दी। पिछले साल अंडर-15 एशियन टाइटल जीतने वाले मणिमुथु ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल जीता।

अंडर-15 कैटेगरी में एक और मेडल जोड़ते हुए, लड़कों की डबल्स जोड़ी आदित्य सिंह नेगी और तन्मय वर्मा ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। शनिवार को सेमीफाइनल में भारतीय जोड़ी को चीनी ताइपे की जोड़ी बो लिन हो और जुई एन हो से 5-15, 10-15 से हार का सामना करना पड़ा, जिसके साथ टीम का सफल कॉन्टिनेंटल कैंपेन खत्म हुआ।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड़ उरला रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहबा बाजार, टाटीबंध रायपुर छत्तीसगढ़- 492099,स्थानीय कार्यालय B-87A गायत्री नगर, शंकर नगर जगन्नाथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित, कार्यकारी संपादक: रामप्रसाद दुबे (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र रायपुर होगा) मोबाइल 9425509753 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. CTHIN/26/A6251